खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :23°C
न्यूनतम : 10°C

हल्द्वानी, मंगलवार 25 नवम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 90 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 5 विक्रमी सम्वत् 2082 | 3 जमादिउल उखरा 1447 हिज्री | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

यूपी के 75 जिलों में थाना स्तर पर घुसपैठियों की पहचान के निर्देश पेज 2

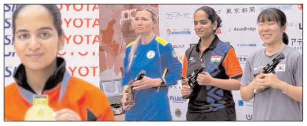

प्रांजलि धूमल ने डेफलंपिक्स में 25 मी. पिस्टल में जीता गोल्ड खेल टाइम्स

पंचायत चुनाव की सरगर्मी के बीच एसआईआर सम्पादकीय

परमाणु हथियारों की तस्करी कर रहे थे अब्दुल कादिर पेज 12

संक्षिप्त समाचार

फर्जीवाड़े की शिकायत पर ट्राई ने बंद किए 21 लाख मोबाइल नंबर

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने फर्जीवाड़े की शिकायत पर एक साल में 21 लाख मोबाइल नंबरों और एक लाख इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की है। ट्राई ने सोमवार को बताया कि स्पैम और फर्जीवाड़े से जुड़े मैसेज भेजने के कारण उसने 21 लाख मोबाइल नंबरों और करीब एक लाख इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए या तो उन नंबरों को बंद या ब्लैकलिस्ट कर दिया है। नियामक ने आम लोगों से फर्जीवाड़े वाले नंबरों की शिकायत ट्राई डीएनडी एप पर करने की अपील की है। उसने कहा है कि स्पैम कॉल या मैसेज वाले नंबरों को फोन में ब्लॉक करने भर से दूसरे लोग उससे सुरक्षित नहीं होते हैं, जबकि एप पर शिकायत करने से उस नंबर पर कार्रवाई कर उसके बंद या ब्लैकलिस्ट कर देने से पूरे समाज की सुरक्षा होती है।

श्रीनगर में सीजन का सबसे ठंडा दिन, पारा -3.2 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई है। रविवार को पूरी कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम था। दक्षिण कश्मीर का शोपियां सबसे ठंडा रहा, जहां पारा -5.1 डिग्री तक गिर गया। दूसरी तरफ, उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में रविवार को पारा माइनस 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इंद्र धारा झरने का पानी जम गया। ठंडी हवाओं के चलते तापमान में गिरावट हुई है। वहीं राज्य के मैदानी इलाकों में कोहरा छाने लगा है। इधर मध्य प्रदेश और राजस्थान में लोगों को सर्दी से राहत मिली है। दोनों राज्यों के ज्यादातर शहरों में रविवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने मप्र-राजस्थान में अगले चार से पांच दिनों तक शीतलहर का अलर्ट जारी नहीं किया है। उधर हरियाणा में रविवार को हिसार सबसे ठंडा रहा, यहां 7.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। यहां रात का पारा सामान्य से 3.4 डिग्री तक नीचे आ गया है।

इंडिया गेट पर नक्सली हिड़मा के पोस्टर लहराए गए

नई दिल्ली। दिल्ली में इंडिया गेट पर रविवार देर शाम वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44) के पोस्टर लहराए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई। हिड़मा को जल, जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने माड़वी हिड़मा अमर रहे, जैसे नारे लगाए। उन्होंने पोस्टरों पर भी माड़वी हिड़मा को लाल सलाम जैसे नारे लिखे थे। एक प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था कि बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक, हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान भीड़ की पुलिस से हाथापाई भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मिर्च स्प्रे कर दिया, जिससे तीन-चार पुलिसकर्मी घायल हो गए।

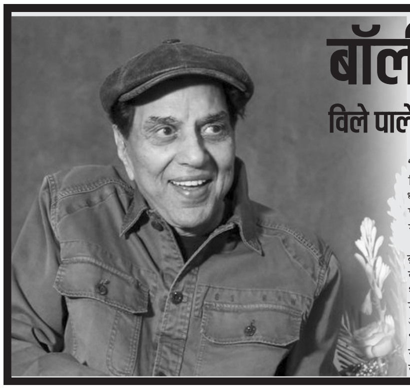

बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र का निधन

विले पार्ले श्मशान घाट में हुआ अंतिम संस्कार, पत्नी हेमा और बेटी ईशा थीं मौजूद

मुंबई। बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र का सोमवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। धर्मेंद्र ने सोमवार दोपहर अपने घर पर अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

उन्होंने 12 नवम्बर को ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल से परिवार के कहने पर डिस्चार्ज किया गया था। इसके बाद से घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ, जिसमें सलमान खान, संजय दत्त, अमिताभ बच्चन, आमिर खान समेत कई

■ अमिताभ, सलमान, शाहरुख खान व संजय दत्त भी पहुंचे

धर्मेंद्र का निधन एक युग का अंतः पीएम मोदी

सेलेब्स पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को एक युग के अंत का संकेत कहा है। दोपहर में उनके घर के बाहर एम्बुलेंस पहुंची थी और विले पार्ले श्मशान भूमि में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई थी। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से श्मशान घाट पहुंचाया गया। दोपहर करीब एक बजे धर्मेंद्र के घर के बाहर एम्बुलेंस पहुंची। घर के बाहर बैरिकेडिंग, सिक्योरिटी बढ़ाई गई। विले पार्ले श्मशान घाट की सिक्योरिटी बढ़ाई गई। धर्मेंद्र कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। 10 नवम्बर को उन्हें सांस लेने में दिक्कत आई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान उन्हें वैंटिलेटर पर रखा गया। मीडिया में उनके निधन की खबर भी आई, जिसे परिवार ने नकार दिया। 12 नवम्बर को धर्मेंद्र को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया था और डाक्टरों ने घर पर ही उनके आगे के इलाज की बात कही थी। दिवंगत धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने के लिए अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनकी बहन शमिता शेट्टी उनके घर पर पहुंचीं। संजय दत्त, धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। अब उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट -शेष पृष्ठ दो पर

53वें CJI बने जस्टिस सूर्यकांत

शपथ के बाद भाई-बहन के पैर छुए, पूर्व सीजेआई गवई से गले मिले

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग भी शामिल हुए।

शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने पीएम मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व सीजेआई बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी सीजेआई के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान पूर्व सीजेआई गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए छोड़ दी। शपथ के बाद

मोदी-शाह से मिलने पहुंचे, पहली बार सीजेआई के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही

सीजेआई सूर्यकांत राष्ट्रपति मुर्मू के पास पहुंचे और उनका अभिवादन किया। सीजेआई सूर्यकांत ने भाई ऋषिकांत और बहन राजबाला के भी पैर छुए। सीजेआई सूर्यकांत पीएम मोदी, राजनाथ और अमित शाह से मिलने भी पहुंचे। पूर्व वाइस प्रेसिडेंट जगदीप धनखड़ और पूर्व सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में नजर आए। वर्तमान सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवम्बर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। सीजेआई सूर्यकांत ने बेंच जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर के साथ कोर्ट रूम नंबर 1 में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की। जस्टिस सूर्यकांत अब पांच मेंबर वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड भी होंगे। पांच मेंबर वाला कॉलेजियम जो सुप्रीम कोर्ट के जजों को चुनता है और हाईकोर्ट के जजों के ट्रांसफर पर फैसला करता है, उसमें अब सीजेआई कांत और जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एमएम सुंदरेश शामिल होंगे। तीन सदस्यों वाले कॉलेजियम में, जो हाईकोर्ट के जजों को चुनता है, सीजेआई और जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्ना -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली दंगा केसः सुप्रीम कोर्ट में दो दिसम्बर तक सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगे केस की सुनवाई 2 दिसम्बर तक टल गई है। सोमवार को अदालत का समय खत्म होने की वजह से शरजील इमाम, उमर खालिद समेत मामले में सात आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई। इससे पहले 21 नवम्बर को हुई सुनवाई के दौरान पुलिस ने कहा था कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे, बल्कि इन्हें पहले से पूरी योजना बनाकर कराया गया था। पुलिस ने दावा किया था कि दंगों के लिए टेरर फंडिंग की गई और प्रदर्शन को जानबूझकर हिंसक मोड़ दिया गया। दंगों से पहले हुई मीटिंग्स में नॉर्थ ईस्ट को भारत से अलग करने की बात की गई। इस पर कोर्ट ने कहा था कि पुलिस जिन दस्तावेजों और चैट्स का हवाला दे रही है, उन्हें पहले रिकॉर्ड पर रखा जाए, ताकि कोर्ट उन्हें देखकर आगे सुनवाई आगे बढ़ा सके। दरअसल, दिल्ली में फरवरी 2020 में सीएए के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान 23 से 26 फरवरी तक हिंसा भड़क गई थी। जिसमें 53 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों घायल हुए थे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को बड़ा हादसा होने से बच गया, जब काबुल से आ रही एरियाना अफगान एयरलाइंस की एक फ्लाइट गलती से उस रनवे पर उतर गई, जहां से उसी समय एक अन्य विमान टेक ऑफ कर रहा था। घटना रविवार दोपहर 12:06 बजे की है, लेकिन सोमवार सुबह मीडिया में आई। एक वरिष्ठ डीजीसीए अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, घटना की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, एरियाना अफगान एयरलाइंस की ए310 विमान, फ्लाइट एफजी 311 (काबुल से दिल्ली), को रनवे 29एल पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन विमान रनवे 29आर पर उतर गया। फ्लाइट के पायलट इन कमांड ने बताया कि 4 नाटिकल माइल की दूरी पर उनका आईएलएस (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) सिग्नल खो गया और विमान दाईं ओर मुड़ गया, जिसके बाद कैप्टन ने विजुअल अप्रोच के आधार पर रनवे 29आर पर लैंडिंग कर दी। आईएलएस एक प्रिसिजन रेडियो नेविगेशन सिस्टम है, जो विमान को रात, खराब मौसम और कम दृश्यता की स्थिति में भी रनवे तक सुरक्षित तरीके से पहुंचाने में मदद करता है। पायलट ने कहा कि 4 एनएम पर आईएलएस सिग्नल खो गया था और विमान दाईं ओर मुड़ा, जबकि एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने पुष्टि की कि एफजी 311 को रनवे 29एल पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी और पायलट ने भी यही पुष्टि की थी।

भविष्य के युद्ध एक साथ तीनों रणक्षेत्रों में लड़े जाएंगेः जनरल द्विवेदी

मुंबई। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जल, थल और वायु सेनाओं में बेहतर तालमेल को सशस्त्र बलों की असली ताकत करार देते हुए कहा है कि भविष्य के युद्ध एक साथ तीनों रणक्षेत्रों में लड़े जाएंगे और ऑपरेशन सिंदूर सेनाओं के बीच एकीकरण का शानदार उदाहरण है।

जनरल द्विवेदी ने सोमवार को मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में देश में ही विकसित और डिजाइन पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस माहे को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि आईएनएस माहे का नौसेना के बेड़े में शामिल होना न सिर्फ़ नौसेना की ताकत को बढ़ाता है, बल्कि यह स्वदेशी प्रौद्योगिकी के बल पर जटिल युद्धपोत को डिज़ाइन करने, बनाने और फील्ड में उतारने की भारत की बढ़ती क्षमता को भी दिखाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस जहाज़ के शामिल होने से भारतीय

■ देश में ही विकसित और डिजाइन पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस माहे नौसेना के बेड़े में शामिल

नौसेना की समुद्र में दबदबा बढ़ाने, तटीय सुरक्षा ग्रिड को मज़बूत करने और तटीय इलाकों में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में काफ़ी बढ़ोतरी होगी। तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत ज़मीन, समुद्र और हवा में तालमेल में है।

मिरगी

घबराएं नहीं उचित इलाज करवाएं

मिरगी कोई भूत-प्रेत, छाया या आत्मा आदि का प्रकोप नहीं है। इसका इलाज नीम-हकीम, फकीर और ढोंगी लोग नहीं कर सकते हैं। इसका इलाज केवल उचित दवाओं द्वारा योग्य डाक्टर ही कर सकते हैं। यह एक साधारण रोग है। इसका इलाज संभव है।

मिरगी के लक्षण

- अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर जाना
- आंखे पथराना
- हाथ-पैर ऐंठ जाना
- मुंह से झाग निकलना
- मुंह एक तरफ हो जाना
- जीभ का बाहर व दांतो के बीच आना
- मुट्ठियां कसना
- गर्दन टेढ़ी पड़ना
- अचानक झटका-सा लगना
- घे-घे-औं-औं की आवाज आना

अगर आपमें या आपके आस-पास किसी में इस प्रकार के लक्षण हैं तो विश्व प्रसिद्ध वरिष्ठ मिरगी रोग विशेषज्ञ डा. अय्यूब हसन 'मार्शल' के इलाज से लाभ उठाकर हमेशा के लिए मिरगी से छुटकारा पाएं।

डा. अय्यूब हसन 'मार्शल'

M.B.B.S., G.M.C.S. (U.K.), F.C.G.P., F.A.P.S. (U.S.A.)
M.A.P.A.(U.S.A.), M.R.C.S.M.I.P.S., F.I.P.S., M.I.E.A.(INDIA)

- आजीवन सदस्य भारतीय मिरगी एसोसिएशन
- पूर्व सी.एम.ओ., इरविन अस्पताल, नई दिल्ली
- फैलो ऑफ इंडियन साइकैट्रिक सोसाइटी
- पूर्व सी.एम.ओ., जी.बी. पन्त अस्पताल, नई दिल्ली

मिलने का पता

मार्शल चिकित्सा केन्द्र

निकट चन्द्रा टाकीज़ व सैन्ट्रल बैंक के सामने
मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) मो.: 9997411423, 9358348826

नोट: जांच कराने वाले रोगी बालों को शैम्पू से धोकर आयें
समय 11 बजे से 5 बजे तक मंगलवार अवकाश
असुविधा से बचने के लिए कृपा पहले से समय लेकर मिलें।

कर्नाटक सीएम बदलने की अटकलें, गृह मंत्री भी दावेदार

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- हाईकमान करेगा फैसला, भाजपा ने पूछाः कांग्रेस का अध्यक्ष हाईकमान नहीं, तो कौन

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस मामले में निर्णय पार्टी हाईकमान ही करेगा और इस पर वह कुछ नहीं कहना चाहते। उन्होंने यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से शनिवार को हुई उनकी एक घंटे से अधिक की बैठक के बाद की।

खड़गे ने मीडिया के सवालों पर कहा कि जो भी होगा, हाईकमान करेगा। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। वहीं, खड़गे के बयान पर बीजेपी विधायक सुरेश कुमार ने एक्स पर लिखा कि अगर कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष हाईकमान नहीं है, तो कौन है? इधर, राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने संकेत दिया कि अगर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन होता है, तो वे भी सीएम पद की रेस में हैं। हालांकि हाईकमान से सीएम बदलने पर चर्चा नहीं हुई, न ही कांग्रेस विधायक दल में इस पर विचार हुआ। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने सोमवार को चिक्काबल्लापुर

फाइल फोटो

■ डीके शिवकुमार और मुझे, पार्टी हाईकमान के फैसले का पालन करना चाहिएः सिद्धारमैया

में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर कहा कि डीके शिवकुमार और मुझे, पार्टी हाईकमान के फैसले का पालन करना चाहिए। हाईकमान जो भी फैसला करेगा, उससे हमें सहमत होना चाहिए। हम पार्टी हाईकमान के फैसले के अनुसार काम करेंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि जब हाईकमान ने पांच महीने पहले बैठक की थी, तो उन्होंने कैबिनेट में फेरबदल का निर्देश दिया था। मैंने उनसे कहा था कि हम ढाई साल पूरे होने के बाद ऐसा करेंगे। अब, हम जो भी निर्देश दिए जाएंगे, उसके अनुसार काम करेंगे। सिद्धारमैया के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों एच सी महादेवप्पा और के. वेंकटेश ने भी खड़गे से मुलाकात की। महादेवप्पा ने कहा कि कर्नाटक में इस समय सीएम बदलने की कोई स्थिति नहीं है और यदि कभी ऐसा हुआ तो हाईकमान ही फैसला करेगा। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का 20 नवम्बर को 2.5 साल का कार्यकाल पूरा हुआ है। अब सत्ता संतुलन को लेकर बयानबाजी जारी है। कुछ विधायक जो डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थक माने जाते हैं, वे दिल्ली जाकर खड़गे से मिले थे। हालांकि शिवकुमार ने ऐसे किसी कार्यक्रम की जानकारी होने से इन्कार किया। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया कैबिनेट फेरबदल के पक्ष में हैं। जबकि शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला करे। पार्टी के अंदरूनी हलको में यह भी माना जा रहा है कि यदि हाई कमान कैबिनेट विस्तार को मंजूरी देता है, तो इससे सिद्धारमैया के पूरे कार्यकाल (5 साल) तक टिके रहने का संकेत मिल सकता है, जो शिवकुमार की सीएम बनने की संभावनाओं को कम कर देगा। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने 21 नवम्बर को सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों को खारिज किया था। शिवकुमार ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया था कि सीएम सिद्धारमैया अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

संक्षिप्त समाचार

रंगाई संयंत्र के टैंक में दम घुटने से तीन श्रमिकों की मौत

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिला में औराई थाना क्षेत्र के उगापुर स्थित एक रंगाई संयंत्र के टैंक में जहरीली गैस रिसाव के कारण सोमवार को अपराह्न में तीन श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई। एक श्रमिकों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के उगापुर स्थित सूर्या कारपेट कंपनी के डाइंग प्लांट के टैंक में सोमवार को दम घुटने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि एक श्रमिकों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामसूरत यादव (55), शीतला प्रसाद (58), शिवम दुबे (35) और मध्य प्रदेश के सीधी निवासी राजकिशोर तिवारी (50) एक कालीन कंपनी का रंगाई अनुभाग में काम करते थे। चारों सोमवार को टैंक के अंदर रसायन भरने वाली मशीन को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान टैंक से निकल रही जहरीली गैस से उनका दम घुटने लगा। गैस रिसाव की जानकारी होते ही कंपनी में हड़कंप मच गया।

नेहा सिंह राठौड़ की जमानत याचिका खारिज

लखनऊ। भोजपुरी लोक गायिका और सोशल मीडिया पर सियासी व्यंग्य के लिए मशहूर नेहा सिंह राठौड़ पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उनके एक पोस्ट को लेकर देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने और पाकिस्तान की तरफ से भारत विरोधी प्रोपेगैंडा में इस्तेमाल किए जाने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। अब हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अब हजरतगंज पुलिस ने शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में रिपोर्ट पेश कर दी है और नेहा की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की है।

एसआईआर के विवाद पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, वार्ता

■ घुसपैठियों के सहारे सत्ता पाने का सपना देखने वालों को मुंह की खानी पड़ेगी: सुधांशु

भारतीय जनता पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने वालों को करारा जवाब देते हुए सोमवार को कहा कि घुसपैठियों के सहारे सत्ता पाने का सपना देखने वालों को मुंह की खानी पड़ेगी।

पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एसआईआर का विरोध करने वाले लोकतंत्र को बंधक बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन देश की जनता उनके मंसूबों को सफल नहीं होने देगी। इस अवसर पर श्री त्रिवेदी ने भाजपा के पूर्व सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र को भारतीय कला और सिने जगत में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। भाजपा प्रवक्ता ने झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था, अगर कोई बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची पर कोई जानकारी लेने आए तो उसे बंधक बना लो। त्रिवेदी ने अंसारी के बयान को लोकतंत्र को बंधक बनाने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीएलओ को धमकाने का मामला सामने आया है। त्रिवेदी ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी एसआईआर को लेकर इसी तरह का नजरिया और बयान देकर इसका विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव को पारदर्शी बनाने में अगर कोई सबसे बड़ी बाधा है, तो इंडिया गठबंधन और उसके सहयोगी दल के नेता हैं। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस के नेता हुमांयू कबीर ने कहा कि वह बाबरी मस्जिद बनवाएंगे, इस पर इंडिया गठंधन की तरफ से किसी तरह की आपत्ति नहीं आई है। त्रिवेदी ने कहा कि एसआईआर पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने भी हर छह माह में मतदाता सूची के संशोधन की बात पर बल दिया था। त्रिवेदी ने कहा कि देश में बंगलादेशी घुसपैठियों का मामला ममता बनर्जी ने 2005 में संसद में उठाया था और उस समय पश्चिम बंगाल में बढ़ते घुसपैठ को लेकर आक्रोश जाहिर किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि अब एसआईआर का विरोध करने वाली ममता बनर्जी उस समय सही थीं या अब सही हैं। त्रिवेदी ने कहा कि एसआईआर इसलिए जरूरी है, ताकि कोई घुसपैठिआ भारत की सत्ता को प्रभावित न कर सकें।

जो मुल्क का दुश्मन, वो हमारा भी दुश्मन: ओवैसी

नई दिल्ली, वार्ता

■ दिल्ली धमाके की घटना के बाद बोले असदुद्दीन

दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुई धमाके की घटना के बाद अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि कुछ लोग इतने जालिम हैं कि मदरसे और स्कूल का एक कमरा नहीं बना सकते, फिर भी अमोनियम नाइट्रेट लेकर बैठे हैं।जब हम वतन की मोहब्बत की बात करते हैं, तो मुसलमानों ने जो तालीम और इरादे कायम किए हैं, अगर कोई उसी तालीम के नाम पर बैठकर बम बनाने की साजिश करता है, तो हम उसकी भी मजम्मत करते हैं। जो मुल्क का दुश्मन है, वह हमारा भी दुश्मन है।

ओवैसी ने कहा कि अगर ऐसी हरकतें जारी रहीं, तो हालात और खराब होंगे, लेकिन कुछ लोग यह सोच रहे हैं कि मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया जाएगा, यह उनकी भूल है।

उन्होंने कहा कि न तो मुसलमान खत्म होंगे और न ही उनकी पहचान मिटाई जा सकती है। ओवैसी ने कहा कि दिल्ली के हमले में हिंदू भी मारा गया, मुस्लिम भी मारा गया है। जो मुल्क का दुश्मन वो हमारा दुश्मन है। ओवैसी ने कहा कि हम अपनी मस्जिदों को बचाएंगे, तुम एक मस्जिद को शहीद करोगे, तो हम लाखों मस्जिदों को आबाद करेंगे। तुम शरियत पर हमला नहीं कर सकते हो। एक बात लोग नहीं समझते हमारी मस्जिद को शहीद कर दिया गया। ओवैसी ने कहा कि कोर्ट ने कहा कि आस्था के नाम पर आपको मस्जिद नही दी जा सकती है। हमने आज भी कहा कल भी कहेंगे। हम वतन से नफरत नहीं करते हैं। इस वतन को बचाने के लिए हमारे बुजुर्गों ने जो अजीम कुर्बानियां दी, उन्हें याद रखते हुए हमें इस वतन को और मजबूत बनाना है। अगर तुम मुसलमान को दबा रहे, तो तुम भारत को कमजोर कर रहे हो। मस्जिद के खिलाफ फैसला आया, तो हमने क्या कोर्ट में जज पर जूता फेंका था?

जयंत चौधरी ने वर्ल्डस्किल्स एशिया टीम को रवाना किया

नई दिल्ली, वार्ता

■ प्रतियोगिता 27 से 29 तक ताइपे में आयोजित की जाएगी

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्रतियोगिता 2025 में भाग लेने जा रहे भारतीय टीम को आज रवाना किया। यह प्रतियोगिता 27 से 29 नवम्बर तक चीन के ताइपे में आयोजित की जाएगी।

चौधरी ने कहा कि वर्ल्डस्किल्स एशिया में भाग लेने वाले युवा भारत के 'ग्लोबल स्किल लीडर' बनने की दिशा में एक मजबूत कदम हैं। उन्होंने कहा कि कठोर प्रशिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं मंत्रालय के सहयोग ने प्रतियोगियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया है। वर्ल्डस्किल्स एशिया 2025 में 40 से अधिक देशों के 500 से अधिक प्रतियोगी 38 कौशल श्रेणियों में हिस्सा लेंगे। भारत की ओर से 23 प्रतियोगी और 21 विशेषज्ञों का दल 21 स्किल कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह दल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के नेतृत्व में तैयार किया गया है। भारतीय प्रतिभागी डिजिटल एवं आईटी टेक्नोलॉजी, मोबाइल रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स, सीएनसी मिलिंग, वेब डेवलपमेंट, ऑटोमोटिव रिपेयर, फैशन टेक्नोलॉजी, ग्राफिक डिजाइन, ब्यूटी थेरेपी सहित कई प्रमुख और उभरती कौशल श्रेणी में अपनी दक्षता दिखाएंगे।

डीजीपी ने यूपी के सभी 75 जिलों के कप्तानों को जारी किए निर्देश

थाना स्तर पर अफसर करें घुसपैठियों की पहचान

शाह टाइम्स ब्यूरो

अगले 15 दिनों में घुसपैठियों की पहचान और वेरिफिकेशन की रिपोर्ट डीजीपी ऑफिस को सौंपी जाएगी

लखनऊ। यूपी के सभी 75 जिलों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान, वेरिफिकेशन के लिए पुलिस महा. निदेशक की तरफ से निर्देश जारी कर दिया गया है। हर जिले में थाना स्तर पर यह काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। निर्देश के मुताबिक अगले 15 दिनों में घुसपैठियों की पहचान और वेरिफिकेशन की रिपोर्ट डीजीपी ऑफिस को सौंपी जाएगी।

पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश में प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्त और जिले के कप्तानों को निर्देश दिए हैं कि थाना प्रभारी अपने स्तर से सफाईकर्मियों में से बांग्लादेशी और रोहिंग्या की पहचान करें, जो अरसे से सफाई के काम कर रहे हैं। आदेश में कहा गया है कि दो सप्ताह भर में यह रिपोर्ट मुख्यालय को भेजें, ताकि घुसपैठियों की शिनाख्त की जा सके। पुलिस महानिदेशक के आदेश में बताया गया है कि प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्त और जिला कप्तान अपने-अपने जिलों में थाना स्तर पर नगर निगम, निकाय और नगर पालिका में संविदा, ठेके पर काम कर रहे सभी सफाईकर्मियों का सत्यापन कराएं। उनके सारे दस्तावेजों की जांच करने के साथ ही दो सप्ताह के अंदर रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेजें। इस आदेश के बाद प्रदेश के सभी थानों पर वेरिफिकेशन का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है। डीजीपी कार्यालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर तंत्र से कुछ गंभीर जानक. ारियां हासिल हुई हैं। इसमें यह बात सामने आई है कि नगर निगम नगरपालिका, निकाय में जो स्फाईकर्मी संविदा पर कार्यरत हैं, उसमें से कुछ बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं, वह अपनी आईडी छुपाकर काम कर रहे हैं। यदि वेरिफिकेशन के दौरान घुसपैठिए मिलेंगे, तो उनके साथ संबंधित अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

एडीजी लॉ एंड आर्डर अमिताभ यश ने बताया कि सभी जिलों को यह आदेश जारी किया गया है। बांग्लादेशी, रोहिंग्या सभी घुसपैठियों की पहचान और वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। हर थाने और हर पुलिस चौकियों पर रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है। पुलिस अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि नगर निगम, नगर निकाय के अधिकारियों से संपर्क करके यह प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि अवैध रूप से सफाईकर्मी बने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। इसे लेकर इन घुसपैठियों को संरक्षण देने वाले अफसरों व स्थानीय नेताओं की धड़कनें तेज हो गई हैं।

एलजी ने कमांडो ट्रेनिंग सेंटर का दौरा किया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को यहां सुंजवान स्थित राज्य पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग सेंटर (सीटीसी) का दौरा कर विभिन्न विशेषीकृत मॉड्यूल्स पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रमों के दौरान आयोजित गतिविधियों की समीक्षा की। उन्हें प्रशिक्षुओं को दी जा रही परिचालन तैयारियों, विशेष रूप से आतंकवाद-विरोधी और सामरिक प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उपराज्यपाल ने सीटीसी में प्रशिक्षण ले रहे जम्मू- कश्मीर पुलिस के जवानों से भी बातचीत की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण एवं विशेष अभियान) ने प्रशिक्षण के विभिन्न घटकों तथा केंद्र के प्रस्तावित उन्नयन और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उपराज्यपाल के साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, विशेष महानिदेशक (समन्वय) एसजेएम गिलानी, पुलिस मुख्यालय जम्मू-कश्मीरद्ध गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

सेंसेक्स 84900.71
निफ्टी 25959.50

सोना रु. 122744
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 152971
प्रति किलो

शेयर बाजार: दूसरी बार सेंसेक्स 331 अंक टूटा

मुंबई, वार्ता

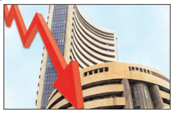

■ शुरुआत में बढ़त के साथ दोपहर में लाल निशान पर पहुंचे

घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिवस पर गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 331.21 अंक (0.39 प्रतिशत) लुढ़ककर 84,900.71 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 108.65 अंक यानी 0.42 प्रतिशत टूटकर 25,959.50 अंक पर आ गया।

दोनों प्रमुख सूचकांकों की शुरुआत आज बढ़त में हुई थी, लेकिन दोपहर बाद बिकवाली बढ़ने से वे लाल निशान में चले गए और फिर उबर नहीं सके। आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में गिरावट ज्यादा रही। एनएसई में रियलिटी, धातु, रसायन और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों पर सबसे अधिक दबाव रहा। बड़ी कंपनियों की तुलना में मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा बिकवाली की। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.76 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.93 प्रतिशत टूट गया। एनएसई में जिन 3,214 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 2,316 के शेयर गिरावट में और 810 के बढ़त में रहे, जबकि अन्य 88 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार.चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 22 के शेयर लाल निशान में और आठ के हरे निशान में बंद हुए। बीईएल में सबसे अधिक 2.98 फीसदी की गिरावट रही। टाटा स्टील का शेयर 1. 61 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1. 59, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.18, ट्रेंट का 1.16, बजाज फिनसर्व का 1.14, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 1. 10, बजाज फाइनेंस का 1.09 और आईटीसी का 1.03 प्रतिशत टूट गया। एनटीपीसी, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिदुस्तान यूनीलिवर, पावरग्रिड और इटरनल के शेयरों में भी गिरावट रही। एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, अडानी पोर्ट्स और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त में रहे। विदेशों में हांगकांग का हैंगसेंग 1. 97 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 प्रतिशत चढ़ा जबकि जापान का निक्केई 2.40 प्रतिशत लुढ़क गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.54 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0. 14 प्रतिशत ऊपर था।

सोने में रही गिरावट चांदी भी फिसली

नई दिल्ली। सोमवार को सुबह 10 बजे के आसपास एमसीएक्स में 10 ग्राम सोना 1400 रुपये से ज्यादा गिर चुका है। चांदी में भी आज ताबड़तोड़ गिरावट देखी जा रही है। इसमें अभी 1100 रुपये प्रति किलो से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। सुबह 10.30 बजे के आसपास एमसीएक्स में सोने की कीमत 122,740 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रही है। इसमें 1400 रुपये से ज्यादा का उछाल है। सुबह 10.30 बजे के आसपास 1 किलो चांदी की कीमत 152,971 रुपये चल रही है।

इसमें 1180 रुपये प्रति किलो की गिरावट है। देश के महानगरों पटना में 123,090 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम चल रही थी, जबकि जयपुर में 123,140, कानपुर में 123,200 , लखनऊ में 123,200, भोपाल में 123,300, इंदौर में 123,300 और चंडीगढ़ में 123,170 रुपये थी। आज पटना में सोने का भाव सबसे कम है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 123,090 रुपये चल रही है। वही चांदी भी यहां सबसे कम भाव में मिल रही है। 1 किलो चांदी की कीमत यहां 153,550 रुपये है। इसके साथ ही भोपाल और इंदौर में सोने का भाव सबसे ज्यादा है। यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 123,300 रुपये में मिल रही है। वही चांदी भी सबसे महंगी यही है। 1 किलो चांदी की कीमत 153,860 रुपये है।

कनाडा का नवाचार और भारत की क्षमता के मिलने से खुलेंगे नए अवसर: गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि कनाडा का नवाचार और भारत की क्षमता मिलकर दोनों के लिए नए अवसर पेश करेगी।

गोयल ने यहां भारत-कनाडा व्यापार चैंबर को संबोधित करते हुए कहा कि जरूरी खनिज, खनिज प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने के भारत के प्रयास में कनाडा के साथ सहयोग की काफी गुंजाइश है। भारत के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और अगली पीढ़ी के डाटा सेंटर जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए सबसे तेजी से बढ़ रही मानव क्षमता है। कनाडा और भारत को नैसर्गिक सहयोगी बताते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों को 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत जरूरी खनिज, हरित ऊर्जा, वैमानिकी, रक्षा और विनिर्माण सहित सहयोग के विशेष क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए। कनाडा का नवाचार और भारतीय क्षमता मिलकर दोनों देशों के लिए बड़े अवसर पैदा कर सकती है। केंद्रीय मंत्री ने बिज़नेस-टू- बिज़नेस (बी-2-बी) सहयोग को बढ़ाने के लिए सीईओ फोरम (मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के फोरम) को फिर से शुरू करने और भारत के आने वाले एआई सम्मेलन में कनाडा के हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने संयुक्त नवाचार पर जोर देते हुए बताया कि हाल ही में केंद्र सरकार ने अनुसंधान एवं विकास के लिए 12 अरब डॉलर के फंड की घोषणा की है। उन्होंने जी-20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई बैठक का जिक्र करते हुए बताया कि दोनों नेता एक बड़े वृहद आर्थिक सहयोग समझौते के लिए बातचीत शुरू करने और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए।

अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार से तीन दिन का बौद्ध वैश्विक सम्मेलन

नई दिल्ली। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बौद्ध विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से राजधानी के डा. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार से तीन दिन के वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भूटान, श्रीलंका, नेपाल , कोरिया, अमेरिका और इंग्लैंड से बौद्ध धर्म अनुयाई हिस्सा लेंगे। आगामी 28 नवम्बर से शुरू होकर 30 नवम्बर तक चलने वाले इस सम्मेलना का आयोजन भारतीय ग्रामीण विरासत एवं विकास न्यास की ओर से किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

बॉलीवुड के...

से एक भावुक पोस्ट शेयर की है। संजय दत्त ने लिखा कुछ लोग सिर्फ आपके जीवन में काम नहीं करते, वे आपके दिल में बस जाते हैं। धरम जी भी उन्हीं में से एक थे। यह एक ऐसा खालीपन है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। शाहरुख खान विले पार्ले श्मशान घाट पहुंचे, उनके साथ मैनेजर पूजा ददलानी भी पहुंचीं।

एक्टर गोविंदा अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे। करण जौहर ने धर्मेंद्र के निधन की पुष्टि करते हुए आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से उन्हें श्रद्धांजलि दी है। करण जौहर ने लिखा,यह एक युग का अंत है, एक विशाल मेगास्टार, मुख्यधारा के सिनेमा में एक सच्चे हीरो की पहचान, अविश्वसनीय रूप से हैंडसम और रहस्यमयी स्क्रीन प्रेजेंस वाले। वह हैं और हमेशा रहेंगे भारतीय सिनेमा के एक सच्चे दिग्गज। सिनेमा के इतिहास के पन्नों में उनका नाम सदैव चमकता रहेगा। पर सबसे बढ़कर, वह एक बेहतरीन इंसान थे। हमारी इंडस्ट्री में हर कोई उनसे बेहिसाब प्यार करता था। उनके दिल में हर किसी के लिए सिर्फ प्यार और सकारात्मकता थी। उनका आशीर्वाद, अद्भुत स्नेह, इन सबकी कमी को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। आज हमारी इंडस्ट्री में एक ऐसा खालीपन है। जिसे कोई भी कभी भर नहीं सकेगा। वह हमेशा के लिए एक और एकमात्र धरमजी रहेंगे। धर्मेन्द्र का जन्म पंजाब के फगवारा में आठ दिसम्बर 1935 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1960 में प्रदर्शित फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने सिने करियर की शुरूआत की थी। धर्मेन्द्र ने अपने छह दशक लंबे सिने करियर में 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था।

53वें सीजेआई...

सदस्य होंगे। भले ही जस्टिस कांत का सीजेआई के तौर पर लगभग 14 महीने का कार्यकाल है, कॉलेजियम में सिर्फ एक बदलाव होगा, जब जस्टिस माहेश्वरी 28 जून, 2026 को रिटायर होंगे। जस्टिस पीएस नरसिम्हा कॉलेजियम के सदस्य बनेंगे। सीजेआई कांत के रिटायर होने के बाद, जस्टिस जेबी पारदीवाला कॉलेजियम में शामिल होंगे।

धर्मेंद्र के निधन पर योगी, अखिलेश और मायावती ने जताया दुख

लखनऊ। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा दिया है।धर्मेंद्र की मौत की खबर सुनते ही सिनेमा प्रेमियो में शोक कि लहर है। सीएम योगी से लेकर बड़े नेता प्रशसंक धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि अर्पित की है। मथुरा लोकसभा सीट से लगातार दूसरी बार भाजपा की सीट से धर्मेंद्र की पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी सांसद हैं।

सीएम योगी ने एक्स पर लिखा कि लोकप्रिय फिल्म अभिनेता श्री धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत दु:खद एवं कला व फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह अथाह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अखिलेश यादव ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि सालों साल देश के चित्रपट के आकाश पर चमचमाए धर्मेंद्र जी का ज़मीन से जुड़ा सादगी भरा आकर्षक व्यक्तित्व और उनका सहज अभिनय हमेशा याद किया जाएगा। बसपा सुप्रीमो ने लिखा कि भारतीय फिल्म इण्डस्ट्री की जानी-मानी हस्तियों में से एक दिग्गज अभिनेता श्री धर्मेन्द्र का आज निधन हो जाने की ख़बर अति-दुखद। उनके परिवार वालों के साथ-साथ उनके तमाम चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सभी को इस दुख को सहने की शक्ति दे, यही कामना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि हिंदी सिनेमा जगत के सुप्रसिद्ध अभिनेता एवं भारतीय जनता पार्टी से सांसद रहे श्री धर्मेंद्र जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। धर्मेंद्र जी का निधन सिनेमा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति । ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों एवं उनके समर्थकों को विपदा की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करें।

पंचायती राज मंत्रालय 26 नवम्बर को मनाएगा राष्ट्रव्यापी संविधान दिवस

नई दिल्ली। पंचायती राज मंत्रालय ने घोषणा की है कि वह 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर पूरे देश में भव्य और व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। पंचायती राज मंत्रालय ने आज बताया कि यह राष्ट्रीय अभियान त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं और ग्रामीण स्थानीय निकायों में आयोजित किया जाएगा।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

26,000 से अधिक युवाओं को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से मिली सरकारी नौकरीः सीएम

■ मुख्यमंत्री धामी लाखामंडल पहुंचे, शिव मंदिर में की पूजा-अर्चना, विशाल जनसभा को किया संबोधित, विकास कार्यों व सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर रखा फोकस, मुख्यमंत्री ने 16 सूत्रीय मांग पत्र पर सकारात्मक कार्रवाई का दिया आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को लाखामंडल स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंचे, जहाँ स्थानीय जनता एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम के राज्य मंत्री व कार्यक्रम संयोजक गीता राम गौड़ द्वारा क्षेत्र की विभिन्न स्थानीय समस्याओं से संबंधित 16 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी मांगों का गंभीरता से परीक्षण कर सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जनसभा में आए भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है द्य मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 4.5 वर्षों में 26,000 से अधिक युवाओं को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ सरकारी नौकरियों में चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि "यह नौकरियाँ पूरी तरह मेरिट और प्रतिभा के आधार पर दी गई हैं।" सरकार ने लैंड और लव जिहाद व जबरदस्ती धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर सख्त रोक लगा दी है द्य राज्य सरकार राज्य की डेमोग्राफी और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विधायक दुर्गेश्वर लाल, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर 500 वर्षों के बाद स्थापित हुआ, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर का निर्माण पूरा हुआ, उसी प्रकार उत्तराखंड में भी सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए व्यापक कार्य चल रहे हैं। इस क्षेत्र के प्रसिद्ध हनोल मंदिर का 120 करोड़ का विशेष मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत इस आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल का संरक्षण व विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि लाखामंडल की जनता द्वारा दिया गया स्नेह और स्वागत उनके लिए अत्यंत भावुक करने वाला है। उन्होंने जनता का हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर संकल्पबद्ध है।

पोषित उत्तराखण्ड एकीकृत उद्यान विकास परियोजना की समीक्षा

■ मुख्य सचिव ने अधिकारियों को दिए परियोजना का वित्तीय एवं भौतिक प्लान तैयार करने के निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में जाइका से वित्त पोषित उत्तराखण्ड एकीकृत उद्यान विकास परियोजना की उच्च स्तरीय/ संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को परियोजना का वित्तीय एवं भौतिक प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों को जनपदों में भ्रमण कर समीक्षा कर फीडबैक लेने के लिए लगातार दौरे करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अन्य विभागों की फल एवं सब्जियों से जुड़े आजीविका की योजनाओं को भी इसमें शामिल किया जाए।

मुख्य सचिव ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक कार्ययोजना जनवरी माह तक पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण हो सकें इसके लिए जनपदों के लिए भी लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। संपूर्ण प्रोजेक्ट का भी वर्षवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्लान तैयार कर लिया जाए।

इस अवसर पर सचिव श्रीधर बाबू अद्दांकी, डॉ. एस.एन. पाण्डेय, महानिदेशक कृषि एवं उद्यान वंदना सहित कृषि, उद्यान एवं सगन्ध पौधा केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग में जल्द तैनात होंगे 24 विशेषज्ञ चिकित्सक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में शीघ्र ही 24 विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत 'ल्वन ब्नवजम, ॅम च्ंल' मॉडल के तहत विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती विशेषकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया, पिलखी, बीरोंखाल, डीडीहाट तथा उप जिला चिकित्सालय गैरसैण में की जाएगी। इससे लंबे समय से चली आ रही विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर होगी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। इसी के साथ ही अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों कमी को दूर करने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। इसी क्रम में सर्जन, फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट व स्त्री रोग विशेषज्ञ जैसे प्रमुख विशेषज्ञों की तैनाती की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है।

डॉ रावत ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्ग वर्तमान वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा 'ल्वन ब्नवजम ॅम च्ंल' योजना के तहत 40 विशेषज्ञ चिकित्सक एवं 02 कार्डियोलॉजिस्ट के पद स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 34 विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जबकि 06 विशेषज्ञ और 02 कार्डियोलॉजिस्ट पद रिक्त हैं। डॉ रावत ने बताया कि आईपीएचएस मानकों के तहत राज्य की विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में यू कोड, वी पे योजना के तहत विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती की जायेगी। जिसमें प्रमुख रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया, बीरोंखाल, डीडीहाट तथा उप जिला चिकित्सालय गैरसैण में सर्जन, फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट व स्त्री रोग विशेषज्ञ के 1-1 पदों पर प्राथमिकता के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। राज्य सरकार यू कोड, वी पे योजना के तहत विशेषज्ञ डॉक्टर को रुपये 4 लाख तक मानदेय दे रही है। एनएचएम के तहत विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति को आगामी 3 दिसम्बर को साक्षात्कार रखा गया है। जिसके उपरांत चयनित विशेषज्ञ चिकित्सकों को चिकित्सा इकाइयों में तैनाती दी जायेगी।

उत्तराखण्ड को पीएमजीएसवाई-1 के तहत 130 करोड़ जारी

■ पीएमजीएसवाई-1के तहत कुल 384 योजनाओं का होना है भुगतान, 212 सड़कें और 172 पुल शामिल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने उत्तराखण्ड राज्य में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना -1 के अंतर्गत किये गए कार्यों के लंबित भुगतान के लिए ₹ 130.9680 करोड़ रुपये जारी किये हैं। स्वीकृत धनराशि को पीएमजीएसवाई-ब के 31 मार्च 2025 तक बनी देनदारियों के भुगतान के लिए जारी किया गया है। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय से इस बावत जारी आदेश में कहा गया है कि उक्त स्वीकृति सिर्फ 31 दिसम्बर 2025 तक वैध रहेगी और इस तिथि के बाद इसमें से कोई भी खर्च नहीं किया जाएगा।

इस स्वीकृत धनराशि से केवल उन कार्यों का भुगतान होगा जो 31 मार्च 2025 तक पूरे हो गए हों या फिर उन कार्यों का कुछ भाग जो उक्त तिथि तक पूरा हो गया हो। राज्य को बाकी हिस्सा सिर्फ स्टेट फंड से पूरा करना होगा। पीएमजीएसवाई-ब के अंतर्गत कुल 384 योजनाओं का

प्रदेश की शांत फिजा को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले एसआईआर विरोधीः भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने एसआईआर की प्रक्रिया को प्रदेश में डेमोग्राफी बदलने की मंशा के ताबूत पर आखिरी कील साबित होने वाला बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने सवाल कसते हुए कहा कि विपक्ष को क्यों लगता है जो भी फर्जी नाम मतदाता सूची से हटे हैं या हटेंगे हैं वो सभी उनके ही समर्थक होंगे? यह कहीं न कहीं कांग्रेस और विपक्ष के मन में खोट का संकेत करती है।

भट्ट ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर को लेकर विपक्षी आपत्तियों को दरकिनार करने को

भट्ट ने इसे संवैधानिक प्रक्रिया बताया है। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि आजादी के बाद 2004 तक देश में 8 बार यह प्रक्रिया पूरी की गयी है। लेकिन तब किसी तरह की आपत्ति राजनैतिक दलों द्वारा नहीं की गई। बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि तुष्टिकरण की राजनीति के चलते इस वैधानिक प्रक्रिया पर भ्रम फैलाया जा रहा है। जबकि चुनाव आयोग स्पष्ट कर चुका है कि इस पुनरीक्षण के तहत जो मतदाता मृत हो गए, दूसरे राज्यों में स्थानांतरित हो गए हैं या मतदाता मानकों को पूरा नही करते हैं, केवल उनका नाम ही हटाया जाएगा। उसमें भी उन्हें अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जाता है। लिहाजा मतदाता सूची को समय-समय पर संशोधित करने की इस वैधानिक प्रक्रिया के विरोध को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार एसआईआर की इस संवैधानिक प्रक्रिया को उत्तराखंड में हर हाल में पूरा करने में सहयोग करेगी। हमारी मंशा स्पष्ट है कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण हो और प्रदेश के सभी मतदाताओं के नाम इसमें अंकित हो और फर्जी नाम इससे बाहर हों, ताकि आने वाले चुनाव में देवभूमि के जनता ही अपनी लोकप्रिय सरकार बनाने में भूमिका निभाए। उन्होंने इस प्रक्रिया को प्रदेश में डेमोग्राफी संतुलन बनाए रखने के प्रयासों में भी बहुत मददगार बताया।

गुरु तेग बहादुर महाराज का शहीदी दिवस मनाया

डोईवाला। गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर मेल्विन जोन्स स्कूल के छात्रों ने सोमवार सुबह प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी विद्यालय परिसर से शुरू होकर हरिद्वार रोड, चौक बाजार और देहरादून रोड होते हुए पुनः स्कूल में आकर संपन्न हुई। शिक्षकगणों ने गुरु तेग बहादुर जी के साहस, त्याग और मानवता की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान के बारे में अवगत कराया। बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय प्रबंधक सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन संपूर्ण मानव समाज की रक्षा और सेवा का प्रतीक है। प्रधानाचार्य विदुषी ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के त्याग और सिद्धांतों को जानना बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

पीएमश्री स्कूलों में कम्प्यूटर लैब व पुस्तकालयों की स्थापना में लाएं तेजी : सीएस

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। पीएमश्री स्कूलों में कम्प्यूटर लैब एवं पुस्तकालयों की स्थापना में तेजी लायी जाए। कम्प्यूटर लैब अगले एक माह में स्थापित की जाए। यह निर्देश मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में पीएमश्री स्कूलों की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पुस्तकालयों के लिए शीघ्र बजट आवंटित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि 32 पीएमश्री स्कूलों में एकीकृत विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना में भी तेजी लायी जाए। जिनका बजट जारी किया जाना है, एक माह के भीतर बजट जारी कराया जाए। उन्होंने टिंकरिंग लैब शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के लिए आईआईटी कानपुर से लगातार संवाद कर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य को पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी पीएमश्री स्कूलों में खेल के मैदान उपलब्ध कराए जाने पर भी शीघ्रा. तिशीघ्र कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं।

■ कहा -कम्प्यूटर लैब अगले एक माह में स्थापित की जाएं, स्कूलों में पुस्तकालयों के लिए शीघ्र बजट आवंटित किया जाए

बैठक के दौरान बताया गया कि प्रदेश में कुल 226 विद्यालयों को पीएमश्री विद्यालयों के रूप में चुना गया है। इसमें 34 प्राथमिक एवं 192 माध्यमिक विद्यालया शामिल हैं। इसके साथ ही 15 और अन्य विद्यालयों को स्वीकृति मिली है। बताया गया कि पीएमश्री के 22 कम्पोनेंट्स में से 16 को 100 प्रतिशत लागू कर लिया गया है। बाकि 6 कम्पोनेंट्स का कार्य विभिन्न चरणों में गतिमान है।

उत्तराखंड के 448 स्काउट गाइड ले रहे राष्ट्रीय जम्बूरी में हिस्सा

■ लखनऊ में आयोजित 19वीं जम्बूरी में दिखाएंगे अपना कौशल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रदेश के 448 स्काउट्स एंड गाइड्स व रोवर-रेंजर्स प्रतिभाग कर रहे हैं। 'विकसित युवा, विकसित भारत' की थीम पर आयोजित राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन भारत स्काउट्स और गाइड्स के 75वें हीरक जयंती समारोह का ग्रैंड फिनाले भी है। जम्बूरी का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सेवा, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देना है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का शुभारम्भ हो गया है। 29 नवम्बर तक चलने वाले इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रदेशभर से 448 स्काउट्स एंड गाइड्स, रोवर-रेंजर्स व यूनिट लीडर ने प्रतिभाग किया है। जिसमें अल्मोड़ा जनपद से 38, बागेश्वर 35, चम्पावत 33, देहरादून 25, हरिद्वार 49, नैनीताल 55, पौड़ी 30, पिथौरागढ़ 63, टिहरी 21, ऊधमसिंह नगर 33, उत्तरकाशी 22 तथा शांतिकुंज हरिद्वार से 44 के अलावा विभागीय अधिकारी भी शामिल है। राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गति. विधियों का आयोजन किया जायेगा, जिसमें प्रदेश के स्काउट्स एंड गाइड्स 35 प्रमुख गतिविधियों में व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से प्रतिभाग करेंगे और अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। जिसमें रॉक क्लाविंग, नौकायान, आरचरी, पैराग्लाइडिंग, ड्राइंग, पेंटिंग सहित मार्च पास्ट, गणवेश, कलर पार्टी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूट प्लाजा, गेट निर्माण, स्किलोरामा, हैम रेडियो, पायनियरिंग प्रोजेक्ट शामिल है।

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रदेश के 448 स्काउट-गाइड प्रतिभाग कर रहे हैं, जो पूरे प्रदेश के लिये गौरव की बात है। स्काउट-गाइड का यह विशाल मंच युवाओं को आत्मनिर्भरता, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक गौरव व विश्व बंधुता की भावना से जोड़ते हुये उन्हें एक नई सोच व दिशा प्रदान करेगा।

डॉ. धन सिंह रावत, विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

910 स्काउट गाइड बनेंगे युवा आपदा मित्र

सूबे में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत व बचाव कार्यों में स्काउट एंड गाइड भी मददगार बनेंगे। इसके लिये भारत स्काउट्स एंड गाइड्स उत्तराखंड द्वारा युवा आपदा मित्र स्कीम के तहत 910 स्काउट गाइड को प्रादेशिक कैंपिंग केन्द्र में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें अल्मोड़ा के 120 स्काउट-गाइड, बागेश्वर 30, चमोली, पौड़ी, पिथौरागढ़, रूद्रप्रयाग 50-50, चम्पावत 80, देहरादून 200, नैनीताल 100 तथा टिहरी व उत्तरकाशी के 90-90 स्काउट एंड गाइड शामिल हैं।

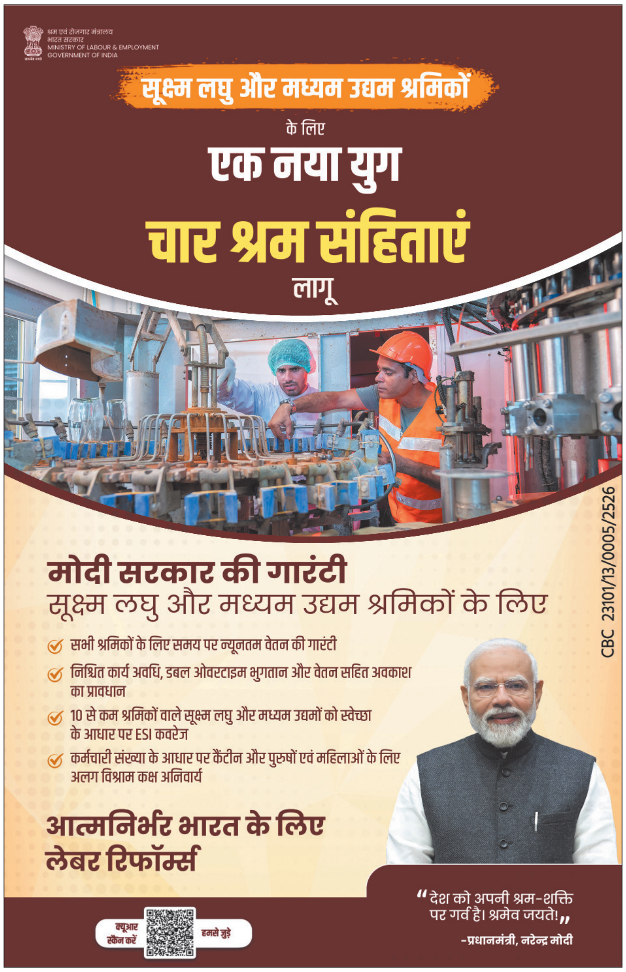

कारों की टक्कर में पति-पत्नी घायल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के चितई के काल. ीधार के पास सोमवार को दो कारों में आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसे में एक कार खाई में जा गिरी। जिसमें सवार हल्द्वानी निवासी पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों का रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी अनुसार सोमवार दोपहर चितई के कालीधार के पास दो कारों को आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की दूसरी कार खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि एक कार नैनीताल से जागेश्वर और दूसरी कार जागेश्वर से अल्मोड़ा की ओर को आ रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। कार संख्या यूपी 32 डीके 6325 के चालक ने नियंत्रण खो दिया और करीब 70 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। जिसमें सवार मोहन सिंह नेगी पुत्र गुसाईं सिंह और उनकी पत्नी राधिका नेगी, निवासी आरटीओ रोड हल्द्वानी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों का रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। रेस्क्यू टीम में एसडीआरएफ एसआई पंकज सिंह, रवि भारद्वाज, राकेश जुकरिया, हरीश पाण्डे, कुलदीप कैलाश राम, रंजीत सिंह आदि रहे।

विकास को सरकार प्रतिबद्धः रेखा आर्या

कैबिनेट मंत्री ने मजखाली मंडल समेत कई गांवों में जनसमस्याएं सुनीं

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के मजखाली मंडल सहित आसपास के गांवों में जन मिलन कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मंत्री रेखा आर्या ने पीपलटाना, मकणों, मंगचौड़ा, बबूरखोला, मछलिया और तुस्यारी गांवों में सड़क निर्माण, सोलर लाइट स्थापना, पेयजल सुधार, मंदिर निर्माण व सौंदर्यीकरण समेत कई योजनाओं के लिए विधायक निधि से लाखों रुपए आवंटित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन फिर से शुरू हो गए हैं, इसलिए जरूरतमंद परिवार ग्राम पंचायत के माध्यम से आवेदन भेजें। पीपलटाना और मकणों में दो-दो अलग-अलग सीसी रोड बनाने व 10-10 सोलर लाइट लगाने की घोषणा की गई है। मंगचौड़ा गांव के लिए पेयजल व्यवस्था सुधार में 4 लाख, दो सड़क बनाने के लिए कुल 4.5 लाख और 21 सोलर लाइट की घोषणा की गई। बबूरखोला में भगवती मंदिर की छत के लिए 2 लाख रुपए और 10 सोलर लाइट, तथा मछलिया गांव में 10 सोलर लाइट मंजूर की गई। तुस्यारी के दो मंदिरों के निर्माण कार्य हेतु 3.5 लाख रुपए और राजकीय इंटर कॉलेज का रास्ता बनाने हेतु जिला पंचायत से 3 लाख रुपए जारी किए गए हैं। मंत्री ने महिलाओं से डेयरी और पशुपालन में रोजगार की पहल के लिए प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजने का आग्रह किया, ताकि सरकारी मदद उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने विद्यालयों में खेल मैदान निर्माण के लिए जमीन की उपलब्धता एवं आवश्यक दस्तावेज मिलने पर खेल विभाग से बेहतर खेल सुविधाएं दिलाने का आश्वा. सन भी दिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष दीपक बोरा, ग्राम प्रधान मकणों प्रियंका पांडे, राजेंद्र बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, जसवंत राम आर्या, लक्ष्मण सिंह रावत, कृपाल सिंह रावत, दिनेश पांडे, दीवान जलाल, राजू रावत, दिनेश वर्मा, प्रेमा देवी, गंगा रावत, ग्राम प्रधान मंगचौड़ा पूजा मेहरा, देवेंद्र सिंह, बबली मेहरा, आरती मेहरा, रेनू मेहरा, पूर्ण राम, पार्वती देवी, गीता देवी, शमशेर सिंह, शिवराज सिंह, बालम सिंह, जिला पंचायत सदस्य कन्नू शाह, बूथ अध्यक्ष जगदीश सिंह, पुष्कर सिंह बिष्ट, भगवत सिंह, हेम पांडे, हेम आर्य, विजय अधिकारी, शुभम शाह, कै. महेंद्र सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एक नजर....

नॉर्थ ज़ोन अन्वेषण सम्मेलन आज से

पंतनगर। कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में 'नॉर्थ ज़ोन अन्वेषण 2025 स्टूडेंट रिसर्च, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी कन्वेंशन' कल (आज) पंतनगर में शुरू होगा। उद्घाटन समारोह सुबह 10 बजे गांधी हाल में होगा। देशभर के विभिन्न विश्व. विद्यालयों के करीब 400 विद्यार्थी अपने शोध, नवाचार और तकनीकी मॉडल प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीएस रावत होंगे, जबकि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान अध्यक्षता करेंगे। डा. दीपा विनय और डा. आरएस जादौन कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर प्रतिभागिता और नवोन्मेषी प्रस्तुतियों के साथ यह आयोजन उत्तर ज़ोन का प्रमुख छात्र शोध सम्मेलन बनने जा रहा है।

पिंडर नदी में मोटर पुल का निर्माण तेज

बागेश्वर। विकास खंड कपकोट के ग्राम पंचायत सोराग में पिंडर नदी में निर्माणाधीन मोटर पुल का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। जल्द ही इसका लाभ लोगों को मिलेगा। पुल नहीं होने से लोगों को बारिश के दिनों में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं। क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया ने रविवार को क्षेत्र का भ्रमण किया और निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था को जल्द कार्य पूरा करने को कहा। गड़िया ने बताया कि जल्द ही पुल का लाभ लागों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि विधान सभा कपकोट में जनता को लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।

खिलाड़ियों ने जनपद का नाम रोशन किया

बागेश्वर। राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बागेश्वर के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। जिले के 11 खिलाड़ियों ने पदक जीत कर प्रतियोगिता में अलग छवि बनाई है। बीते 21 नवम्बर से 23 नवंबर तक जालंधर, पंजाब चल रहे राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बागेश्वर जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक जीतकर नया इतिहास रचा है। जिले के खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 1 रजत और 6 कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों के 700 से अधिक खिलाड़ी शामिल थे। पदक जितने वाले खिलाड़ियों में स्वर्ण पदक पूजा दानू, लता कोरंगा, नमन खेतवाल, कृष्णा साह, रजत पदक भूमिका टाकुली, कांस्य पदक गर्वित जोशी, प्रशांत कांडपाल, चेतना टाकुली, प्रियंका कोरंगा, यशराज देव, प्रियंका शामिल है। जिले की टीम के साथ गए कोच गोकुल खेतवाल ने बताया कि सीमित संसाधनों में जिले के खिलाड़ियों ने बेहत. रीन प्रदर्शन कर पूरे जिले को गौरवान्ति किया है। खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन करने पर जिला युवा कल्याण अधिकारी अर्जुन रावत, किरन नेगी, आशीष धपोला, मनीष गड़िया, ललित नेगी, दीपक जोशी सहित खिलाड़ियों के परिजनों ने उन्हें बधाई दी है।

37 अग्निवीरों का हुआ स्वागत सम्मान

बागेश्वर। भारतीय सेना में बतौर अग्निवीर जवान के रूप में शामिल हुए जिले के 37 युवाओं का सोमवार को स्थानीय डिग्री कालेज खेल मैदान में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर अग्निवीर भर्ती प्रशिक्षण के मुख्य प्रशिक्षक लक्की गढ़िया तथा इन प्रशिक्षकों को पूर्ण सहयोग गणेश धपोला खेल प्रशिक्षक युवा कल्याण विभाग बागेश्वर, राहुल कपकोटी कबड्डी कोच, हिमांशु आर्या जूनियर राष्ट्रीय स्तर के एथलीट, योगेश कुमार इन्टर डिस्टिक नेशनल ने अपना पूरा सहयोग दिया गया था। सभी युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित होने पर बधाई दी गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसम्बर को

बागेश्वर। जिला कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन किया जाएगा। जिसमें फौजदारी के शमनीय मामले, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित वाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक एवं कुटुम्ब न्यायालयों के मामले, श्रम विवाद, भूमि अर्जन से संबंधित वाद, दीवानी वाद, राजस्व वाद, विद्युत एवं जलकर बिलों से जुड़े विवाद, वेतन भत्तों एवं पेंशन संबंधी प्रकरण, धन वसूली तथा मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत शमनीय यातायात चालान सहित ऐसे सभी मामले जिनका निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर संभव हो, सुनवाई हेतु प्रस्तुत किए जाएंगे। जो व्यकित अपने मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करवाना चाहता है, वह 12 दिसंबर तक किसी भी कार्य दिवस में संबंधित न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रार्थना पत्र देकर मामलों को नियत करवा सकता है।

कर्मचारी संघठन ने डीएम को ज्ञापन भेजा

बागेश्वर। अल्मोड़ा मैग्नेसाइट कर्मचारी संगठन से जुड़े कर्मचारी सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने अपने मांगों को लेकर अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने कहा कि यदि शीघ्र उनकी मांग पूरी नहीं होती है, तो वे 26 नवम्बर से जिलाधिकारी कार्यालय में हड़ताल करने को मजबूर होंगे। कर्मचारियों ने कहा कि पूर्व में जिलाधिकारी से वार्ता के बाद अल्मोड़ा मैग्नेसाइट फर्म द्वारा कुल 40 लोगों को ग्रेड पेय के अनुसार एक माह का वेतन दिया गया। जबकि आज भी दर्जनों श्रमिक वेतन के लिए कंपनी से गुहार लगा रहे है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांग सभी 294 कर्मियों को 14 माह का वेतन दिया जाए। साथ ही अल्मोड़ा मैग्नेसाइट कंपनी को शीघ्र खोला जाए। इसके अलावा कर्मियों ने कहा कि कंपनी न खुलने की सूरत में कर्मचारियों को विभागों में रोजगार दिया जाए। उन्होंने कहा कि उनकी मांग पूरी नहीं होती है तो वे हड़ताल करने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर मनोज कुमार, दीवान सिंह, फतेह सिंह, सुरेश चन्द्र नवीन सिंह आदि मौजूद थे।

मूर्ति तोड़ने वालों पर कार्रवाई की मांग

काशीपुर। असामाजिक तत्वों द्वारा कुछ दिन पहले पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के साथ की गई तोड़फोड़ के मामले में भाजपा के आवास विकास मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने अन्य भाजपाइयों के साथ टांडा उज्जैन चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी को तहरीर सौंपी। तहरीर में पुलिस को बताया कि तीन दिन पूर्व आवास विकास स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति को कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़ दिया था, जिससे प्रतिमा को काफी नुकसान पहुंचा तथा उनकी मूर्ति के साथ की गई तोड़फोड़ की घटना को लेकर आम जनता एवं भाजपाइयों में भारी रोष है। तहरीर में उन्होंने मांग की है कि उक्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुकदमा लिख कार्यवाही की जाए। तहरीर सौंपने वालों में सुशील शर्मा, मनोज मनराल, योगेश बिश्नोई, अमित मनचंदा, निखिल सेतिया, दिनेश नेगी, विजय प्रताप सिंह, रवि पाल, मोनू चौधरी, रजत सिद्धू, पुष्कर बिष्ट आदि लोग शामिल थे।

अतिथि शिक्षक नाराज

अल्मोड़ा। माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ ने दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय दिए जाने की मांग उठाई है। सोमवार को मामले को लेकर शासन को ज्ञापन भेजा। वहीं, बीईओ पर आदेशों की अवहेलना का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा कि अतिथि शिक्षकों को जनवरी और जून दो माह का दीर्घकालीन मानदेय नहीं दिया गया है। जबकि अल्मोड़ा को छोड़ कुमाऊ के सभी जिलों में अतिथि शिक्षकों को मानदेय दिया गया। कहा कि मानदेय को लेकर पूर्व में भी अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक मामले में कोई भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है। संघ के जिलाध्यक्ष हरीश चौहान ने चेता. वनी दी कि यदि जल्द दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय नहीं दिया गया तो समस्त अतिथि शिक्षक 28 नवंबर से बीईओ कार्यालय में धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

भाजपा आईटी सैल के 'कृत्य' पर भड़के कांग्रेसी

कार्यकर्ताओं ने पुलिस में शिकायत कर गणेश गोदियाल की छवि पर हमला बताया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस के कार्यकर्ता एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा आइटी सेल के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ मुक. दमा दर्ज करने की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर घोड़के को ज्ञापन सौंपा। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की छवि धूमिल करने वाले भाजपा के आईटी सेल के पूर्व अध्यक्ष शेखर बर्मा के खिलाफ मुकदम दर्ज करने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बीते दिनों पार्टी कार्यकाय में प्रदेश में बढ़ते जंगली जानवरों के आक्रमणों में सरकार की उदासीनता को लेकर धरना प्रदर्शन किया था। लेकिन तभी आइटी सेल के लोगों द्वारा सोशल मीडिया में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की छवि धूमिल करने की कोशिश करते हुए उन्हें आतंकी संगठनों के प्रमुख कहना असंवैधानिक व अनैतिक है। जो लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वस्थ्य राजनीतिक वातावरण के विरुद्ध है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऐसे लोगों के खिलाफ जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष लोकमणि पाठक, भगत डसीला, बाल कृष्ण, ललित गिरी सहित अन्य मौजूद थे।

अल्मोड़ा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेताओं पर कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया है। मामले में सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज ने कोतवाल से मुलाकात की। तहरीर सौंप मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भोज ने कहा कि 21 नवंबर को वन विभाग मुख्यालय में कांग्रेस जन वन्य जीव संघर्ष में हो रही जनहानियों के विरोध में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की अगुआई में धरना प्रदर्शन कर रहे थे। बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सांकेतिक तौर पर प्लास्टिक गन का उपयोग कर जनभावन को प्रदर्शित किया। उन्होंने भाजपा नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की ओर से पूर्वाग्रह से ग्रस्ति भाजपा नेताओं ने इसका दुष्प्रचार किया। इंटरनेट मीडिया में गलत प्रचार कर प्रदेश अध्यक्ष की छवि को धूमिल करने का काम किया है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर कार्रवाई की मांग की। यहां निर्मल रावत आदि शामिल रहे।

निलंबन वापस लेने की मांग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। लोनिवि रानीखेत के दो अभियंताओं के निलंबन पर कर्मचारियों का आक्रोश भड़क गया है। सोमवार को नाराज कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। जल्द निलंबन वापस नहीं लेने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने लोनिवि कार्यालय अल्मोड़ा में प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने निलंबन के साथ स्पष्टीकरण की कार्रवाई पर आक्रोश जताया। सरकार के इस आदेश को सरासर गलत बताते हुए वापस लेने की मांग की। चेतावनी दी कि अगर कार्रवाई को वापस नहीं लिया गया तो सभी कार्यबहिष्कार, अनिश्चितकालीन हड़ताल और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। यहां प्रदर्शन करने वालों में जिलाध्यक्ष गणेश चंद्र जोशी, सचिव कमल शाह, हिमाशु जोशी, रवि दानी, अंकित सिंह, भरत मेहरा, प्रदीप जोशी, रिनि पांडे, आलोक ओली, सुरेश पौडियाल, बीसी जोशी, हर्षिता सुयाल आदि मौजूद रहे।

शहीदी दिवस पर कार्यक्रम

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में सोमवार को गुरुतेग बहादुर की 350 वें शहीदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वाद विवाद, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। नगर के मल्ला महल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर अजय वर्मा और विशिष्ट अतिथि गुरुद्वारा के ग्रंथि मक्खन सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि यह दिन 1675 में धर्म और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके बलिदान की याद दिलाता है। प्रतियोगिता के वाद विवाद में जीजीआईसी की मनीषा बिष्ट ने प्रथम, कूर्मांचल एकेडमी की गरिमा और गोकुल मंडोला ने द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि निबंध में भी मनीषा और चित्रकला आदर्श मेहरा ने बाजी मारी। इस मौके पर यहां क्षेत्रीय पुरातात्विक अधिकारी चंद्र सिंह चौहान, हेमलता वर्मा मौजूद रहे।

एसपीएस ने कराई मैराथन

नशा मुक्ति व पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाई दौड़

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। शारदा पब्लिक स्कूल की ओर से नशा मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दौड़ का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मनोज तिवारी, मेयर अजय वर्मा, बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रदेश सचिव बीएस मनकोटी, हरीश कनवाल, शेखर लखचौरा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ जागरूकता रैली निकाली। बच्चों ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से पहाड़ों में बढ़ते पर्यावरणीय खतरे के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने छात्रों को सम्मानित कर कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में प्रकृति संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मैराथन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों व स्थानीय नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। यहां पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह, अजय वर्मा, अरूण बग्याल, मनीष कनवाल, वैभव पांडे, दीपक वर्मा समेत कई लोग मौजूद रहे।

एक्युप्रेशर पद्धति काफी कारगर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। नवचेतना भवन में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की जिला शाखा इकाई के तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि केवीएस इंडस्ट्रीज प्रबंध निदेशक देवेन्द्र कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर लखनऊ एक्यूप्रेशर संस्थान से आए संस्थान निदेशक डॉ. एपी चंद्रवंशी ने बताया कि आज दुनिया भर में एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति द्वारा शरीर के विशिष्ट बिंदुओं पर दबाव डाल कर बिना दवा के उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि लोग इन प्वाइंटों का सही ज्ञान प्राप्त कर लें तो घर बैठे ही कई बीमा. रियों से छुटकारा मिल सकता है।

देवेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सा पद्धति की जड़ें भारत की प्राचीन परम्परा में निहित हैं। यहां से अनेक चिकित्साविद्, उपचार विधियां और शोध की नींव विश्व के विभिन्न देशों तक पहुंची हैं। अंत. रराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल ने क्षेत्र वासियों से स्वास्थ्य लाभ उठाने का आवाहन किया। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष कौशलेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर संरक्षक एसपी गुप्ता, मनोज कुमार अग्रवाल, महेंद्र गुप्ता लोहिया, नकुल अग्रवाल, अशोक कुमार गुप्ता, डॉ. संजीव गुप्ता, नवनीत कुमार विश्नोई, पीयूष अग्रवाल नागलिया, अभिषेक गोयल, विमल गुड़िया, अशोक धीमान, पूजा सिंह, मधुबाला गुप्ता, पूजा गुप्ता, संध्या अग्रवाल समेत वैश्य बंधु एवं अतिथि मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य से की मारपीट

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। एक सरकारी इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य ने दबंगों पर स्कूल में घुसकर उनके साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज महुआखेड़ागंज प्रभारी प्रधानाचार्य नित्यानन्द मिश्र पुत्र शिवशंकर मिश्र ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 नवम्बर को विद्यालय के प्रार्थना स्थल पर गोलू उर्फ राजेन्द्र, मनोज, राजू तथा उनके साथी जबरदस्ती विद्यालय गेट का ताला खुलवाकर विद्यालय के अंदर आ गये इस दौरान संगीत अध्यापक मयूर कुमार के द्वारा संगीत की जानकारी बच्चों को दी जा रही थी। उक्त लोगों के द्वारा मेरे साथ गाली-मालौज, मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी गयी तथा गाली देते हुये मुझे थप्पड़ मार दिये गये जिससे मेरा चश्मा भी टूट गया और मेरे चेहरे तथा बांयी आंख में चोट लग गयी। इसके बाद आरोपी विद्यालय के अध्यापक कृष्ण मुरारी यादव को धक्का देते हुये और जान से मारने की धमकी देते हुए वे लोग गेट से बाहर गालियां देते हुये चले गये। दूसरे दिन छात्रों के अभिभावकों ने कहा कि जिन लोगों ने आपके साथ मारपीट की है वो बहुत बड़े अपराधी किस्म के लोग हैं आप उनसे समझौता कर लिजिए। नहीं तो उक्त लोग आपको जान से मार देंगे। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन की काशीपुर यूनिट की वार्षिक जनरल बॉडी मीटिंग में चुनाव पर्यवेक्षक स्टेट से कामरेड जिया उल हक की अध्यक्षता में आम सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कामरेड गोपाल बिष्ट अध्यक्ष, का. अखिल शर्मा सचिव, का. अनुज कौशिक कोषाध्यक्ष, का. पवन जोशी उपसचिव, का. गिरीश सुंदरियाल उपाध्यक्ष तथा का.शैलेंद्र कुमार, का. विशाल कांबोज, का. तरुण चौधरी, का. अबरार अहमद खान, का. मोहित चौहान एवं का. सुनील जोशी इत्यादि ईसी बॉडी सदस्य चुने गए। नई कार्यकारिणी ने एकजुटता से साथ काम करने एवं संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया।

संस्कृत सभी भाषाओं का मूल आधार

एसएसपी चन्द्रशेखर घोड़के ने शुरू की जनपद स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। पीएम श्री विक्टर मोहन जोशी स्मारक राजकीय इंटर कॉलेज में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय दिवसीय जनपद स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के, मुख्य शिक्षा अधिकारी चक्षुष्पति अवस्थी, और जनपद संयोजक दीपचंद्र जोशी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि एसपी ने संस्कृत को सभी भाषाओं का मूल आधार बताया और कहा कि संस्कृत सरल, सुमधुर, और वैज्ञानिक भाषा है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी चक्षुष्पति अवस्थी ने कहा कि संस्कृत के प्रचार-प्रसार, संवर्धन और संरक्षण हेतु उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के प्रयास सराहनीय हैं। प्रतियोगिता संयोजक दीपचंद्र जोशी ने बताया कि संस्कृत मानवता के निर्माण की भाषा है और संस्कृत के बिना जीवन शून्य है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा जनपद स्तरीय छह प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रथम दिन कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं और द्वितीय दिन वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता में संस्कृत नृत्य, संस्कृत समूह गान, संस्कृत नाटक, संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिता, संस्कृत आशु भाषण, और संस्कृत श्लोक उच्चारण शामिल हैं। प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप, संस्कृत नृत्य कनिष्ठ वर्ग में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोट फूलवाड़ी की टीम ने प्रथम स्थान, राजकीय इंटर कॉलेज गरुड़ की टीम ने द्वितीय स्थान और राजीव गांधी नवोदय विद्यालय बहुली की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत समूह गान में कंट्री वाइड पब्लिक स्कूल बागेश्वर ने प्रथम स्थान, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय ने द्वितीय स्थान, और राजकीय इंटर कॉलेज सिरकोट की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इस अवसर पर राजेश आगरी, ममता जोशी, कमला गोस्वामी, जनपद सहसंयोजक पंकज प्रसाद भट्ट, ब्लॉक संयोजक लेफ्टिनेंट मोहनचंद जोशी आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर रमेश कांडपाल द्वारा किया गया।

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

काशीपुर। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन काशीपुर ब्रांच की मासिक बैठक रेलवे स्कूल परिसर में संपन्न हुई। बैठक में भारत पेंशनर समाज के 8 नवंबर को अंबाला में सम्पन्न हुए 70वें वार्षिक अधिवेशन में हुए महत्वपूर्ण निर्णयों एवं पास हुए प्रस्ताव के बारे में शाखा सचिव एसएस सिन्हा ने जानकारी दी। इसके अलावा 8वें पे कमीशन के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। बैठक में ई उम्मीद कार्ड, पैनल के अस्पतालों में होने वाले इलाज की जानकारी का बोर्ड अस्पतालों के बाहर लगाए जानें, पेंशनरों के लिए 3 से 6 माह के अंदर स्वास्थ कैंप आयोजित करने, केंद्र सरकार से पेंशनर के हित में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू रखने, 8 वे वेतन आयोग का लाभ पेंशनधारकों को भी दिए जानें, 65 वर्ष के बाद से पेंसनरो को हर 5 साल के बाद 5 से 15 प्रतिशत का अतरिक्त लाभ दिए जानें आदि मांगों पर चर्चा की। इस अवसर पर अमर सिंह, जेपी यादव, संजय नंदा, भूपाल सिंह, प्रभु आदि पेंशनकर्मियों का जन्मदिन मनाया।

शहीदी दिवस पर प्रभातफेरी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उदयराज हिंदू इंटर कालेज में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रभात फेरी निकालते हुए नगर वासियों को उनके त्याग और बलिदान का संदेश दिया। प्रभातफेरी का शुभारंभ उप प्रधानाचार्य मेजर मुनीशकांत शर्मा ने किया। प्रभात फेरी नागनाथ मंदिर, मौ. पक्काकोट, कानूनगोयान, लाहौरियान डाक्टर लाइन कटोरताल से होते हुए विद्यालय पहुंचीं। इससे पूर्व विद्यालय में वक्ताओं द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के जीवन परिचय और उनके विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

इस दौरान वरिष्ठ प्रवक्ता रोशन लाल वर्मा, मनोज कुमार शर्मा, सुनील कुमार, रणधीर सिंह, कौशलेश गुप्ता, बलजीत सिंह सुमेरिया, राजेन्द्र सिंह, दिनेश चंद्र गोस्वामी, कपिल भारद्वाज, अनिल कुमार सिंह, चौ नवनीत सिंह, शुभम लोहनी, रामचंद्र सिंह, नीलम सूंठा, कल्पना नौडियाल, पूनम चंयाल, मनीषा चौहान समेत शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र मौजूद रहे।

बैठक में उठा मंडी में रिक्त पदों पर नियुक्ति का मुद्दा

काशीपुर। उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड कर्मचारी संघ एवं कृषि उत्पादन मंडी समिति कर्मचारी संघ की संयुक्त बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें प्रमुख रूप से मंडी में रिक्त पदों पर पदाधिकारियों को नियुक्त करने का मुद्दा प्रमुख रहा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद, उत्तराखंड कृषि उत्पादन मंडी समिति, कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर सहित मंडलीय अध्यक्ष मनमोहन सिंह महरा, महामंत्री नारायण सिंह आदि शाखाओं के सदस्य शामिल हुए। इसमें शासन में लंबित सेवा नियमावली एवं एसीपी के प्रकरण पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। बैठक में प्रकाश चंद्र पंत, चंद्रन सिंह डोगरा, रमेश चंद्र, गोपाल दत्त जोशी, अजीत कुमार, देवेन्द्र कुमार, महेन्द्र सिंह, कीर्ति जोशी, अनूप कुमार, प्रकाश आर्य आदि मौजूद रहे।

सहकारिता मेला आज से

सात दिवसीय भव्य आयोजन की डीएम ने दी जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय हल्द्वानी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर जिला प्रशासन, सहकारिता विभाग और नैनीताल जिला सहकारी बैंक लिमिटेड हल्द्वानी द्वारा सहकारिता मेला-2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह सात दिवसीय मेला 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक एमबी इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित होगा। जिलाधिकारी ने बताया कि मेले में जनपद नैनीताल के सभी सरकारी विभाग अपने विभागीय योजनाओं और सेवाओं को 25 स्टॉलों के माध्यम से आमजन तक पहुँचाएंगे।

महिला स्वयं सहायता समूह स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करेंगे। इसके अलावा, जनपद के कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों और विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरण किया जाएगा। मेले में 100 से अधिक व्यावसायिक स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिनमें विभिन्न स्थानीय और व्यावसायिक उत्पादों की बिक्री होगी। स्कूली बच्चों के लिए निबंध, चित्रकला, ऐपण, रंगोली जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। कुल मिलाकर मेला में 130 स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, जिनमें सरकारी विभाग, सहकारी संस्थाएँ, स्वयं सहायता समूह और व्यावसायिक संस्थान शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि सहकारिता मेला-2025 का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को मजबूत करना, स्थानीय उत्पादों और उद्यमिता को बढ़ावा देना और विभागीय योजनाओं की जानकारी जनजन तक पहुँचाना है।

शादी में गए इलेक्ट्रिशियन की बाइक चोरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शादी समारोह में गए एक इलेक्ट्रीशियन की बाइक चोर उड़ा ले गए। पीड़ित ने मुखानी थाने पहुंचकर अज्ञात वाहन चोर के खिलाफ तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार चंदन विहार अमृताश्रम मुखानी निवासी दिनेश बिष्ट ने मुखानी थाने में दी तहरीर में कहा कि बीते 16 नवंबर की रात 10 बजे वह कमलुवागांजा स्थित एक शादी समारोह में शामिल होने गए और अपनी बाइक गार्डन में पार्क में खड़ी कर दी। उन्होंने बताया कि जब वह शादी समारोह से लौटकर वापस पार्क के पास अपनी बाइक लेने के लिए पहुंचे तभी उनकी बाइक वहां से गायब थी। उन्होंने काफी खोजबीन की लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने बताया कि पार्क की सीसीटीवी फुटेज भी उनके पास है। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

श्रम संहिता की प्रतियां फूंकीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। केंद्र सरकार की चार श्रम संहिताओं और प्रस्तावित श्रम शक्ति नीति 2025 के विरोध में बुधवार को ट्रेड यूनियन महासंघ एक्टू से जुड़े संगठनों ने सोमवार को तिकोनिया स्थित बुद्धपार्क में श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाकर सरकार की नीतियों को मजदूर-विरोधी करार देते हुए नारेबाजी करते प्रदर्शन किया। इस दौरान ऐक्टू के प्रदेश महामंत्री केके बोरा ने कहा कि चार श्रम संहिताएं मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन करती है। ये श्रम कोड जिसमें वेतन संहिता, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और औद्योगिक संबंध संहिता भले ही श्रम सुधार के नाम पर पेश की गयी हो, पर यह अनिवार्य रूप से ऐसे औजार है जो व्यापार करने की सुगमता के आवरण के नीचे बड़े व्यवसाय और कॉरपोरेट हितों के मुनाफे के लिए

आधुनिक गुलामी और शोषण को संहिताबद्ध करते है। भाकपा माले जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि मोदी सरकार के लेबर कोड मजदूर वर्ग के बड़े हिस्से को बंधुआ मजदूरी जैसे हालात में धकेल देंगे और ठेकाकरण की राह को और सुगम बना देंगे। इन श्रम संहिताओं का उद्देश्य और लक्ष्य बड़े कॉरपोरेट की मुनाफाखोरी को सुगम बनाने के लिए मजदूरों के अधिकार और सुरक्षा को छीनना है। कुल मिलाकर ये श्रम संहिताएं मोदी सरकार के उस प्रतिगामी और मजदूर विरोधी चरित्र का प्रतिबिंब है जो इस देश के मजदूरों और मेहनतकश आवाम को खून चूसने के मतलब का समझता है तथा उन्हें और अधिक गुलामी जैसी स्थितियों में धकेलने की कोशिश कर रहा है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में कमला कुंजवाल, दीपक कांडपाल, जोगेंद्र लाल, महेश तिवारी, मुकेश जोशी, नरेंद्र बानी, विवेक ठाकुर, सुमन बिष्ट, गणेश दत्त, आकाश भारती, अमित कुमार आदि शामिल रहे।

आटा-चक्की दुकान में चोरों का धावा, राशन उड़ाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। थानाक्षेत्र चोरगलिया में चोरों ने एक आटा चक्की की दुकान का ताला तोड़कर वहां से चावल व आटे के कट्टे सहित बाइक चोरी कर ले गए। पीड़ित आटा चक्की स्वामी ने चोरगलिया पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार चोरगलिया तल्ला-पचौनिया निवासी माधवानंद ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि उनकी पनेरु आटा चक्की के नाम से दुकान है। उन्होंने तहरीर में आरोप लगाया कि बीते 22 नवंबर की रात 12 बजे के आसपास अज्ञात चोरों ने उनकी आटा-चक्की दुकान के दरवाजों का ताला तोड़ा वहां से बाइक, ग्लाइंडर, दो चावल व दो आटे के कट्टे जिनका वजन 25 से 30 किलो है, जो चोरी करके ले गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। चोरगलिया थानाध्यक्ष हरपाल सिंह ने बताया कि पीड़ित दुकान स्वामी की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सट्टा लगाते सटोरिया गिरफ्तार

हल्द्वानी। सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए बनभूलपुरा पुलिस ने एक सटोरिये को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से सट्टे की पर्चियां व 4 हजार 770 रूपये की नगदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार बीती रात्रि बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशीला जोशी के नेतृत्व में एसआई जगवीर सिंह मय टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी टीम ने सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए इरफान पुत्र इकबाल अहमद निवासी मोहम्मदी मस्जिद इंदिरा नगर बनभूलपुरा को रंगेहाथ सट्टा लगाते हुए गिरफ्तार किया है। जिसके पास से सट्टा पर्ची, पैन, गत्ता व 4770 रुपये की नगदी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

भाजपा के आईटी सैल पर कांग्रेसी आगबबूला

कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पहुंच एसएसआई को सौंपा शिकायती पत्र, कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर की जिला व महानगर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को कोतवाली पहुंचकर भाजपा के आईटी सेल और उसके पूर्व प्रमुख शेखर वर्मा पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के खिलाफ सोशल मीडिया पर भ्रामक और मानहानिकारक प्रचार करने का आरोप लगाते हुए एसएसपी रोहताश सागर को औपचारिक शिकायत पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। एसएसआई रोहताश सागर को सौंपे गए शिकायती पत्र में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बीते 21 नवंबर

को देहरादून के वन विभाग मुख्यालय राजपुर रोड पर राज्य में बढ़ते वन्यजीव मानव संघर्ष और उससे हो रही जनहानि को लेकर एक शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने केवल प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति के रूप में प्लास्टिक खिलौना बन्दूक का उपयोग किया जिससे जन भावना को दर्शाया जा सके।

लेकिन भाजपा आईटी सेल एवं उसके पूर्व प्रमुख शेखर वर्मा ने राजनीतिक द्वेषवश इस प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति को तोड़-मरोड़कर, प्रदेश अध्यक्ष को विभिन्न आतंकवादी संगठनों के प्रमुख के रूप में प्रस्तुत करते हुए सोशल मीडिया में प्रसारित किया जो फेक न्यूज, मानहानि और आईटी अधिनियम का उल्लंघन है। जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि भाजपा का यह कृत्य लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर हमला है। आरोपियों पर शीघ्र विधिसम्मत धाराओं में आपराधिक प्राथमिकी दर्ज कर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, महानगर अध्यक्ष गोविन्द बिष्ट, जया कर्नाटक, गोविन्द बगडवाल, कमला सनवाल, मोहन बिष्ट, विनाेद कुमार पिन्नु, सुहैल सिद्दीकी, पार्षद धर्मवीर, जाकिर हुसैन, अमित रावत, कोमल जायसवाल, लक्की राजपूत, हीना गुप्ता, महेशानंद, मनोज शर्मा, लाल सिंह पवार आदि शामिल रहे।

शहीदी दिवस पर विशेष दीवान आज

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गुरुद्वारा श्री गुरु नानकपुरा, ठंडी सड़क में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में कल यानि आज मंगलवार को विशेष दीवान सजाए जाएंगे।

दिन और रात होने वाले इन दीवानों में कीर्तन दरबार, कथा वाचन और अटूट लंगर का आयोजन किया जाएगा। सिख धर्म के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवता की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया, जिस कारण उनका शहीदी दिवस पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। शहीदी पर्व को समर्पित कीर्तन दरबार में बाहरी राज्यों से आ रहे कीर्तनी जत्थे, भाई

गुरसेवक सिंह, ज्ञानी गुरबाज सिंह आज़ाद और ज्ञानी सतपाल सिंह (दिल्ली) विशेष रूप से शिरकत करेंगे। ये सभी गुरबाणी कीर्तन और कथा के माध्यम से गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डालेंगे। गुरुद्वारे के स्टेज सेक्रेटरी अमरजीत सिंह आनंद, जसपाल सिंह कोहली, मुख्य सेवादार हरजीत सिंह सच्चर, स्त्री सत्संग से जसबीर कौर चंडोक और सतपाल सिंह गुजराल ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ पूर्ण हैं। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चलेगा, जबकि रात्रि दीवान शाम 7 से 10 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम के उपरांत संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर वितरित किया जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कल यानि आज मंगलवार (25 नवंबर) को शहीदी दिवस पर सरकारी अवकाश घोषित करने के लिए उत्तराखंड सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए सिख संगत आभारी है। शहीदी पर्व की तैयारियों के तहत आज सोमवार सुबह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब स्कूल और खालसा स्कूल के बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली, जो ठंडी सड़क से होती हुई गुरु नानकपुरा गुरुद्वारा पहुँची। यहां बच्चों ने माथा टेका और ज्ञानी ठाकुर सिंह ने गुरु साहिब की जीवनी व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को गुरबाणी से निहाल किया। फेरी का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

पौधरोपण आंदोलन जारी

नैनीताल। राज्य आंदोलनकारी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण अभियान सोमवार को 497वें दिन भी जारी रहा। पौधारोपण अभियान के 497वें दिन चंपावत टनकपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित स्वाला में स्थित गोपू भट्ट की दुकान परिसर में मेरा पौधा-मेरा परिवार कार्यक्रम में एक पौधा धरती मां के नाम के तहत गोपू भट के नेतृत्व में पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम मे आइस संस्था के अध्यक्ष बासू पांडेय जया पांडेय उपस्थित रहे। प्रकृति प्रेमी गोपू भट्ट ने कहा कि वह इस पौधे का संरक्षण करेंगे उनके द्वारा पौधारोपण अभियान के तहत पूर्व में लगाए गए पौधों का संरक्षण किया है। और वह भी खुद पौधे लगाकर उसका संरक्षण करते हैं। बासु पांडेय ने कहा कि पौधारोपण अभियान से सभी को जुड़ना चाहिए प्रकृति संरक्षण के लिए यह जरूरी है। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण अभियान जारी रहेगा।

48 स्थायी निवास प्रमाण पत्र फर्जी, निरस्त किए गए: एडीएम

12 प्रमाणपत्र री-चेक, 60 में मिलीं गंभीर विसंगतियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल जिले में फर्जी दस्तावेजों की बढ़ती शिकायतों के बीच प्रशासन ने जांच अभियान को और तेज कर दिया है। सभी तहसीलों में एसडीएम स्तर की टीमें प्रमाणपत्रों और व्यक्तिगत दस्तावेजों की गहन पड़ताल कर रही हैं। सोमवार को एडीएम विवेक राय ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 48 स्थायी निवास प्रमाणपत्र निरस्तीकरण की प्रक्रिया में हैं,

जबकि 12 प्रमाणपत्रों को दोबारा जांच के लिए रोका गया है। इसके अलावा 60 स्थायी निवास प्रमाणपत्रों में गंभीर अनियमितताएँ सामने आई हैं, जिनकी विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने कहा कि फर्जी प्रमाणपत्रों के साथ-साथ राशन कार्डों की भी विस्तृत छानबीन की जा रही है। प्रशासन को अब तक 900 से अधिक ऐसे राशन कार्ड मिले हैं, जिनमें अनुचित तरीके से राशन बनवाने और पात्र व्यक्तियों को लाभ से वंचित करने जैसी शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे सभी कार्डों को निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड और राशन कार्ड के दुरुपयोग पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग न कर सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह अभियान इसी गति से आगे भी जारी रहेगा और फर्जी दस्तावेज तैयार करने या उनका उपयोग करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भरतनाट्यम में ईशानी प्रथम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। डीपीएस हल्द्वानी की कक्षा 6 में अध्ययनरत 11 वर्षीय छात्रा हल्दूचौड़ निवासी प्रेम शंकर जोशी एवं हेमा जोशी की पुत्री ईशानी जोशी ने दिल्ली के डा. बीआर अंबेडकर ऑडिटोरियम आंध्र भवन में आयोजित गीतांजलि राष्ट्रीय उत्सव एवं प्रतियोगिता में भरतनाट्यम में प्रथम पुरस्कार तथा

उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त कर क्षेत्र, विद्यालय और परिवार को गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 22-23 नवंबर को श्री गीता जयंती के उपलक्ष्य में नृत्यांजलि संस्था द्वारा कला और संस्कृति के संरक्षण के लिए आयोजित की गई थी। बाल प्रतिभा इशानी ने अपनी भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति से निर्णायक मंडल को अत्यंत प्रभावित किया और सर्वश्रेष्ठ कलाकार के रूप में चयनित हुई। इशानी ने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए है। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु श्री शुभम खोवल को देती है, जिनके मार्गदर्शन में निरंतर कठोर अभ्यास करती रही है। इशानी की माता हेमा जोशी शिक्षिका है जो संसाधन विहीन ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को शिक्षित कर रही है। वहीं, उनके पिता प्रेम शंकर जोशी एक उभरते हुए युवा उद्यमी है जो नए विचारों के साथ कारोबार को आगे बढ़ा रहे है।

भूमि विवाद: ज़मीन की हो निष्पक्ष जांच

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पटेल चौक स्थित भूमि विवाद की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सोमवार को पहाड़ी आर्मी संगठन के पदाधिकारियों ने नगराध्यक्ष भुवन पहाड़ी हिंदू के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान को एक ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। संगठन द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि पटेल चौक भैरव मंदिर के पास वर्ष 1958 से दीपा बोरा, विनोद सिंह बिष्ट और मोहन सिंह बोरा का परिवार रह रहा था और अपनी दुकान चलाकर भरण-पोषण करता था। वर्ष 2019 में आग लगने के बाद कुछ लोगों ने खुद को भवन का मालिक बताते

पहाड़ी आर्मी ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

हुए मरम्मत करने की बात कही। लेकिन बिल्डिंग बनने के बाद पीड़ित परिवार को अपनी ही दुकान में प्रवेश नहीं करने दिया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मरम्मत के बहाने पूरी बिल्डिंग को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया गया और उसकी सरकारी रजिस्ट्री भी कर दी गई है। पहाड़ी आर्मी संगठन ने इस मामले में जिला प्राधिकरण की मिलीभगत और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की आशंका जताई है। संगठन का कहना है कि अगर ऐसा हुआ है तो इससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान पहुंचा है, जो गंभीर जांच का विषय है। टीम ने आरोप लगाया कि एक पहाड़ी मूल निवासी गरीब परिवार को लगभग 65 वर्षों पुराने कब्जे से बेदखल कर दिया गया। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित पक्ष को न्याय नहीं मिला और निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो पहाड़ी आर्मी आंदोलन को बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों में मोहन सिंह बोरा, विनोद सिंह बोरा, दीपा बोरा, राजेन्द्र कांडपाल, हिमांशु शर्मा आदि मौजूद रहे।

पूनम चंद सचिव बनीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर के जजफार्म स्थित कार्यालय में मानव विकास सेवा संस्थान की आपातकालीन बैठक संस्थान के अध्यक्ष विक्की योगी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पूनम चंद को संस्थान का नया सचिव चुना गया। बचपन से ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहीं पूनम की निष्ठा और कार्य के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिव पद पर चुने जाने के बाद सभी पदाधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। इस दौरान पूनम चंद ने कहा कि वे संस्थान के सभी कार्य ईमानदारी और लगन से पूरा करेंगी।

उन्होंने बताया कि 1997 में पंजीकृत संस्थान हाल ही में अपना 25वां शरदोत्सव मेला भव्य रूप से आयोजन करवा चुका है, और सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समिति द्वारा जल्द ही मां बगलामुखी की महिमा पर आधारित एक स्मारिका प्रकाशित की जाएगी। इस मौके पर संरक्षक जीएस रावत, कोषाध्यक्ष साक्षी बेलवाल, उपाध्यक्ष अमन सिंह अरोड़ा राजा, राजू शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राजीव कुमार शर्मा, प्रदीप बर्गली, बहादुर सिंह, शंकर कोहली, दिव्या सहित कई लोग मौजूद रहे।

बागजाला में धरने पर पहुंचे एसडीएम, एसडीओ वन

ग्रामीणों से वार्ता कर उपजिलाधिकारी ने दिया आश्वासन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मालिकाना अधिकार लेने, बागजाला को राजस्व गाँव बनाने, पंचायत चुनावों में मताधिकार पुन: बहाल करने, निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाने, जल जीवन मिशन योजना से टूटी सड़कों का निर्माण करने, जल जीवन मिशन कार्य को पूरा कर हर घर नल, हर घर जल देने का कार्य शुरू करने, गोवंश संरक्षण अधिनियम के चलते आवारा सरकारी गोवंश से पशुपालकों, किसानों, राहगीरों को हो रहे जानमाल के नुकसान से निजात दिलाने के लिए गोवंश की स्थिति अनुसार सरकारी मूल्य निर्धारण कर सरकारी खरीद की गारंटी करने के लिए बागजाला में अनिश्चितकालीन धरना 99वें दिन भी जारी रहा। बागजाला के

धरना स्थल पर उपजिलाधिकारी हल्द्वानी के नेतृत्व में कई अधिकारी पहुंचे जिसमें एसडीओ वन विभाग, एई पीडब्ल्यूडी आदि शामिल रहे। उनके साथ अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी के नेतृत्व में आंदोलनकारियों ने वार्ता की। वार्ता काफी सकारात्मक रही और उप जिलाधिकारी हल्द्वानी ने आश्वासन दिया कि रुकी हुई सड़क का निर्माण एक सप्ताह में किया जाएगा।

यह सहमति बनी कि निर्माण कार्य और विकास कार्यो पर लगी रोक को लेकर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। पेयजल योजना का विधिवत प्रस्ताव जल संस्थान भेजेगा तो वन विभाग स्वीकृति प्रदान करेगा। 100 वें दिन 25 नवंबर को उपजिलाधिकारी कार्यालय पर होने जा रहे धरना प्रदर्शन कल राजकीय अवकाश होने की वजह से स्थगित होकर धरना स्थल पर ही किया जायेगा। कल 100वें दिन आगे की रणनीति तय की जायेगी। धरना प्रदर्शन में आनन्द सिंह नेगी, बीआर धौनी, हरीश सिनोली, विनाेद कुमार बौद्ध, वेद प्रकाश, डा. कैलाश पाण्डेय, प्रेम सिंह नयाल, हरक सिंह बिष्ट, दुर्गा देवी, तुलसी देवी, हेमा आर्या, भोला सिंह, हेमा देवी, मीना भट्ट, सुमित, नीलम आर्या, पुष्पा देवी, दीवान सिंह बर्गली, रेशमा, चंदन सिंह मटियाली, हीरा देवी, मुन्नी देवी, विमला देवी, लक्ष्मण राम, सुनीता देवी, दिनेश चंद्र, हामिद, दीपा देवी, हेमा देवी आदि मौजूद रहे।

माल रोड में दो गुट भिड़े

नैनीताल। माल रोड पर अवैध तरीके से काफी का स्टाल लगाने को लेकर दो गुटों की लड़ाई में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल में उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गयी। जानकारी के अनुसार शाम को मालरोड में पुस्तकालय के समीप अवैध काफी के स्टॉल लगाने को लेकर दो गुटों में विवाद हो गया। इस दौरान एक होटल के कर्मचारी ने युवकों से मारपीट कर दी। मारपीट का मामला बढ़ा तो कर्मचारी ने युवकों पर चाकू से वार कर दिया। इस दौरान तीन युवक चाकू लगने से घायल हो गए। ऐसा होते ही सड़क में अफरा तफरी मच गई। घायल युवकों को राहगीरों की मदद से तत्काल राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल भेजा गया। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर मारपीट करने पर शौर्य कुमार, अनिकेत कुमार, सूरज, अक्षय, मनोज तथा आंनद के खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई है।

दिगंबर वर्मा करेंगे देहदान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ती जा रही है, और अब इसे एक बड़ा सामाजिक

संकल्प के रूप में लिया जा रहा है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हल्द्वानी निवासी दिगंबर वर्मा ने अनमोल संकल्प सिद्धि फाउंडेशन के माध्यम से देहदान करने की घोषणा की है। इस अनमोल पहल में उनके परिजनों ने भी गवाह के रूप में संबंधित प्रपत्र पर अपने हस्ताक्षर किए और इसे संस्था को सौंप दिया है। दिगंबर वर्मा का यह कदम न केवल चिकित्सा विज्ञान के विकास में मदद करेगा, बल्कि समाज में देहदान को लेकर एक नई सोच और जागरूकता भी पैदा करेगा। दिगंबर वर्मा ने एक शपथपत्र में यह स्पष्ट किया कि उनकी मृत्यु के बाद उनका शरीर और अंग सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज द्वारा मेडिकल रिसर्च और इलाज के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। उनके इस संकल्प ने देहदान के महत्व को और अधिक उभारते हुए समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया है। यह निर्णय मेडिकल समुदाय के लिए एक बड़ी सौगात साबित हो सकता है, जो मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

विधिक सेवा शिविर में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में बाल प्रयाग विकास समिति नौगंवा ठग्गू में कैंप का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता समिति के एमडी संदीप थापा तथा संचालन पीएलवी विमल कुमार ने किया।

कैंप में ई सेवा केंद्र, ग्रामीण विधिक सेवा सहायता, ई-फाइलिंग केस, 13 दिसंबर 2025 को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी गई।

गीता शर्मा ने यौन अपराध, कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, नशे के दुष्परिणाम, मीरा देवी ने सड़क सुरक्षा तथा सीनियर सिटीजन के अधिकार, लाल सिंह ने स्थाई लोक अदालत और लोक अदालत के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर सेंट जेवियर स्कूल के प्रबंधक फादर पीटर रेनू बिष्ट, सोफिया, रुबीना, प्रियंका, एवं अध्यापक व बच्चे उपस्थित रहे।

कर्मकार यूनियन ने जलाई श्रम संहिताओं की प्रतियां

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ट्रेड यूनियन ऐक्टू से संबद्ध बजाज मोटर्स कर्मकार यूनियन ने केंद्र सरकार द्वारा पारित चार श्रम संहिताओं को लागू करने के विरोध में श्रम संहिताओं की प्रतियां परशुराम चौक ट्रांजिट कैंप में जलाई।

इस दौरान यूनियन के महामंत्री हीरा सिंह राठौर ने कहा कि जिन चार श्रम संहिताओं को सरकार बहुत अच्छा बता रही है वे दरअसल मजदूरों की गुलामी के दस्तावेज हैं। पुराने 44 श्रम कानूनों में जो अधिकार मजदूरों को हासिल थे, उन अधिकारों में कटौती करके सरकार ने नए सिरे से 4 श्रम संहिता बना दी हैं। पहले से ही सरकार के मजदूर विरोधी रुख के कारण मजदूर बदहाली में जी रहा था, लेकिन अब नए श्रम संहिताओं में अपनी बदहाली के खिलाफ न्याय का दरवाजा भी नहीं खटखटा सकता है। पहले श्रमिक अपनी योग्यता के दम पर 58 वर्ष की उम्र तक स्थाई नौकरी फैक्ट्रियों में पा लेते थे। लेकिन इन 4 श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद स्थाई नौकरी के बजाय निश्चित अवधि यानि फिक्स्ड टर्म जॉब होगी। इन नए कानूनों के तहत मजदूरों का यूनियन बनाकर अपने हक अधिकार के लिए एकताबद्ध होना और लड़ना असंभव हो जाएगा। जिस कारण कंपनी मालिक मजदूरों का बेतहाशा शोषण करने में कामयाब होगा।

ऐक्टू की अनिता अन्ना ने कहा कि हम लगातार पाते हैं कि फैक्ट्रियों में किस तरह से प्रबंधन वर्ग मजदूरों के शोषण करता है। शोषण से तंग आकर कभी कभी मजदूर हड़ताल करके शोषण के खिलाफ आवाज उठा पाता था, जो कि पुराने कानूनों में उसका कानूनी हक था। लेकिन अब नई श्रम सं. हिताओं में यह हक भी खत्म कर दिया गया है।

इस दौरान भाकपा(माले) के जिला सचिव ललित मटियाली, उत्तम दास, जगमोहन डसीला, हेम दुर्गापाल, विनोद कुमार, महिपाल सिंह , विनोद पंत , नवल, कैलाश कुमार,संजीव कुमार,गुड्डू कुमार, रामकोमल, बबलू सिंह, पुष्कर सिंह, उमा शंकर, संदीप हुड्डा, प्रदीप चंद , प्रकाश चंद्र, ललित लो. हनी , राजेंद्र सिंह, अनिल तिवारी ,कैलाश जोशी, कैलाश भट्ट, गिरीश रावत,अजय यादव, पंचदेव आदि शामिल रहे।

एक नजर

राशन वितरण में नहीं होगी जनता के हितों की अनदेखी: ठुकराल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने ट्रांजिट कैम्प में जनता के बुलावे पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मूर्ति के सामने स्थित पुराने राशन की दुकान व वार्ड नं. दो में पिछले दिनों खुली नई राशन की दुकान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ठुकराल ने राशन की दुकान पर आए लाभार्थियों से जानकारी ली जिस पर वितरण संतोषजनक पाया गया। जिसके बाद ठुकराल ने जिला पूर्ति अधिकारी का आभार जताया। इस दौरान ठुकराल ने कहा कि राशन वितरण में जनता के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। ठुकराल ने बताया कि खाद्यमंत्री रेखा आर्य से हुई वार्ता के बाद शासन स्तर से ट्रांजिट कैप में राशन की दुकानों की संख्या और बढ़ाए जाने हेतु पत्रवली विचाराधीन है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में जल्द ही राशन की दुकानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस दौरान ट्रांजिट कैम्प व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजीव गुप्ता, महामंत्री विकास बंसल, मनोज गुप्ता, ललित बिष्ट, ब्रजेन मण्डल, सुरेन्द्र गुप्ता, आनन्द शर्मा, मनोज दास, सरस्वती मण्डल, मायावती, रामवती, पुष्कर देवी, वर्षा, सुमन, प्रियंका, सीमा समेत तमाम लोग मौजूद थे।

गुमराह कर जमीन गिरवीं रख फर्जी तरीके से ले लिया लोन

■ **सुनवाई न होने पर व्यापारियों ने बैंक प्रबंधक को घेरा**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बैंक कर्मचारियों को गुमराह कर विपक्षी द्वारा जमीन गिरवी रख फर्जी तरीके से लोन लेने के मामले में पीड़ित पक्ष की सुनवाई न होने के विरोध में आज सोमवार को व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में अनेक व्यापारियों ने पीड़ित व्यक्ति के साथ काशीपुर मार्ग स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय कार्यालय प्रबंधक का घेराव कर धरना दिया।

व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने बताया कि इन्द्रा कालोनी निवासी आशीष बांगा पुत्र स्व. गुलशन कुमार ने बैंक ऑफ बड़ौदा के बैंक प्रबंधक को अप्रैल व अगस्त माह में प्रार्थना पत्र दिए थे। जिसमें आशीष ने कहा था कि ग्राम मलसा गिरधरपुर में उनके पिता गुलशन व चाचा राजकुमार के नाम संयुक्त भूमि दर्ज है, जिसमें दोनों का आधा-आधा हिस्सा है। आरोप है कि चाचा ने अपने हिस्से की भूमि में से सुनीता रानी और अंजू रानी को भूमि बेच दी। अब उनके पास 0-0150 है. भूमि शेष बचती है, लेकिन चाचा ने गलत अभिलेख प्रस्तुत कर बैक से लोन प्राप्त कर लिया। जिसके बाद पुन: 2.27 लाख का लोन ले लिया। आशीष द्वारा इसकी शिकायत लिखित रूप में बैंक से दो बार की जा चुकी है, लेकिन बैंक प्रबंधक कोई सुनवाई नहीं कर रहा हैं। संजय जुनेजा ने बताया कि किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक व्यापारियों का बैंक परिसर में प्रबंधक से वार्ता और धरना जारी था। इस दौरान हरीश अरोरा, राजेश कामरा, पवन गाबा, रजत सेठी, शिवेन सेठी, आशीष बांगा, मनीष बांगा, गुलशन बठला, राजकुमार अरोरा, राकेश ढ़ल्ला, बलदेव अनेजा, प्रेम कुमार, हरीश गाबा, सुन्दर खुराना, योगेश खुराना, शुभम खुराना, राजन ठुकराल सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर 2.31 लाख ठगे

■ **फेसबुक पर दोस्त बनकर महिला ने लगाया चूना**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क बढ़ाकर ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर एक व्यक्ति से 2.31 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, कुमायूं परिक्षेत्र रुद्रपुर में अज्ञात आरोपित महिला के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदीप सक्सेना पुत्र संतोष कुमार सक्सेना निवासी सिंह कालौनी रुद्रपुर ने साइबर क्राइम थाना में दी तहरीर में बताया कि 19 सितंबर 2025 को उनके फेसबुक मैसेंजर पर 'सानवी पटेल' नामक महिला द्वारा संपर्क किया गया। महिला ने खुद को गुरुग्राम की रियल एस्टेट एजेंट और बाद में किसी कंपनी की सीईओ बताया। बातचीत बढ़ने पर उसने पीड़ित से व्हाट्सएप नंबर ले लिया और लगातार संपर्क में रहने लगी। कुछ समय बाद महिला ने प्रदीप को शेयर ट्रेडिंग में लाभ कमाने का लालच दिया और उसे मार्केट एक्सेस डॉट लाइव नामक वेबसाइट पर तथाकथित ऑनलाइन ट्रेडिंग डिमैट अकाउंट खोलने के लिए प्रेरित किया। आरोपी महिला ने पीड़ित की केवाईसी कराई और एक फर्जी ग्राहक सेवा नंबर से खाते में धनराशि जमा कराने का निर्देश दिया। पीड़ित के अनुसार, महिला द्वारा दिए गए बैंक खातों में पीड़ित ने अलग-अलग छह ट्रांजैक्शनों के माध्यम से कुल 2,31,000 जमा किए। इनमें 23 सितंबर से 2 नवंबर 2025 के बीच उनके कोटक महिंद्रा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के खातों से कई बार रकम भेजी गई। धनराशि जमा करने पर फर्जी डिमैट अकाउंट में डॉलर बैलेंस दिखाया जाता था, जिससे उसको भरोसा हो गया। 8 नवंबर 2025 को जब प्रदीप ने कुछ धनराशि वापस मांगी तो कथित कस्टमर केयर ने जवाब दिया कि उनका डिमैट अकाउंट डीऐक्टिवेट हो गया है और उसे पुन: सक्रिय करने के लिए 1,00,000 रुपये और देने होंगे। बार-बार आग्रह के बाद भी न तो खाता सक्रिय किया गया और न ही किसी प्रकार की सहायता दी गई। इसके बाद प्रदीप को साइबर ठगी का एहसास हुआ। तहरीर में पीड़ित ने आरोप लगाया है कि सानवी पटेल नाम की अज्ञात महिला ने रियल एस्टेट एजेंट और कंपनी की सीईओ बताकर उन्हें धोखे में डाला और ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 2.31 लाख रुपये की ठगी की। साइबर क्राइम पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब महिला की पहचान, संदिग्ध बैंक खातों और उपयोग किए गए मोबाइल व व्हाट्सएप नंबर की तकनीकी जांच में जुट गई है।

ऑनलाइन जॉब के नाम पर रिटायर्ड प्रोफेसर से साढ़े सात लाख की ठगी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ऑनलाइन नौकरी दिलाने के नाम पर एक रिटायर्ड प्रोफेसर से करीब 7.50 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महेंद्र सिंह पाल पुत्र ब्रह्मादीन पाल, निवासी एलायंस सिटी रुद्रपुर, जो पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय से जून 2025 में प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। ऑनलाइन जॉब की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने युनाईटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रोजेक्ट मैनेजर पद के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। पीड़ित ने बताया कि 8 अगस्त 2025 को उनकी ईमेल आईडी पर उनसे कई दस्तावेज मांगे गए, जो उन्होंने उपलब्ध करा दिए। इसके बाद हांगकांग से कार्यरत बताकर एक व्यक्ति द्वारा उन्हें संपर्क किया गया। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने आवास और वीजा प्रक्रिया के नाम पर पहले 4200 यूएसडी और बाद में 4700 यूएसडी एक चीनी बैंक खाते में जमा कराने को कहा। महेंद्र सिंह पाल ने पंजाब नेशनल बैंक, पंतनगर स्थित अपने खाते से कुल 8900 यूएसडी (लगभग 7.50 लाख रुपये) दिए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद भी न तो वर्क वीजा मिला और न ही कोई आवश्यक दस्तावेज। जब लगातार टालमटोल की जाने लगी तो उन्हें ठगी का संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ कंप्यूटर संसाधानों का दुरुपयोग कर धोखाधाड़ी करने की धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि अंतरराष्ट्रीय संस्था का झांसा देकर संदिग्ध खातों में भारी रकम ट्रांसफर कराई गई। उन्होंने पुलिस से ठगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनकी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

युवक पर किया धारदार हथियारों से हमला

■ **युवक गंभीर रूप घायल, पुलिस को दी तहरीर**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। एक दर्जन हथियार बंद लोगों ने रविवार की रात्रि बाइक पर सवार होकर घर जा रहे युवक को रोक कर उस पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप घायल कर दिया और धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल युवक को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

जानकारी के अनुसार जगतपुरा गली नम्बर 6 निवासी रवि पुत्र नवलकिशोर रविवार की रात्रि बाइक पर सवार होकर शिव मंदिर से घर की ओर जा रहा था। जब वह रविदास मंदिर के पास पहुंचा तो इसी दौरान करीब एक दर्जन हथियार बंद लोगों ने उसे रोक लिया और गाली गलौच करने लगे। इसी बीच उन्होंने रवि पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे रवि के सिर और पीठ आदि अंगों पर गंभीर चोटें आ गई। शोर मचाने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। घटना की जानकारी मिलते ही रवि के परिजन वहां आ गए और उन्होंने आवास विकास चौकी पहुंचकर पुलिस को मामले से अवगत कराया। जिसके बाद पुलिस द्वारा रवि का जिला अस्पताल में उपचार कराया गया। मामले की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भूसे के ढेर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। एफएसओ महेश चंद्र ने बताया कि रविवार रात आठ बजे के आसपास पीएफटी के माध्यम से सूचना मिली कि टीनशेड के अंदर रखे भूसे के ढेर में अचानक आग भड़क उठी है। सूचना मिलते ही फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। दल ने देखा कि टीनशेड के भीतर रखा भूसा पूरी तरह जल रहा था। टीम ने मोटर फायर इंजन से पंपिंग कर एक होज लाइन की मदद से रुक-रुककर आग पर पानी डाला और भूसे के ढेर को अलग करते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया। अग्निकांड में ग्राम दानपुर निवासी रवि कुमार शुक्ला के भूसे का ढेर व टीनशेड जलकर नष्ट हो गया। आग बुझाने के बाद फायर यूनिट ने स्थल का आवश्यक निरीक्षण कर ग्रामीणों को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए और वापस स्टेशन लौट आई।

कार की टक्कर लगने से युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मोहल्ला रामलीला कस्बा फरीदपुर बरेली यूपी निवासी 40 वर्षीय रामचंद्र पुत्र भूरा उर्फ नाथूलाल किच्छा में प्राइवेट नौकरी करता था। उसके भाई झांझनलाल ने बताया कि रामचंद्र काफी समय से घर नहीं गया था। रविवार रात करीब आठ बजे रामचंद्र दरऊ चौक पर सड़क पार कर रहा था, तभी एक कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किच्छा कोतवाली के उप निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि कार की पहचान कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

युवक के बैंक खाते से लाखों का अनधिकृत लेनदेन में पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

जालसाज ने नेट बैंकिंग खाते में लॉगिन कर बदल दिया पासवर्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । बैंक के खाते से लाखों रुपये लाखों रुपये के अनधिकृत लेनदेन मामले में पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुक. दमा दर्ज कर मामले की जांच आरम्भ कर दी है।

सोमवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नानकमत्ता के बंगाली कालोनी निवासी गुरुदास विश्वास ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा हैं ध्की उसके मोबाइल फोन हैक हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप 25 अक्टूबर 2025 की दोपहर को उसके एचडीएफसी बैंक खाते से छह: लाख रुपये की अनधिकृत ट्रांजेक्शन बिना उसकी अनुमति के की गई है। उसे जब ज्ञात हुआ है कि उसके सभी एसएमएस एक अज्ञात मोबाइल नम्बर पर फॉरवर्ड किए जा रहे हैं,तथा किसी संदिग्ध व्यक्ति ने उसके एचडीएफसी नेट बैंकिंग खाते में लॉगिन कर उसका पासवर्ड भी बदल दिया है। इस मामले में युवक ने पुलिस को तहरीर सौंप कर तत्काल जांच प्रारंभ कर संदिग्ध मोबाइल नंबर की जानकारी प्राप्त कर कार्रवाई करने व बैंक से मिलकर धोखाधडीपूर्ण लेनदेन को रद्द कराने की बात कही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4) धोखाधड़ी के तहत मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली खटीमा में 86 वाहनों की नीलामी संपन्न

77 मोटरसाइकिल, आठ स्कूटी व एक ई रिक्शे की हुई नीलामी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एसएसपी के आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात, पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी खटीमा के पर्यवेक्षण में नीलामी कमेटी के समक्ष कोतवाली खटीमा में लावारिस एमवी एक्ट के अंतर्गत निरुद्ध कल 86 वाहनों (77 मोटरसाइकिल, 8 स्कूटी व एक ई रिक्शा) की नीलामी संपन्न की गई। नीलामी प्रक्रिया में 73 बोली दाताओं ने हिस्सा लिया। 12 बोली दाताओं ने 14 बोलियां लगाई। वहीं संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा 86 वाहनों का कुल 216600 रुपये का मूल्य निर्धारण किया गया।

बोली कर्ता टोकन नंबर 7 नौसर भगचूरी खटीमा निवासी निर्भय शंकर यादव के नाम पर 339000 रुपये पर छूट गई। इसके उपरांत बोलीकर्ता द्वारा नीलामी राशि में जीएसटी 18 प्रतिशत 61020 रुपये कुल 400020 रुपये भुगतान किया जाना है। इस दौरान पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र शाह, वरिष्ठ उप निरीक्षक ललित मोहन रावल, हेड कांस्टेबल सीपी विजय कुमार, सीपी जगदीश बोरा, होमगार्ड नरेंद्र सिंह तथा ज्ञानदीप उपस्थित रहे।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में मिली हाथी सफारी की अनुमति

■ **दिसंबर से ढिकाला-बिजरानी जोन में फिर गूंजेगा हाथी सफारी का रोमांच**

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में इस सर्द मौसम में पर्यटक हाथी की सफारी का आनंद ले सकेंगे।वर्षों से बंद पड़ी हाथी सफारी को आखिरकार फिर से अनुमति मिल गई है। चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन देहरादून की ओर से आदेश जारी होने के साथ ही हाथी सफारी का लंबे समय से इंतजार कर रहे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए खुशी की बात है।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व दुनिया भर में अपनी जैव विविधता और रोमांचक जंगल सफारी के लिए प्रसिद्ध है।ऐसे में हाथी सफारी की बहाली इस पार्क की पर्यटन गतिविधियों में एक बड़ा बदलाव साबित होगी, स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की जून 2024 में हुई बैठक में इसके लिए हरी झंडी दी गई थी, जिसके बाद विभागीय औपचारिकताओं के पूरा होने पर अब इसे लागू किया गया है।जारी आदेश के मुताबिक हाथी सफारी ढिकाला और बिजरानी दोनों प्रमुख जोन में शुरू की जाएगी, दोनों जगह सुबह और शाम की शिफ्ट में हाथी सफारी होगी।ढिकाला में 2 हाथियों से सफारी कराई जाएगी और पर्यटकों के लिए दो रूट निर्धारित किए जाएंगे।

इन रूटों पर सफारी के दौरान पर्यटक रामगंगा नदी, घने जंगल, विशाल ग्रासलैंड और कई वन्यजीवों का बेहद नजदीकी अनुभव ले सकेंगे ,कॉर्बेट का यह जोन हमेशा से ही सबसे आकर्षक रहा है,ऐसे में हाथी सफारी यहां पर्यटन अनुभव को और रोमांचक बनाएगी,बिजरानी जोन में 1 हाथी के माध्यम से 2 रूट तय किए गए हैं। यहां भी दो घंटे की सफारी कराई जाएगी, जिसमें पर्यटक जंगल की खूबसूरती, वन्यजीवों की गति. विधियां और प्राकृतिक आवास का करीब से देख सकेंगे। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि हाथी सफारी के टिकट पार्क के रिसेप्शन सेंटर से उपलब्ध होंगे। टिकट वितरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।सफारी की अवधि 2 घंटे निर्धारित की गई है।

डॉ. बडोला ने बताया कि हाथी सफारी को दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू कर दिया जाएगा,क्रिसमस और न्यू ईयर सीजन में पार्क आने वाले हजारों पर्यटक इसका आनंद उठा सकेंगे। हाथी सफारी को बंद हुए लगभग 6 साल हो चुके थे,वर्ष 2018 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत पार्क में हाथियों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगा दी थी। उसी आदेश के बाद हाथी सफारी पूरी तरह बंद कर दी गई थी,तब से स्थानीय पर्यटन कारोबा. रियों, गाइडों, महावतों और वन्यजीव प्रेमियों की ओर से लगातार मांग उठाई जा रही थी कि हाथी सफारी को संवेदनशील और सुरक्षित तरीके से फिर शुरू किया जाए। उनका कहना था कि हाथी सफारी वन्यजीव संरक्षण के लिए जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम है।यह पर्यटकों को जंगल के साथ एक अनोखा और शांतिपूर्ण अनुभव देती है।महावतों और ग्रामीण समुदायों के रोजगार का एक मुख्य साधन है।अब जब स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड और विभागीय अधिकारियों ने नियमों और सुरक्षा प्रावधानों के साथ इसे फिर से शुरू करने की अनुमति दी है, तो स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

विकास भवन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार सोमवार को 10वें दिन भी जारी रहा। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विकास भवन परिसर में धरना-प्रदर्शन कर सरकार पर वादाखिलाफी का आरा. ेप लगाया।

प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने कहा कि बीते वर्ष फरवरी में प्रदेशव्यापी हड़ताल के दौरान मुख्यमंत्री आवास में मिले आश्वासन पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष रूचिका घई ने बताया कि 7 मार्च 2024 को निद. ेशालय में हुई बैठक में मानदेय वृद्धि पर विचार के लिए समिति गठित करने की बात कही गई थी, किंतु डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी निर्णय लंबित है।

उन्होंने मांग उठाई कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए तथा मानदेय बढ़ाकर प्रतिदिन 800 रुपये के हिसाब से 24 हजार रुपये मासिक किया जाए। इसके अलावा सेवानिवृत्ति पेंशन, महिला कल्याण कोष से मिल रही एकमुश्त राशि बढ़ाकर कम से कम 5 लाख रुपये करने, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार ग्रेच्युटी लाभ दिए जाने और सुप. रवाइजर के रिक्त पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पदोन्नति देने की मांग दोहराई गई। कार्यकर्ताओं ने एफआरएस (फेस कैप्चर) प्रणाली को तत्काल बंद करने तथा सरकार द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो दो दिसंबर को देहरादून कूच करेंगे।

धरने में प्रदेश मंत्री अनीता सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रूचिता घई, हंसा लोहानी, माधुरी शर्मा, रूबी सिंह, पुष्पा पांडे, शीतल, आराधना यादव, ज्योति, पूनम यादव, प्रेमलता, अमरजीत कौर, स्मिता, पदमा, संगीता, खुशबू, मिनती, कुसुम लता, लक्ष्मी, संध्या, शांति, भावना, अनीता शर्मा, राजकुमारी, राजेन्द्र कौर, संतोष रानी, रानी कौर, प्रेमलता, नूरजहां, मीरा गुप्ता,आशा रानी, सुलेखा चौहान, निशा, सीमा गांगुली, प्रियंका, विमला, तारा भट्ट, दलवीर कौर, सूलता मंडल, गीता, सुशीला, रुबीना सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहीं।

खुशी सत्यावाली का उत्तराखण्ड जूनियर गर्ल्स फुटबॉल टीम में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल कक्षा 9 की प्रतिभाशाली छात्रा खुशी सत्यावाली ने फुटबॉल में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर उत्तराखण्ड जूनियर गर्ल्स फुटबॉल टीम में स्थान प्राप्त किया है।

ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉक्टर प्रसून श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने नेशनल गेम्स में राज्य का प्रतिनिधित्व किया।जहाँ उत्तराखण्ड टीम ने नागालैंड को पहले मैच में 3ख्1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए बहुत ही गर्व और हर्ष का विषय है।विद्यालय परिवार की ओर से खुशी को बधाई देते हुए कोच पंकज को उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया।जिनकी मेहनत से खुशी इस मुकाम तक पहुंच पाई। ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉक्टर प्रसून श्रीवास्तव, प्रणव श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य डॉक्टर नलिनी श्रीवास्तव ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सोमवार सुबह पंतनगर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। नियमित जांच के दौरान रेलवे कर्मचारियों ने ट्रैक के किनारे जंगल की ओर लगभग 38 वर्षीय युवक का शव देखा और इसकी सूचना तुरंत आरपीएफ, वन विभाग और स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पंतनगर थाना पुलिस, आरपीएफ और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन मौके से कोई दस्तावेज या अन्य सुराग नहीं मिला। शव पर विशेषकर सिर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जिससे आशंका है कि युवक ट्रेन की चपेट में आया होगा। ढकपअझढचझपुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसआई अशोक कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला ट्रेन दुर्घटना का प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

गुमशुदा की तलाश

कृपया अवगत कराना है, कि जनपद के थाना ट्रांजिट कैम्प में दिनांक- 21/05/2025 को बादी प्रमोद सिंह पुत्र महिपाल निवासी राजा कलौनी थाना ट्रांजिट कैम्प जनपद उधम सिंह नगर की पुत्री सारिका उम्र 17 वर्ष दिनांक 10/05/2025 को पर से बिना बताये कही चली गयी। जो आज तिथि तक वापस घर न आने के सम्बन्ध में थाना ट्रांजिट कैम्प में गुमशुदगी मु0अ0स0 150/25 धारा 140 (3) बीएनएस में गुमशुदगी पंजीकृत किया गया है।
हुलिया गुमशुदा-1- सारिका उम्र-17 वर्ष, आंख, नाक, कान औसत रंग- गेहुओं, लम्बाई 5 फिट। **पहनावा**- गुलाबी रंग की सूट सलवार पहने है। **पहचान**- गले में तुलसी की माला जिसमे रुद्राक्ष है। अत: उक्त गुमशुदा को अपने-अपने जनपदों में तलाश करने व धानों में प्रचार प्रसार करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें, सूचना प्राप्त होने पर निम्न दूरभाष अथवा ई-मेल cetusuda@gmail.comपर सूचित करने का कष्ट करें।

प्रभारी निरीक्षक
थाना ट्रांजिट कैम्प, रुद्रपुर
उधमसिंह नगर- मो. नं.- 9412088605

विवेचक
कीर्ति भट्ट, उप निरीक्षक
थाना ट्रांजिट कैम्प, रुद्रपुर
उधमसिंह नगर- मो. नं.- 9149373450

विधायक कापड़ी ने समस्याएं सुनीं

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उपनेता प्रतिपक्ष एवं खटीमा विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया। ग्राम खेलड़िया में ग्रामीणों ने उन्हें क्षतिग्रस्त सड़क व पुलिया निर्माण, जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति सुचारू न होने सहित कई समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से सड़क निर्माण न होने के कारण आवागमन में दिक्कतें बढ़ गई हैं। पैदल चलने वाले बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं गांव में पानी की किल्लत बनी हुई है और जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपला. इन का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। समस्याओं पर विधायक कापड़ी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों का जल्द समाधान कराया जाएगा। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर आवश्यक निर्देश दिए।

अग्निवीर दीपक सिंह पंचतत्व में विलीन
पूरे सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

- मुख्यमंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि
- मातमी धुन के बीच सैन्य जवानों ने झुकाए शस्त्र, गांव की आंखें नम

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। लधियाघाटी का वीर बेटा अग्निवीर दीपक सिंह आज सदा के लिए पंचतत्व में विलीन हो गया। राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा उनका पार्थिव शरीर जब सुबह पैतृक गांव खरही पहुंचा तो पूरा गांव रो पड़ा। मां ने लाल को बाहों में भर लिया, पिता का हृदय फट सा गया और हर आंख नम हो उठी। मातमी वातावरण में गांव का माहौल शोक. ाकुल हो गया। दीपक ने कठिन परिस्थितियों में स्वयं को फौज के

योग्य तैयार किया था। गांव में न मैदान था, न ट्रेनिंग की व्यवस्था, लेकिन फौजी बनने का जुनून इतना प्रबल था कि वह हर कठिनाई को पार करता चला गया। दोस्तों से वह हमेशा कहा करता था "दुश्मन के दांत खट्टे कर दूंगा"। दस दिन पहले ही वह छुट्टी बिताकर अपनी मां से यह कहकर गया था, "ईजा मी जल्दी घर उनू।" लेकिन आज वह घर तो आया, पर आंखें बंद, शरीर शांत और तिरंगे में लिपटा हुआ।

पैतृक गांव से निकली अंतिम यात्रा के साथ नदी किनारे स्थित श्मशान घाट में दीपक की चिता सजाई गई। 6 राजपूताना राइफल्स के जेसीओ और जवानों ने मातमी धुन बजाकर तथा शस्त्र झुकाकर अपने वीर साथी को अंतिम सलामी दी।

चंपावत इन्फेंट्री बिरगेड के सूब.ेदार दीपक सिंह, विक्रम सिंह के नेतृत्व में आए जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर दीपक को सैन्य सम्मान के साथ विदाई दी। अंतिम संस्कार के दौरान वातावरण गमगीन हो उठा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल, क्षेत्रीय विधायक खुशाल सिंह अधिकारी, पूर्व विधायक पूरन फर्त्याल, ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह अधिकारी, जिलाधिकारी की ओर से एसडीएम अनुराग आर्या, तथा पुलिस विभाग की ओर से सीओ शिवराज सिंह राणा ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा जिला पंचायत सदस्य अशोक मेहरा, तुलसी प्रसाद शर्मा, कमल भट्ट, कुंदन बोहरा, विनोद बडेला, होशियार सिंह, लक्ष्मण सिंह बोहरा, बृजेश बिष्ट, उमेश भट्ट, भगत सिंह बोहरा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने दीपक को अंतिम नमन किया।

दीपक के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घोर अभावों में जीवन बिताने वाला यह परिवार, बेटे दीपक में भविष्य की रोशनी देखता था, लेकिन नियति ने वह दीपक बुझा दिया। गांव का हर व्यक्ति यही कहता दिखाख्र "मृत्यु सत्य है, लेकिन देश के लिए प्राण न्योछावर करना सौभाग्य केवल भाग्यशाली वीरों को ही मिलता है।

एक नजर

विज्ञान मेले में हर्षित जोशी का मॉडल रहा प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। राजीव नवोदय विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा खूब चमकी। अमेरिकन इंडियन फेडरेशन (AIF) के निर्देशन में आयोजित इस भव्य प्रदर्शनी में छात्रख्रछात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, रोबोटिक्स, डिजिटल इनोवेशन, जल संरक्षण, ग्रामीण तकनीक सहित अनेक विषयों पर आकर्षक एवं शोधपरक मॉडल प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि आईटीबीपी के सहायक सेनानी अक्षय एवं अंकुर ने दीप प्रज्वलन कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी का अवलोकन कर उन्होंने बच्चों के नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और शोध क्षमता को निखारने का सर्वोत्तम माध्यम हैं। आईटीबीपी इंस्पेक्टर राम बहादुर एवं एसआई केवलानंद ने भी सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस स्तर के मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान शिक्षा के बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं।

इससे पूर्व विद्यालय के प्राचार्य रामकुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय लगातार बच्चों को नवाचार और प्रायोगिक गति. विधियों से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रतियोगिता के परिणाम प्रथम स्थान ख्र हर्षित जोशी का अभिनव मॉडल, द्वितीय स्थान तनुजा एवं चांदनी की संयुक्त प्रस्तुति, तृतीय स्थान रशिका एवं नैनश्री सिंह का मॉडल, प्राचार्य मिश्रा ने विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय ऐसे आयोजनों को आगे भी और बड़े स्तर पर आयोजित करेगा। इस वैज्ञानिक प्रदर्शनी को सफल बनाने में नारायण जोशी, जितेंद्र, पुनीता, योजना भट्ट, भगवान करके, महेंद्र सिंह धरती आदि शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन विपिन कॉलोनी ने किया।

वन विभाग ने छह शिकारी पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। शारदा सागर में स्टीमर और ड्रोन की मदद से मछली का अवैध शिकार करने की फिराक में आए छह शिकारियों को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। सुरई वन रेंज की टीम ने घेराबंदी कर शिकारियों को दबोचा। इनके पास से पचास हजार रुपये से अधिक कीमत का मछली पकड़ने का जाल बरामद किया गया। शरद ऋतु में साइबेरियन पक्षियों की शारदा सागर में आमद बढ़ने के साथ ही जहां डैम गुलजार होने लगा है, वहीं इनका शिकार करने के लिए शिकारी भी सक्रिय हो जाते हैं। लेकिन इस बार वन विभाग हाई अलर्ट पर है। सुरई रेंज को मिले स्टीमर की वजह से शिकारियों पर अंकुश लगाना आसान हुआ है। सोमवार को एसडीओ संचिता वर्मा के निर्देश पर सुरई रेंजर आरएस मनराल द्वारा गठित टीम ने ड्रोन की मदद से शिकारियों की पहचान कर लोकेशन निकाली। इसके बाद स्टीमर से डैम में घुसे और टीम से बचकर भागने की कोशिश कर रहे शिकारियों को पकड़ लिया गया। टीम के तैराक वनकर्मी रविंद्र कुमार और सुखविंदर सिंह ने उनके पास से मछली पकड़ने का जाल और टॉर्च बरामद की। पूछताछ में साइबेरियन पक्षियों के शिकार की आशंका को देखते हुए कड़ी चेतावनी देने के बाद शिकारियों को छोड़ दिया गया। बरामद जाल व टॉर्च को रेंज चौकी में जमा कर लिया गया। इधर, सुरई रेंज की इस कार्रवाई से अवैध शिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। रेंजर आरएस मनराल ने बताया कि विदेशी मेहमान पक्षियों का किसी भी हाल में शिकार नहीं होने दिया जाएगा। अभियान में राजन सहित कई वनकर्मी शामिल रहे।

महिलाओं को नैसर्गिक रूप से मिलती है आगे बढ़ने की शक्ति : गीता धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत । ग्रामीण आजीविका मिशन एवं ग्रामोत्थान रीप द्वारा महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे लाने के लिए जहाँ निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं, वही दूसरी ओर महिलाओं को उनकी शक्ति व सामर्थ्य का एहसास कराते हुए सामाजिक आर्थिक विकास कार्यक्रमों में महिलाओं की सक्रियता व भागीदारी बढाने की दिशा में सार्थक पहल हुयी है। यह बात एनएचपीसी सभागार बनबसा में महिला सशक्तिकरण व लैंगिक समानता पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित सेवा संकल्प फाउंडेशन की अध्यक्ष गीता धामी द्वारा महिलाओं को संबोधित करते हुए कही गई। इससे पूर्व मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में समूहों से जुडी महिलाओं द्वारा सीएलएफ के माध्यम से किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को भी प्रस्तुत किया गया। सहायक परियोजना निदेशक विमी जोशी ने महिला सशक्तिकरण हेतु ग्राम्य विकास के तहत चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में सीडीओ डा. जीएस खाती, खंड विकास अधिकारी अशोक अधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक रीप शुभंकर झा, बाल विकास सुपरवाइजर पुष्पा, मीनू पंत सीएस भट्ट, विशवा कुमार ने अपने विचार रखे। संच. ालन राधा चंद ने किया।

दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में चम्पावत की बाल मिठाई का दबदबा, सीएम धामी भी हुए मुरीद

- तिवारी मिष्ठान भंडार की दशकों पुरानी परंपरा और शुद्ध स्वाद ने मेले में मचाई धूम, ब्रांड की गूंज विदेशों तक

शाह टाइम्स, जीवन बिष्ट

चंपावत। दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार चंपावत की शान बाल मिठाई ने जिस तरह अपनी सुगंध और मिठास से आगंतुकों को आकर्षित किया, वह पूरे उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय बन गया है। मेले में पहुंचने वाला हर तीसरा व्यक्ति चंपावत की बाल मिठाई का नाम लेते हुए तिवारी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट के स्टॉल तक पहुंच रहा है। पिछले बीस वर्षों से अधिक समय से तिवारी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट के स्वामी एवं क्षेत्रीय विधायक के प्रति. निधि प्रकाश तिवारी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में चंपावत की ओर से इस पारंपरिक मिठाई का स्टॉल लगाते आ रहे हैं। समय के साथ इस स्टॉल ने मेले के भीतर अपनी एक अलग पहचान, एक अलग स्थाई ब्रांड वैल्यू बना ली है। यहां आने

वाले लोगों के बीच यह धारणा आम है कि "अगर असली बाल मिठाई का स्वाद चखना है, तो तिवारी मिष्ठान भंडार के स्टॉल पर जरूर जाओ।" तिवारी मिष्ठान भंडार की बाल मिठाई की सबसे बड़ी ताकत है ख्र इसका शुद्ध स्वाद, उच्च गुणवत्ता, और प्राकृतिक सुगंध, जिसे उच्च प्रशिक्षित कारीगर पारंपरिक तकनीक से तैयार करते हैं। स्वाद ऐसा कि जिसे एक बार चख ले, वह हर साल मेले में इसी स्वाद की तलाश में लौटकर आए। लगातार बढ़ती मांग का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस बार भी बाल मिठाई क्विंटलों के हिसाब से बिक रही है, और बड़ी मात्रा में पैकिंग विदेश भेजने की भी मांग आई है। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले की उपयोगिता बताते हुए कहा कि यह मंच उत्तराखंड की संस्कृति, हस्तकला, शिल्प, कृषि उत्पादों और परंपराओं को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। "यह सम्मान चंपावत के हर कारीगर का है" तिवारी मिष्ठान भंडार के स्वामी और स्टॉल संचालक प्रकाश तिवारी ने कहा, हमारी बाल मिठाई देशख्रविदेश में लोगों की पसंद बन रही है, यह चंपावत के हर कारीगर की मेहनत का परिणाम है। हमारा प्रयास हमेशा यही रहा है कि शुद्ध और प्रामाणिक स्वाद के साथ चंपावत की पहचान दुनिया में और मजबूत हो। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा स्टॉल पर आकर प्रोत्साहन देने को ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि इससे स्थानीय कारीगरों को और भी ऊर्जा मिलती है।

चंपावत की पहचान है बाल मिठाई: सीएम

मुख्यमंत्री धामी स्टॉल पर पहुंचे और कहा यह सिर्फ मिठाई नहीं, चंपावत की पहचान है" मेले में भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी चंपावत की बाल मिठाई की सुगंध से खिंचे चले आए। स्टॉल पर पहुंचकर उन्होंने बाल मिठाई का स्वाद लिया और इसकी शुद्धता तथा गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा,

चंपावत की बाल मिठाई पूरे उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान है। यह मिठाई सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि हमारे प्रदेश की कला, मेहनत और परंपरा का प्रतीक है। तिवारी मिष्ठान भंडार ने इसे देश-विदेश तक पहुंचाकर उत्तराखंड की ब्रांड वैल्यू को मजबूत किया है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का धरना आठवें दिन भी जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। मानदेय बढ़ाए जाने सहित तीन सूत्रीय मांग को लेकर उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ का आठवें दिन भी धरना जारी रहा। सोमवार को बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय, सितारगंज के बाहर धरना दे रही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने बताया कि बाल विकास परियोजना में नियुक्ति के समय उन्हें छह प्रकार के कार्यों का दायित्व सौंपा गया था। जिसमें स्कूल पूर्व शिक्षा, पोषाहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, संदर्भ सेवाएं और बाल निगरानी है। लेकिन इन छह कार्यों के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से निर्वाचन, वार्ड ड्यूटी, बीएलओ, पल्स पोलियो सहित विभिन्न विभागों के काम कराया जाता है। उन्होंने कहा कि वह केवल विभाग से सम्बंधित कार्य के अलावा अन्य किसी भी विभाग के कार्य को नहीं करेंगी। उन्होंने विभाग से 800 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 24 हजार प्रतिमाह मानदेय देने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 40 हजार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां है। विभाग प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकत्री के वेतन से घ100 प्रति माह काटती है। उन्होंने मांग की कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को रिटायरमेंट के बाद फंड से 10 लाख रुपये और पांच हजार रुपये पेंशन स्वरूप दिया जाए। वहां जिलाध्यक्ष रुकमणी धामी, सरिता, मंजू राणा, राधा देवी, उर्मिला, किरण, अजय लक्ष्मी, गोदावरी, आरती सहित कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रही।

धान तोल की लिमिट बढ़ाने व तोल शुरू करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। ग्राम सरपूड़ा बग्घा-54 कि किसानों ने उप जिला अधिकारी को एक मांग पत्र सौंप कर धान तोल की लिमिट बढ़ाने व धान तोल शुरू करने की मांग की है। मांग पत्र में किसानों ने बताया कि छोटे किसानों का धान अभी नहीं तोल हो पाया है। जिससे किसान काफी परेशान हैं। किसानों ने खटीमा उप जिला अधिकारी को एक मांग पत्र सौंप कर धान की लिमिट बढ़ाने व धान तोल शुरू करने की गुहार लगाई है। मांग पत्र में देवेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह, उमेश, सुंदर सिंह, पुष्कर सिंह, शमशेर सिंह, लक्ष्मण सिंह, त्रिभुवन सिंह, धरम सिंह आदि के हस्ताक्षर थे।

सार्वजनिक अवकाश की उलझन से जनमिलन कार्यक्रम प्रभावित, फरियादी रहे कम

- अवकाश संशोधन से स्कूलों व कार्यालयों में रही भ्रम की स्थिति; डीएम मनीष कुमार ने कम आए फरियादियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। गुरु तेग बहादुर जयंती के अवसर पर घोषित सार्वजनिक अवकाश को लेकर सोमवार को जिलेभर में भारी भ्रम की स्थिति रही। पहले सोमवार को अवकाश घोषित किया गया था, लेकिन देर रात जारी संशोधित आदेश से विद्यालयों और सरकारी कार्यालयों में अव्यवस्था का माहौल बन गया। इसका असर जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित जनमिलन कार्यक्रम पर भी पड़ा, जहां फरियादियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम रही।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कार्यक्रम में पहुंचे प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंगोली गांव से पहुंचे पूरन राम ने गुलदार की बढ़ती गतिविधियों से सुरक्षा की मांग उठाई। उन्होंने गांव में सोलर लाइट व तार बाड़ लगाने का अनुरोध किया। इस पर डीएम ने वन विभाग, कृषि विभाग और उरेडा को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खूनाबोरा गांव की दिया बोहरा ने पेयजल लाइन से जुड़े भूमि विवाद के समाधान की मांग की। जिलाधिकारी ने एसडीएम को मौके पर जाकर जल संस्थान के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर विवाद का निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही दिया की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनका प्रयाग पोर्टल पर पंजीकरण कराने के निर्देश दिए, जिससे उन्हें भविष्य में स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा सके। राजपुरा गांव से आए ग्रामीणों ने पेयजल एवं सड़क दिक्कतों की शिकायत की।

डीएम ने संबंधित विभाग को एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान करने का आदेश दिया। कार्यक्रम में एडीएम केएन गोस्वामी, सीएमओ डॉ देवैश चौहान, डीडीओ दिनेश सिंह दिगारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में कई समस्याओं का हुआ समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी आशीष भटगांई के निर्देशों के क्रम में आज सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में उपजिलाधिकारी सदर मनजीत सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में स्थानीय नागरिकों द्वारा कुल 10 प्रमुख समस्याएं/शिकायतें दर्ज कराई गईं। एसडीएम श्री सिंह ने अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया एवं शेष प्रकरणों के त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

जनसुनवाई में अधिवक्ता केसी पंत द्वारा गांधी चौक से जिला चिकित्सालय मार्ग तक दाहिनी ओर किए गए अतिक्रमण हटाने तथा गांधी चौक व बाजार क्षेत्रों में दुकानों के आगे लगे फड़ों को हटाने की मांग। शहर में मछली, मुर्गा, कीटनाशक व सीमेंट की दुकानों को रेस्टोरेंट व परचून दुक. ानों से दूर स्थानांतरित कराए जाने हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित करने, मेडिकल स्टोरों पर स्वामी एवं फार्मासिस्ट का नाम बोर्ड पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करवाने हेतु औषधि निरीक्षक को निर्देशित किए जाने, नगर क्षेत्र में

टैक्सियों का निर्धारित किराया तय कर सीट व किराये का विवरण वाहन के बाहर प्रदर्शित करने हेतु एआरटीओ को आदेशित करने, झूलाघाट, बॉस, बड़ाबे, गुरना व जाखपुरान हेतु पूर्व की भांति 22-सीटर बसें पुनः संचालित कराने, एचोली एएफसी गोदाम से विण, पण्डा, चण्डाक, पाण्डेगांव आदि क्षेत्रों में सड़क किनारे एवं सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों को हटाए जाने, मानक के अनुरूप मैदान न रखने वाले विद्यालयों की मान्यता निलंबित करने, पार्किंग मानकों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों को बंद कराने, गांधी चौक, लूंठी पुस्तक भंडार मार्ग, नया बाजार व कैम्पू स्टेशन क्षेत्र में नगर निगम द्वारा आवंटित फड़ों में अनियमितताओं के आरोप, कई फड़ किराये पर दिए जाने की शिकायत, देवेंद्र लाल वर्मा द्वारा कन्हैया लाल एवं परिवार पर मारपीट, उत्पीड़न, भूमि कब्जा एवं मकान से बेदखल किए जाने का आरोप लगा कठोर कार्रवाई कराए जाने, जाग उठा पहाड़ फाउंडेशन के अध्यक्ष गोविंद महर द्वारा विसडम स्कूल के निकट श्री बांके बिहारी द्वारा किए गए अतिक्रमण पर 8 माह से कार्रवाई न होने समेत सुनवाई में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, मुआवजा भुगतान, सीवर एवं अन्य जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतें भी दर्ज की गईं। एसडीएम मनजीत सिंह ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे आम नागरिकों को वास्तविक राहत मिल सके।

एम्प्लॉई ऑफ द मंथ चुने गए कांस्टेबल नीरज और अंकिता

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। पुलिस विभाग में कांस्टेबल पद पर कार्यरत नीरज भोज और अंकिता को एम्प्लॉई ऑफ द मंथ चुना गया। सोवार को मसिक गोष्ठी के दौरान एसपी रेखा यादव ने उन्हें प्रशस्त्रि पत्र देकर सम्मानित किया। उनके अलावा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई अन्य पुलिस कर्मियों को भी सम्मानित किया।

पुलिस लाइन में आयोजित मासिक गोष्ठी के दौरान एसपी ने विभिन्न थानों से आए कर्मचारियों की समस्या सुनीं और उनका निस्तारण किया। उन्होंने जनपद में संचालित विभिन्न अभियानों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने हिट एंड रन वाहन दुर्घटना योजना की पूर्ण जानकारी रखने और त्वरित रिपोर्ट तैयार करने, थानों में लम्बित शिकायतों का निस्तारण करने, थानों के मालखानों का भौतिक सत्यापन कर मालों का उचित रख रखाव, अवैध शराब, चरस,

स्मैक की बिक्री पर पूर्णतया रोक लगाने, चोरी झपटमारी आदि घटनाओं पर अंकुश लगाने आदि के निर्देश दिए।

सीओ गोविन्द बल्लभ जोशी, सीओ केएस रावत आदि मौजूद रहे। ये कर्मी हुए सम्मानित एसआई कमलेश जोशी, एसआई ललित डंगवाल, अपर उपनिरीक्षक पीताम्बर दत्त, अपर उपनिरीक्षक राजेन्द्र राम, हेड कांस्टेबल पुलिस दूरसंचार आदित्य जोशी, हेड कांस्टेबल देव सिंह गुंज्याल, नन्दन सिंह, भूपेन्द्र सिंह, मनोज कुमार, नरेन्द्र राणा, कुन्दन सिंह, भगत राम, पूरन सिंह धामी, हेड कांस्टेबल पुलिस दूरसंचार लता जोशी, हेड कांस्टेबल पुलिस दूरसंचार अंजलि काण्डपाल, कांस्टेबल होशियार सिंह,ध्रुव सिंह, कैलाश चन्द्र, जगदीश मारकूना, अभिषेक गोस्वामी, कुल्दीप बिष्ट, निर्मल किशौर, सुरेश पाण्डेय, आशीष चतुर्वेदी, दीप चन्द्र, विनोद बिष्ट, रवि कुमार, संजय कुमार, शुभम बजेठा, अनुचर चंचल, महिला होमगार्ड मनीषा भट्ट आदि मौजूद थे।

जौलजीबी मेले में नेपाल के प्रसिद्ध गायक चक्र बम के गीतों पर झूमे दर्शक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। अंतरराष्ट्रीय जौलजीबी मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची रही। मेले के दसवीं शाम नेपाल के प्रसिद्ध गायक चक्र बम के गीतों पर दर्शक जमकर झूमे। इसके अलावा स्थानीय लोक कलाकारों के साथ ही स्कूली बच्चों ने भी एक से बढ़कर कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को अपनी संस्कृति से रूबरू कराया। देर रात तक लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाते नजर आए। जौलजीबी में रविवार रात मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख धन सिंह धामी, विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षाधिकारी राजेश कुमार अटवाल मौजूद रहे। मेला अधिकारी व एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत-नेपाल की संस्कृति का प्रतीक जौलजीबी मेला क्षेत्र की पहचान है।

बाद में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। गणेश मर्तोलिया, अंकित दताल, हनी ग्रुप डांस मुवानी के बच्चों ने शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विद्यालयों के सीनियर वर्ग में ग्रैंड फिनाले हुए। जिसमें एन्जल कान्वेंट स्कूल धारचूला को पहला,जीआईसी धारचूला को दूसरा स्थान,जीआईसी लुमती को तीसरा स्थान,जीआईसी बलुवाकोट को चौथा स्थान और जीआईसी जौलजीबी को पांचवा स्थान मिला।

संचालन शंकर दत्त भट्ट, करन सिंह थापा, एआर दताल ने किया। यहां शकुंतला दताल, लीला बगन्याल, शकुंतला आगरी, हरीश सिंह धामी, कविन्द्र देवली, मास्टर हरीश, कैलास धामी, नवीन सिंह आदि मौजूद रहे।

जंगलों की आग पर हाईकोर्ट फिर गंभीर

पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत से वनों को आग से बचाने के लिए सुझाव मांगे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाइकोर्ट ने फायर सीजन में प्रदेश के जंगलों में लगने वाली आग पर स्वत: संज्ञान लिए जाने वाली जनहित याचिका सहित कई अन्य जनहित याचिक. ाओं पर एक साथ सुनवाई की। मामले की सुनवाई करने के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत से कहा है कि वे कोर्ट का मार्गदर्शन करने व वनों में लगने वाली आग से इन्हें बचाने के लिए अपने सुझाव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आने अगले शुक्रवार यानी 28 नवंबर को पेश करें। बता दें सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायमित्र दुष्यंत मैनाली की तरफ से कोर्ट को अवगत कराया गया कि कोर्ट वर्ष 2021 से राज्य सरकार को वनों को आग से बचाने के लिए दिशा निर्देश जारी करती आ रही रही है लेकिन अभी तक धरातल पर कुछ भी नहीं हुआ।

फायर सीजन में प्रदेश के जंगल आग उगलते हैं जो अभी तक पूर्व का आदेश का अनुपालन हुआ है वह नाम मात्र का है। कहा अगर आदेश आदेशों का अनुपालन हुआ होता तो वर्ष 2021 से अब तक फायर की घटना में कमी आती इसलिए गठित पर्यावरणविदों की रिपोर्ट मंगाई जाय, जिस पर कोर्ट ने पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश होने के साथ-साथ अपने सुझाव पेश देने के निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट ने कहा कि आग लगने की वजह से उच्च हिमालयी क्षेत्रों का तापमान बढ़ने लगा है। राज्य में बादल फटने की वजह से जन धन की हानि हो रही है। कोर्ट हर साल राज्य सरकार का मार्गदर्शन करती आई है लेकिन इसके बाद भी इस पर काबू पाने के लिए सरकार कोई ठोस उपाय ढूंढ नहीं पा रही है। अभी तक जो कदम राज्य सरकार के द्वारा उठाए गए वे भी कोर्ट के आदेश पर उठाये गए। सोमवार को भी कोर्ट सहित न्यायमित्र मैनाली ने इस पर काबू करने के लिए अपने अपने सुझाव दिए। कोर्ट ने अपने सुझाव में कहा कि उच्च हिमालयी क्षेत्रो में खाल बनाए जाएं जो जल स्रोत हैं उनका पानी खालों में जमा किया जाए। जहां पानी नहीं है उनमें भी खाले बनाई जाय। सभी खालों को एक दूसरे से जोड़ा जाए जिससे की फायर सीजन में उनका उपयोग फायर लाइन की तरह किया जा सके जबकि न्यायमित्र मैनाली की तरु से यह भी कहा गया कि 2021 से राज्य सरकार कोर्ट को यह आश्वासन देने के अलावा कुछ नही कर रही है। फारेस्ट फायर पर काबू करने के लिए उच्च न्यायलय ने 2017 में विस्तृत गाइड लाइन जारी की थी।

मदन जोशी की अग्रिम जमानत खारिज

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने रामनगर के भाजपा नेता मदन जोशी व अन्य के खिलाफ दंगा भड़काने की सुनियोजित साजिश करने के मामले में मदन जोशी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद एसएसपी नैनीताल को 8 दिसंबर सोमवार को कोर्ट में पेश होने को कहा है। सोमवार को हुई सुनवाई पर अन्य आरोपियों की तरफ से न्यायालय के समक्ष सरेंडर करने की बात कहते हुए याचिकाओं को वापस लिया गया। मामले की सुनवाई मुखय न्यायधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई।

सूखाताल झील के सौन्दर्यीकरण पर सुनवाई

नैनीताल। हाईकोर्ट ने नैनीताल की सूखाताल झील के सौन्दर्यीकरण के मामले में जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण (डीडीए) को एक सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं अन्यथा शहरी विकास विभाग के सचिव और अध्यक्ष जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को सुनवाई की अगली तिथि 1 दिसंबर सोमवार को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि स्वत: संज्ञान वाली इस जनहित याचिका पर मुखय न्यायाधीश जी. नरेंदर और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। न्यायमित्र अधिवक्ता डा. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने न्यायालय को बताया कि जुलाई 2024 में न्यायालय ने सौन्दर्यीकरण कार्य पर लगी रोक को हटा लिया था और डीडीए को तीन महीने के भीतर सभी सौंदर्यीकरण कार्य पूरा करने का निर्देश दिये थे। कहा कि विगत 7 नवंबर को पुन: सुनवाई करते हुए न्यायालय ने डीडीए को एक सप्ताह के भीतर सौन्दर्यीकरण के संबन्ध में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिये थे लेकिन रिपोर्ट आज तक दाखिल नहीं की गई है। श्री गुप्ता ने बताया कि सोमवार को अदालत ने प्रतिवादियों को प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है और अन्यथा सचिव, शहरी विकास विभाग और अध्यक्ष, जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को अगली तिथि यानी 1 दिसंबर सोमवार को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने को कहा है।

1984 में हुकूमत फिल्म की शूटिंग के लिए नैनीताल आए थे धर्मेन्द्र

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र भले ही आज हमारे बीच नहीं रहे लेकिन उनकी नैनीताल की यादें लोगों के मन में सदा वास करेगी। फिल्म जगत से ज्यादा रुचि रखने वाले लोगों की मानें तो वर्ष 1984 में नैनीताल समेत नजदीकी अन्य स्थलों में महीने भर फिल्म हुकूमत की शूटिंग हुई थी। बॉलीवुड के सुनहरे दौर में यह एक ऐसी फिल्म थी जिसने न केवल बाकस ऑफिस पर धमाल मचाया था बल्कि नैनीताल लोकेशन की खूबसूरती को भी अमर कर दिया था। वर्ष 1984 में हुकूमत की शूटिंग नैनीताल में ही हुई थी और यह फिल्म 1987 में रिलीज होने के साथ ही सुपरहिट हुई थी। निर्देशक अनिल शर्मा की यह एकशन ड्रामा धर्मेंद्र के कैरियर की बड़ी हिट्स फि ल्मों में एक थी और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई। इस फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ 11 करोड़ की कमाई की थी। फिल्म में धर्मेंद्र एसपी अर्जुन सिंह एक ईमानदार पुलिस अधिकारी की भूमिका में रहे थे जो अपराधियों के खिलाफ जंग लड़ता है। नैनीताल की झीलों और पहाड़ों के बीच यह संघर्ष दर्शकों को रोमांचित करता है। हुकू. मत की शूटिंग नैनीताल की जीवनदायिनी नैनी झील के किनारे समेत फ्लैट्स मैदान, माल रोड तथा कलेक्ट्रेट समेत भवाली तथा भीमताल और रानीखेत में हुई थी। फिल्म की यूनिट नैनीताल क्लब में ठहरी थी। फिल्म में धर्मेंद्र के अलावा प्रेम चोपड़ा, सदाशिव अमरापुरकर, जोगिंदर, सुधीर तथा शमी कपूर राज. ेंद्र कुमार और स्वप्ना समेत अन्य कलाकारों ने अभिनय किया था।

एक नजर

आग जलाकर मचा रहे उत्पात अराजक तत्व

नैनीताल। नगर के जू क्षेत्र में रोजाना जंगल किनारे अराजक तत्व आग जलाकर उत्पात मचा रहे हैं। लोगों ने पुलिस व वन विभाग से क्षेत्र में गश्त कर अराजक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार तल्लीताल जू क्षेत्र और रैमजे अस्पताल के समीपवर्ती क्षेत्रों में कुछ अराजक तत्व रोजाना रात को उत्पात मचा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ युवक पहाड़ी की टॉप में जमा होकर आग जलाकर रात तक बैठकर हल्ला कर रहे हैं। आरोप है कि युवक रैमजे अस्पताल व आईजीएच के पुराने भवनों से खिड़की दरवाजे तोड़ जलाने के लिए लकड़ी का इंतजाम कर रहे हैं जिससे जंगल में भी आग लगने का खतरा बना हुआ है, वहीं लोगों के टोकने पर युवक अभद्रता भी कर रहे हैं। मामले में वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी ललित मोहन कार्की व तल्लीताल थाने के थाना प्रभारी मनोज नयाल ने बताया कि क्षेत्र में गश्त कर अराजक तत्वों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

काठगोदाम पुलिस ने दबोचा वारंटी

हल्द्वानी। लम्बे समय से फरार चल रहे वारंटी को काठगोदाम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मल्ला काठगोदाम चौकी प्रभारी दिलीप कुमार ने मय टीम के साथ दबिश दी। दबिश के दौरान फरार वारंटी प्रदीप कुमार पुत्र भुवन चंद्र आर्य निवासी नईबस्ती काठगोदाम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने फरार वारंटी के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

पागल जिमखाना 14 दिसंबर को

नैनीताल। नगर की सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था लेक सिटी वेलफेयर क्लब की सोमवार को बैठक क्लब के अध्यक्ष आभा शाह की अध्यक्षता में होटल पवेलियन में बैठक आयोजित हुई। बैठक में तय किया गया कि आदित्य बिरला ग्रुप लालकुआं के सहयोग से आगामी 14 दिसंबर रविवार को पागल जिमखाना का इस बार फ्लैट्स में भव्य आयोजन किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम की संयोजक डा. प्रगति जैन ने बताया इस बार कार्यक्रम में चममच रेस/ पति-पत्नी रेस/ बोरा रेस/ मटका रेस/ सुई धागा रेस /मयूजिकल चेयर रेस/ ईट रेस तथा महिलाओं की बुजुर्ग रेस/बंद रेस/रस्सी खींच/धुन पहचानों समेत महिलाओं की बुनाई प्रतियोगिता आदि कई मनोरंजक प्रतियोगिता होगी। बताया कि विजेताओं को विशेष पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाएगा जबकि सर्वश्रेष्ठ पागल को 2100 रुपए का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। बैठक में रानी शाह, हेमा भट्ट, जीवंती भट्ट, विनीता पांडे, रमा भट्ट, प्रेमा अधिकारी, दीपिका बिनवाल, कंचन जोशी, पुष्पा कांडपाल, रेखा पंत, रेखा जोशी, मधुमिता, सीमा सेठ, दिव्या शाह, ज्योति ढौंढियाल, ज्योति वर्मा, नीरू शाह तथा सोनू शाह आदि ने विचार रखे।

जरूरतमंदों को कपड़े देने के लिए अभियान

नैनीताल। जय जननी-जय भारत संस्था की ओर से बढ़ती ठंड के मद्देनजर समाज के निर्धन परिवारों के लिए कपड़ा बैंक नाम से अभियान प्रत्येक वर्ष चलाया जाता है और जो कपड़े इकठ्ठे होते हैं उन कपड़ों को देवभूमि उत्तराखण्ड के पहाड़ी गाँव की तरफ भेजा जाता है ताकि जरूरतमंदों की मदद हो सके। मामले में जय जननी-जय भारत के संस्थापक व नगर पालिका परिषद के अयारपाटा वार्ड के सभासद मनोज साह जगाती के मुताबिक हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्था से जुड़े लोगों की टीम कपड़े इकठ्ठा कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास भी कुछ गर्म या अन्य कपड़े हों (जो फटे और गंदे ना हो) तो वह ठंड के इस मौसम में किसी जरूरतमंद के काम आ जाएंगें। उन्होंने कहा कि जो भी इस पुनीत कार्य में सहयोग देना चाहते हैं वह उनके मोबाइल नंबर 8477817678 तथा परवेज आलम के मोबाइल नंबर 7466912005 में संपर्क कर सकते हैं।

शातिर वाहन चोर को किया मय वाहन गिरफ्तार

नैनीताल। जिले की मुक्तेश्वर पुलिस की ओर से शातिर वाहन चोर को मय वाहन के गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गयी है। जानकारी के मुता. बिक 22 नवंबर को वादी भगवत पान्डेय पुत्र खीमानन्द पान्डेय निवासी सरना थाना मुक्तेश्वर जिला नैनीताल ने थाना मुक्तेश्वर में आकर तहरीर दी कि अज्ञात द्वारा वादी की यूके-04एकस 1275 मारुति 800 को बबियाड रोड से चोरी हो गयी है। वादी की तहरीर के आधार पर उसी दिन थाना मुक्तेश्वर पर मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन शुरु कर दी। एसएसपी नैनीताल द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में डा. जगदीश चंद्र एसपी क्राइम/ट्रैफिक नैनीताल एवं अमित कुमार क्षेत्राधिकारी नैनीताल के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष मुक्तेश्वर जगदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी-पतारसी करते हुए मुक्तेश्वर क्षेत्र में चैकिंग के दौरान अभियुक्त को चोरी किए गए वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त ललित मोहन पुत्र जगदीश चन्द्र को मय वाहन के गिरफ्तार कर लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर लापता

काशीपुर। दुकान से सामान लेने गया एक 15 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। ग्राम सरवरखेड़ा निवासी इकबाल ने कुंडा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका 15 वर्षीय पुत्र नावेद बीती 21 नवंबर की सुबह करीब 6 बजे घर से दुकान में सामान खरीदने गया था जो वापस नहीं आया। काफी खोजबीन के बाद उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

रेडियोलॉजिस्ट छुट्टी पर, नहीं हो पाई अल्ट्रासाउंड जांच

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के चलते मरीजों के अल्ट्रा साउंड नहीं हो पाए जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बता दें कि जिला अस्पताल में अव्यवस्थाएं सही होने का नाम नहीं ले रही हैं। जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के चलते मरीजों को परेशान होना पड़ा। दूर दराज क्षेत्र से मरीज अल्ट्रासाउंड कराने अस्पताल तो पहुँच गए लेकिन वहां रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के चलते उनको वापस लौटना पड़ा। तो कई मरीजों को हल्द्वानी जाना पड़ा। लोगों का कहना है कि नैनीताल में एक मात्र अल्ट्रासाउंड केंद्र बीडी पांडे जिला अस्पताल में है। यहां अल्ट्रासाउंड सुविधा नहीं मिलने पर अल्ट्रासाउंड जांच के लिए 40 किलोमीटर दूर हल्द्वानी जाना पड़ता है। रेडियोलॉजिस्ट की छुट्टी के दौरान अस्पताल प्रबधन को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए ताकि दूर दराज से आये मरीजों को परेशानी नहीं झेलनी पड़े। मामले में जिला अस्पताल की प्रभारी पीएमएस डा. द्रौपदी गर्बियाल ने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट को आकस्मिक अवकाश के चलते रेडियोलॉजिस्ट की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाई।

हाईकोर्ट में दोपहिया पार्किंग न होने पर अधिवक्ता का धरना

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। हाईकोर्ट परिसर में दोपहिया वाहन पार्किंग न होने से अधिवक्ताओं और अधिवक्ता कलर्कों की परेशानी से परेशान होकर अधिवक्ता रवीन्द्र सिंह बिष्ट सोमवार को हाईकोर्ट बार सभागार के गेट में धरने में बैठ गए। बताया गया है कि अधिवक्ता रवीन्द्र सिंह बिष्ट ने हाईकोर्ट बार कार्यकारिणी को पत्र लिखकर स्पष्ट किया था कि अधिवक्ताओं, अधिवक्ता कलर्कों और वादकारियों की सुविधा हेतु पार्किंग की समस्या का तत्काल समाधान आवश्यक है। उन्होंने आशा जताई थी कि बार कार्यकारिणी अध्यक्ष और महासचिव के नेतृत्व में प्रशासन से प्रभावी बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा लेकिन अपेक्षित कार्रवाई न होने पर सोमवार सुबह अधिवक्ता बिष्ट ने प्रशासनिक उदासीनता का विरोध करते हुए शांतिपूर्वक धरना शुरू कर दिया। उनके धरना प्रदर्शन के समर्थन में बड़ी संखया में अधिवक्ता तथा अधिवक्ता क्लर्क व अन्य लोग इकठ्ठा हो गए जिसके बाद मौके पर पुलिस कर्मी भी पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने दुपहिया वाहनों की पार्किंग का जल्दी समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद अधिवक्ता रविन्द्र बिष्ट ने धरना स्थगित कर दिया।

क्यार्क गांव में छानियों में घुसा भालू, मवेशियों पर हमला

भटवाडी/उत्तरकाशी: जिले में भालू का तांडव जारी है मनुष्य से लेकर मवेशियों पर लगातार हमले हो रहे हैं।रविवार रात्रि को भटवाडीः के क्यार्क गांव की छानी तोड़कर भालू ने एक गाय को मार दिया जबकि दो बैलों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना से क्षेत्र में दहशत में फैली है।

रविवार रात्रि में भटवाड़ी के क्यार्क गांव में भालू ने तीन छानियों को तोडकर अन्दर बंदे पशुओं पर हमला कर किया है। गांव के राजेन्द्र सिंह राणा की गाय को मौत के घाट उतार दिया जबकि एक बैल विजय सिंह राणा और शिवेन्द्र सिंह राणा के बैलों को गंभीर रूप से घायल कर दिया है। ग्रामीण अपने बैल की दशा देख फूट-फूट कर रोने लगी है। घटना की सूचना पूर्व ग्राम प्रधान विपिन राणा ने वन विभाग को दी। सूचना पर वन विभाग मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ बैठकर इस सम्बन्ध में चर्चा कर ग्रामीणों से अपिल की अकेले जंगलों में ना जाएं । मौके पर मौजूद वन क्षेत्राधिकारी रुपमोहन नौटियाल,वन दरोगा नरेंद्र सिंह व वन बीट अधिकारी अंतर सिंह गुसाई ने बताया कि हमारी टीम लगातार गस्त कर रहीं है लेकिन आप लोग भी इस समय सावधानी बरतें। क्योंकि की भालू कहीं पर भी मिल सकता है और अगर किसी क्षेत्र में दिखे तो तुरन्त हमें उसकी सुचना दें।

सेंट मैरीज कॉन्वेंट कॉलेज में हुआ सीजे-आईबीवीएम विलय समारोह

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सेंट मैरीज कॉन्वेंट कॉलेज नैनीताल में कॉनग्रेगेशन ऑफ जीसस (सीजे) और इंस्टीट्यूट ऑफ द ब्लेस्ड वर्जिन मैरी (आईबीवीएम/लोरेटो सिस्टर्स) के ऐतिहासिक विलय के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया।

यह विलय उनकी संस्थापिका वेनरे. बल मेरी वार्ड के लंबे समय से संजोए गए सपने की पूर्णता है। कार्यक्रम की शुरुआत एक धार्मिक एवं गरिमामय पवित्र मिस्सा से हुई जिसकी अगुवाई आरटी रेव बिशप इग्नाशियस डीश्सूजा ने की तथा कई रेव फादर्स ने सह समारोहकर्ता के रूप में भाग लिया। इस प्रार्थना सभा ने

उपस्थितजनों को एकता तथा विश्वास और कृतज्ञता का संदेश दिया। समारोह में लगभग 130 प्रतिभागियों के लिए स्वादिष्ट दोपहर भोजन की व्यवस्था थी। प्रत्येक प्रतिभागी को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। इस अवसर पर सीजे दिल्ली प्रांत की प्रांतीय प्रमुख सिस्टर दीपा, एसएमसी की प्रिंसिपल सिस्टर मंजुषा तथा मैनेजर सिस्टर शीबा ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त किया। उनके अनुसार इस एकता के ऐतिहा. सिक क्षण का साक्षी बनना सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सौभाग्यपूर्ण रहा।

पीएनबी दे रहा ग्राहकों को सबसे कम ब्याज दर पर लोन

रुद्रप्रयाग। ग्राहकों को सबसे कम ब्याज दर पर पीएनबी बैंक लोन दे रहा है। जनपद में एमएसएमई योजना के तहत सब्सिडी की सुविधा के साथ लोन लेकर आर्थिक स्थिति को सुधारा जा सकता है।

जानकारी के अभाव में ग्राहक योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। उन्हें बैंक में आकर योजनाओं की जानकारी लेकर अपना स्वरोजगार करना चाहिए। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

ट्रंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर में कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर आयुक्त परितोष वर्मा की अध्यक्षता में एनटीपीसी अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसके बाद सोमवार को दोनों ही विभागों की टीम ने ट्रंचिंग ग्राउंड का संयुक्तरूप से निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध संसाधनों की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एनटीपीसी अधिकारियों ने नगर निगम के समक्ष अपनी तकनीकी व संचालन संबंधी आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने कहा कि कूड़ा निस्तारण प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए नगर निगम को निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्य जल्द पूरे

करने होंगे। वर्तमान में नगर निगम और एनटीपीसी के बीच अनुबंध की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने कहा कि नगर निगम शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है। एनटीपीसी के सहयोग से कूड़ा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे है। इस मौके पर एनटीपीसी के अधिकारी राजीव भाटिया, हिमांशु फुलोरिया, निगम के सहायक अभियंता नवीन नौटियाल, लेखाधिकारी गणेश भट्ट सहित निगम कर्मी मौजूद रहे।

बस खाई में गिरने से पांच की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद के प्रसिद्ध सिद्धपीठ कुंजापुरी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ रविवार को एक हृदयविदारक घटना घटित हुई, जिसने आस्था के सफर को मातम में बदल दिया। कुंजापुरी से ऋषिकेश की ओर लौट रही यात्रियों से भरी एक बस बडेडा गांव के समीप अनियंत्रित होकर लगभग 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण सड़क हादसे में बस में सवार पांच श्रद्धालुओं की घटनास्थल पर ही दुखद मृत्यु हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मदद के लिए दौड़े। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। गंभीर रूप से घायल पांच यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है, जबकि आठ अन्य घायलों का उपचार नरेंद्रनगर के संयुक्त चिकित्सालय में चल रहा है, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

दुर्घटना के कारणों को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। बस चालक शंभू सिंह, जो स्वयं भी इस हादसे में घायल हुए हैं, ने बताया कि पार्किंग से बस स्टार्ट करते ही वाहन अनियंत्रित होकर आगे बढ़ने लगा। उन्होंने ब्रेक लगाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन ब्रेक फेल होने के कारण बस नहीं रुकी। उन्होंने बस को पहाड़ी से टकराकर और नाली में डालकर रोकने की कोशिश की, लेकिन बस उछाल मारते हुए सीधे गहरी खाई में समा गई। वहीं, दूसरी ओर दुर्घटना में घायल एक यात्री शिव कुमार शाह ने बताया कि बस में अभी सभी लोग ठीक से चढ़ भी नहीं पाए थे कि चालक ने बस स्टार्ट कर दी। यात्रियों ने बस रोकने के लिए शोर भी मचाया, लेकिन कुछ ही पलों में बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। यह बस मुनिकीरेती स्थित दयानंद आश्रम में चल रही वेदांत कार्यशाला में भाग लेने आए श्रद्धालुओं को लेकर गई थी, जो देश के विभिन्न राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और पंजाब से यहां पहुंचे थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने जानक. ारी दी कि राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाया गया। पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने ग्रामीणों की मदद से खाई से घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। हादसे में जान गंवाने वालों में अनीता चौहान निवासी दिल्ली, पार्थसारथी मधुसूदन जोशी निवासी बड़ोदरा गुजरात, नमिता प्रभु, अनुज वेंकटरमन और आशु त्यागी निवासी सहारनपुर उत्तर प्रदेश शामिल हैं। डीएम नितिका खंडेलवाल और एसएसपी आयुष अग्रवाल ने नरेंद्रनगर अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना और चिकित्सकों को उचित उपचार के निर्देश दिए।

एसआईआर के लिए जमीयत मुस्तैद

हल्द्वानी में शहर के इमामों तथा पार्षदों की बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जमीअत उलमा कार्यालय हल्द्वानी में शहर के इमामों, सामा. जिक जिम्मेदारों और पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता मौलाना मुहम्मद मुकीम कासमी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को एसआईआर (स्मार्ट आईडी रजिस्ट्रेशन) के लिए तैयार करना और जागरूकता बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश तय करना था। मौलाना मुहम्मद मुकीम कासमी ने अपने संबोधन में इस कार्य की अहमियत और आवश्यकता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। बैठक में शहर के विभिन्न मोहल्लों से आए गणमान्य नागरिक, सामाजिक

कार्यकर्ता और पार्षदों ने हिस्सा लिया। बैठक में किए गए मुख्य निर्णयों में यह तय किया गया कि इमाम मस्जिदों में आम नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज तैयार करने के लिए जागरूक करेंगे और नमाज़ के बाद संक्षिप्त घोषणाओं के माध्यम से उन्हें इसके प्रति सजग करेंगे। सामाजिक जिम्मेदार नागरिक विभिन्न केंद्रों और स्थानों पर लोगों की मदद करेंगे और दस्तावेज तैयार करने में सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त यह भी तय किया गया कि मोहल्ला स्तर पर छोटी-छोटी बैठकें आयोजित की जाएं, विशेषकर युवाओं को इस सेवा में शामिल किया जाए। इमाम जागरूकता फैलाएंगे, जबकि सामा. जिक कार्यकर्ता और पार्षद व्यावहा. रिक मदद करेंगे।

भरदार पट्टी के दरमोला गांव में मची पांडव नृत्य की धूम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। भरदार क्षेत्र के दरमोला गांव में चल रहे पांडव नृत्य की इन दिनों धूम मची हुई है। सोमवार को नौगरी के कौथिग (गांव घूमने की परम्परा) के दौरान ग्रामीणों ने पांडव पश्वों के लिए विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए। इसके उपरांत पांडवों ने अस्त्र-शस्त्रों के साथ नृत्य शुरू किया।

वहीं, भगवान नागराजा के चांदी के जीनस की प्राण प्रतिष्ठा कर उसे चढ़ाया गया। पांडव नृत्य देखने के लिए बड़ी संख्या में दूर-दराज क्षेत्रों से दर्शक पहुंचे थे। 26 को नारायण के फल वितरण के साथ पांडव नृत्य का विधिवत समापन होगा। गत् एक नवम्बर से दरमोला पांडव

■ नौगरी कौथिग के दौरान पांडव पश्वों को खिलाए गए पकवान

चौक में चल रहे पांडव नृत्य के दौरान सोमवार को नौगरी कौथिग का आयोजन किया गया।

ग्रामीणों ने अपने घरों में पांडव पश्वों के लिए विभिन्न तरह के पकवान बनाए। जिसके बाद सभी ग्रामीण तैयार किए पकवानों को पांडव चौक में ले गए। सर्वप्रथम पांडवों के लिए बनाए गए पकवान का भोग भगवान बद्री विशाल व शंकरनाथ देवता को लगाया, उसके बाद ही पांडव पश्वों ने इसे ग्रहण किया।

सैकड़ों ने शिविर का लाभ उठाया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। रजा क्लब में सोमवार को जमीयत उलेमा ए हिंद के सैयद महमूद असअदमदनी की ओर से प्रभु नेत्रालय रुद्रपुर के सहयोग से निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संखया में लोगों ने आंखों का परीक्षण करवाया और शिविर का लाभ लिया। आयोजकों ने बताया कि शिविर में मरीजों की निशुल्क नेत्र जांच तथा निशुल्क चश्मा वितरण, चंदन लैब की ओर से निशुल्क खून की जांचें की गई। शि. विर में सैकड़ों लोगों ने नेत्र परीक्षण करवाया। इस दौरान लोगों को निशुल्क चश्मे और दवाएं भी वित. रित की गई। 400 लोगों को 3500 रुपए तक की लिमिट का हैल्थ कार्ड भी वितरित किया गया जिससे वह एक साल तक निशुल्क रूप से

खून की जांच करा सकते हैं। साथ ही 30 मामले ऐसे हैं जिनके रेटीना और मोतियाबिंद आदि की समस्या है जिनका रुद्रपुर में निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा और उन्हें लाने ले जाने की भी निशुल्क व्यवस्था की जाएगी। दिनभर चले शिविर को कामयाब बनाने में जमीयत उलेमा ए हिंद के जिलाध्यक्ष मौलाना अब्दुल वासिद, मौलाना सलमान, मुफ्ती रिजवान, अब्दुल मुईद, मौलाना मो. वसीम, मो. उस्मान, मो. मकसूद, मुफ्ती अब्दुल खलीक, हाजी शाकिर, सदर शोएब, अस्पताल के डा.रवि, डा. उत्कर्ष, डा. अंकित गुप्ता, डा. पारुल पाठक, पूजा तथा हरपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खेल समाचार

लोमा स्वेन ने कराटे में भारत को पहला मेडल दिलाया

टोक्यो, वार्ता। भारतीय कराटेका लोमा स्वेन ने यहां खेले जा रहे 25वें डेफलंपिक्स में महिलाओं की कुमाइट स्पर्धा में सोमवार को 50किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। ओडिशा की रहने वाली 25 साल की लोमा, जगतसिंहपुर जिले के भूतमुंडई गांव की रहने वाली हैं और अब तक तीन इंटरनेशनल और पांच नेशनल मेडल जीत चुकी हैं। वह भुवनेश्वर के उत्कल कराटे स्कूल में ट्रेनिंग लेती हैं। डेफलंपिक्स में कराटे में यह भारत का पहला मेडल है। डेफलंपिक्स यहां 15-25 नवम्बर, 2025 तक खेले जा रहे हैं, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व 111 खिलाड़ियों का मजबूत ग्रुप कर रहा है। भारत अभी पांच गोल्ड, पांच सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल के साथ पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है। यूक्रेन 15 गोल्ड, 14 सिल्वर और आठ ब्रॉन्ज मेडल के साथ टेबल में सबसे ऊपर है।

लियालन मेसी ने मियामी को कॉन्फ्रेंस फाइनल में पहुंचाया

वॉशिंगटन, वार्ता। लियोनेल मेसी ने एक गोल किया और तीन असिस्ट दिए, जिससे इंटर मियामी एफसी सिनसिनाटी को 4-0 से हराकर एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में पहुंच गया। मियामी का मुकाबला अगले वीकेंड न्यूयॉर्क सिटी से होगा, जिसमें जीतने वाली टीम एमएलएस कप के डिसाइडर में जगह बनाएगी। मेसी के अब इस सीजन में इंटर मियामी के लिए 46 गेम में सभी कॉम्पिटिशन में 43 गोल और 23 असिस्ट हो गए हैं। इंटर मियामी के मैनेजर जेवियर माशेरानो ने मैच के बाद एक न्यूज कॉन्फ्रेंस में कहा कि सिर्फ लियो को ही नहीं, बल्कि इन खिलाड़ियों के ग्रुप को मैनेज करना भी सम्मान और खुशी की बात है। हम जानते हैं कि लियो क्या कर सकता है। वह हर वीकेंड यह साबित करता है। आज, उसने बॉल के बिना एक और जबरदस्त काम किया, क्योंकि हम पहले से ही जानते हैं कि वह बॉल के साथ क्या कर सकता है। माशेरानो ने

द. अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट पर शिकंजा कसा

गुवाहाटी, वार्ता। मार्को यानसन (छह विकेट) और साइमन हार्मर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को भोजनकाल के बाद भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस लिया। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। मेहमान टीम ने खराब रौशनी के कारण समय से पहले खेल रोके जाने तक बिना कोई विकेट खोए 26 रन बना लिए हैं और अपनी बढ़त 314 रन पहुंचा दी है। स्टंप्स के समय रायन रिकलटन 13 और एडन मारक्रम 12 रन बनाकर क्रीज पर थे। इससे पहले भोजनकाल के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बीच आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। भारत का आठवां विकेट 194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। कुलदीप यादव ने 134 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 19 रन बनाए। इसके बाद यानसन ने 84वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जसप्रीत बुमराह (पांच) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउटकर कर 201 के स्कोर पर भारत की पहली पारी का अंत कर दिया। भारतीय टीम की शुरूआत तो अच्छी रही थी, जब राहुल और जायसवाल ने अर्द्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन इसके बाद उनका कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। मार्को यानसन की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजो को कोई भी मौका नहीं दिया। कुलदीप और वॉशिगटन के बीच अर्द्धशतकीय साझेदारी जरूर हुई, लेकिन वह नाकाफी रही।

इससे पहले झटकों से उबरते हुए वॉशिगटन सुंदर (नाबाद 33) और कुलदीप यादव (नाबाद 14) ने दक्षिण अफ्रीकी गें. दबाजों का डटकर सामना करते हुए भोजनकाल तक भारत का स्कोर सात विकेट पर 174 रन पहुंचा दिया था। चायकाल के बाद मार्को यानसन ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर जवाब हमले का प्रयास कर रहे कप्तान ऋषभ पंत (सात) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यानसन ने नीतीश कुमार रेड्डी (10) और रवींद्र जडेजा (छह) को आउट कर भारत को संकट में डाल दिया। ऐसे संकट के समय वॉशिगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने मोर्चा संभाला और जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन बटोरे। इससे पहले दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का पहला सत्र यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की अच्छी शुरुआत के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के नाम रहा। साइमन हार्मर (दो विकेट) की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने चायकाल तक भारत के 102 के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली। भारत ने आज यहां कल के बिना कोई विकेट खोए नौ रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। इसी दौरान यशस्वी ने 85 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से अपना अर्द्धशतक पूरा किया। 22वें ओवर में केशव महाराज ने केएल राहुल को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। केएल राहुल ने 63 गेंदों में दो चौकों की मदद से 22 रन बनाए। इसके बाद 33 वें

● **मार्को यानसन के छह विकेटों ने भारत को 201 रन पर समेटा**

ओवर में साइमन हार्मर ने यशस्वी जायसवाल को मार्को यानसन के हाथों कैच आउटकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने 97 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 58 रनों की अर्द्धशतकीय पारी खेली। 35वें ओवर में हार्मर ने साई सुदर्शन (15) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में यानसन ने ध्रुव जुरेल (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आए ऋषभ पंत ने जवाबी हमला किया, हार्मर के आते ही उन्हें सीधा छक्का जड़ दिया, लेकिन चाय के समय भारत पर बहुत दबाव था, पंत 6 रन पर थे और रवींद्र जडेजा अभी खाता नहीं खोल पाए थे, तब भी वे 387 रन पीछे थे। इससे पहले, साउथ अफ्रीका का पहली पारी का 489 रन का स्कोर बड़ा बना हुआ था और तीसरे दिन ही तेज टर्न दिखने लगा है। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को यानसन ने 19.5 ओवरों में 48 रन देकर छह विकेट लिए। साइमन हार्मर ने 27 ओवर में 64 रन देकर तीन विकेट झटके। केशव महाराज ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पीएम मोदी ने ब्लाइंड महिला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी

● **पीएम मोदी ने भारतीय ब्लाइंड महिला टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी कामयाबी आने वाली पीढ़ीयों को प्रेरणा देगी**

नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहला ब्लाइंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी कामयाबी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच पर भारतीय टीम की कामयाबी की सराहना करते हुए पोस्ट में लिखा कि कड़ी मेहनत, टीम प्रयास और पक्के इरादे का एक शानदार उदाहरणष बताते हुए कहा कि हर खिलाड़ी एक चैंपियन है!ष और भरोसा जताया कि टीम की यह कामयाबी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगी। प्रधानमंत्री ने लिखा कि यह वाकई एक ऐतिहासिक खेल कामयाबी है। टीम को उनके आगे के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी टीम की इस ऐतिहासिक जीत की तारीफ की और इसे देश के लिए गर्व का पल बताया।

उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन। नेत्रहीनों के लिए महिला टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई।

उन्होंने कहा कि यह जीत खिलाड़ियों के ष्देश के लिए सम्मान जीतने के इरादे और लगन को दिखाती है। आपकी कामयाबी पर आज हमारा तिरंगा गर्व से और ऊंचा लहरा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने भी टीम को बधाई दी और कहा कि पहला नेत्रहीन महिला टी-20 वर्ल्ड कप 'काबि. लियत' की सीमाओं को फिर से तय करता है।

दो दिन में खत्म हुआ टेस्ट दे सकता है क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को भारी नुकसान

पर्थ, वार्ता। कुछ ही हफ्ते पहले अच्छी कमाई की उम्मीद कर रहा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अब दो दिन में खत्म हुए एशेज के पहले टेस्ट की वजह से मुश्किल में है और बड़े घाटे का अनुमान लगाया जा रहा है। ट्रैविस हेड की यादगार एशेज पारी और इंग्लैंड की बेतरतीब बेखौफ बल्लेबाजी का परिणाम यह रहा कि ऐतिहा. सिक एशेज सीरीज का पहला टेस्ट दो ही दिन में खत्म हो गया। अब हाल यह है कि तीसरे और चौथे दिन की टिकट बिक्री से सीए को जो 17 करोड़ रूपए (लगभग) का राजस्व प्राप्त होना था, वह उन्हें नहीं मिलेगा। पर्थ में दो दिन के खेल के दौरान दर्शकों की भीड़ जबरदस्त रही। कुल मिलाकर 1,01,514 लोग स्टेडियम पहुंचे। शुक्रवार को 51,531 दर्शक आए थे और अगले दिन 49,983 लोगों ने मैच

● **तीसरे और चौथे दिन की टिकट बिक्री से सीए को जो 17 करोड़ का राजस्व प्राप्त होना था वह उन्हें नहीं मिलेगा**

देखा। यह आंकड़ा पिछले साल के 96,463 दर्शकों वाले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ गया। उस बार भारत ने पर्थ में चार दिन में जीत हासिल की थी। तीसरे दिन के टिकट भी लगभग पूरी तरह बिक चुके थे। अपनी पारी के बाद ट्रैविस हेड ने कहा कि उन्हें उन दर्शकों के लिए बुरा लग रहा है जो तीसरे दिन आने वाले थे। उनका मानना था कि रविवार को भी स्टेडियम एक बार फिर भर जाता। शनिवार सुबह खेल शुरू होने से पहले, जब ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी भी खत्म नहीं हुई थी, सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीन ने मज़ाक में कहा कि उन्हें चिता है कि मैच तीसरे दिन तक टिकेगा या नहीं। उन्होंने एसईएन से बात करते हुए माना कि जल्दी खत्म हुआ मुकाबला कई लोगों के लिए मुश्किल पैदा करता है। ब्रॉडकास्टर्स से लेकर बोर्ड तक। टिकट बिक्री, पार्टनर्स और स्पॉन्सर्स सभी पर इसका सीधा असर पड़ता है। इस सीरीज का आर्थिक असर काफी बड़ा है। पिछले महीने वार्षिक आम बैठक में सीए ने लगभग 65 करोड़ रूपए के नुकसान की घोषणा की थी। इस पर क्रिकेट विक्टोरिया के चेयरमैन रॉस हेपबर्न ने वित्तीय प्रदर्शन को लेकर कड़ी आलोचना की थी। यह घाटा उस गर्मियों का हिस्सा था जिसमें भारत जैसी दिग्गज टीम की पांच टेस्ट वाली यात्रा भी शामिल थी। सीए के चेयरमैन ने अक्टूबर की बैठक के बाद कहा कि सामान्य समय में सफ़ेद गेंद की सीरीज भी इसी टेस्ट दौरे का हिस्सा होती।

विकेट में उछाल और गति का इस्तेमाल किया: यानसन

गुवाहाटी, वार्ता। भारत को पहली पारी में छह विकेट लेकर झकझोरने वाले दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने आज कहा कि उन्होंने विकेट की उछाल और गति का इस्तेमाल किया। यानसन (छह विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त हासिल करते हुए मैच पर अपना शिकंजा कस दिया। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में खेलते हुए बिना कोई विकेट खोए 26 रन बना लिए हैं और अपनी बढ़त 314 रन पहुंचा दी है। यानसन ने तीसरे दिन के खेल के बाद कहा कि 'विकेट में साफ तौर पर अच्छी गति और बाउंस है। ज़्यादा निप या स्विंग नहीं, आखिर में थोड़ी सी। जब हमने देखा कि विकेट में थोड़ा बाउंस और बेहतर पेस है, तो हमने

● **विकेट में साफ तौर पर अच्छी गति और बाउंस है ज्यादा निप या स्वीग नहीं है**

उसका इस्तेमाल करने की को. शिश की। उन्होंने कहा कि साफ तौर पर यह लड़कों के लिए और खासकर मेरे लिए एक अच्छा दिन था। लेकिन हां, मुझे लगता है कि जब बॉल ज़्यादा मूव नहीं कर रही थी और कुछ स्टेज पर डेड पीरियड था, तब स्पिनरों ने बहुत अच्छा काम किया। मुझे सच में लगता है कि स्पिनरों ने शानदार काम किया और मैं लकी हूं कि मुझे इसका फ़ायदा मिला। तेज गें. दबाज ने कहा कि किसने कहा कि हमने कड़ी मेहनत नहीं की? जैसा कि मैंने कहा, विकेट में थोड़ी पेस और बाउंस थी, जो अच्छी थी। हमने सोचा था कि हम शायद कम से कम दो दिन फील्डिग करेंगे, या हम फील्डिग की तैयारी कर रहे थे।

गोवा में शुरू होगी लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग

नई दिल्ली, वार्ता। एसजी ग्रुप द्वारा प्रमोट किया गया लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग, सिर्फ़ एक और लेजेंड्स टूर्नामेंट नहीं है, यह एक शानदार ग्लोबल क्रिकेटिंग एक्सपीरियंस है जिसे यह बताने के लिए बनाया गया है कि दुनिया अपने लेजेंड खिलाड़ियों को कैसे सेलिब्रेट करती है।

शिखर धवन, हरभजन सिंह, शेन वॉटसन और डेल स्टेन जैसे मशहूर नामों के साथ, लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग दुनिया के कुछ सबसे कामयाब नामों को एक साथ लाती है और फैंस को नए साल की जबरदस्त शुरुआत देती है। पुरानी यादों को दिखाने से कहीं ज़्यादा, लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग क्रिकेट की बेहतरीन चीज़ों का सेलिब्रेशन है, जो उन लेजेंड खिलाड़ियों को एक साथ लाती है जिन्होंने कई पीढ़ियों को इंस्पायर किया है, अब एक ऐसे फॉर्मेट में मुकाबला कर रहे हैं जो उनके स्किल, करिश्मा

● **पहला एडिशन 26 जनवरी से 4 फरवरी तक गोवा में होगा जिसमे छह फ्रेंचाइजी बेस्ट टीमें और 90 खिलाड़ी शामिल होंगे**

और कॉम्पिटिटिव स्पिरिट को हाईलाइट करता है। कई फ्रेंचाइजी, टॉप-टियर ग्लोबल टैलेंट और ज़्यादा से ज़्यादा बैलेंस और सस्पेंस के लिए बनाए गए टूर्नामेंट स्ट्रक्चर के साथ, यह लीग सालाना क्रिकेट कैलेंडर पर सबसे प्रीमियम और दुनिया भर में जिसका इंतज़ार किया जाने वाला इवेंट बनने की स्थिति में है।

पहला एडिशन 26 जनवरी से 4 फरवरी 2026 तक गोवा में होगा, जिसमें छह फ्रेंचाइजी-बेस्ड टीमें और 90 लेजेंडरी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो वर्ल्ड क्रिकेट में एक बड़ा नया चैप्टर शुरू करेगा। खास बात यह है कि पूरा टूर्नामेंट एक ही जगह पर होस्ट किया जाएगा, वर्ना में नए बने 1919 स्पोर्ट्ज क्रिकेट स्टेडियम में, जिससे फैंस किसी भी दूसरी लेजेंडरी लीग के उलट लगातार, फेस्टिवल जैसे क्रिकेटिंग कार्निवल का हिस्सा बन सकेंगे। लीडरशिप और प्लेयर-सेंट्रिक फोकस देते हुए, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को लीग कमिश्नर अपॉइंट किया गया है। अपनी नई भूमिका के बारे में बात करते हुए, क्लार्क ने कहा कि वह एक ऐसी लीग का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं जो इतने सारे टॉप खिलाड़ियों को एक साथ लाती है। क्लार्क ने कहा कि भारत, क्रिकेट के सबसे बड़े देशों में से एक है, और मेरे लिए इसकी एक खास जगह है। फैंस का जुनून, गर्व और इस लीग का हिस्सा बनने का मौका, और कुछ पुराने दोस्तों के साथ-साथ कड़े दुश्मनों से फिर से मिलने का मौका, इसे सच में खास बनाता है। मैं इस नए रोल में लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम चिली के सैंटियागो के लिए रवाना

बेंगलुरु, वार्ता। ज्योति सिंह की अगुवाई में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम एक से 13 दिसम्बर तक चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्वकप 2025 में भाग लेने के लिए यहां से रवाना हो गई। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रविवार रात 20 सदस्ईय भारतीय टीम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुई। टीम में दो वैकल्पिक खिलाड़ी भी शामिल हैं। टूर्नामेंट में भारतीय टीम को जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया के साथ पूल सी में रखा गया है। भारतीय टीम एक दिसम्बर को नामीबिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी, उसके बाद तीन दिसम्बर को जर्मनी और पांच दिसम्बर को आयरलैंड के खिलाफ मैच खेलेगी।

प्रांजलि धूमल ने डेफलंपिक्स में जीता गोल्ड

● **प्रांजलि ने फाइनल में 34 का स्कोर किया, जो यूक्रेन की हेलिना से दो ज्यादा था**

टोक्यो, वार्ता। भारत की प्रांजलि प्रशांत धूमल ने टोक्यो में 25वें समर डेफलंपिक्स में 25मी पिस्टल विमेंस गोल्ड जीता, यह उनका दूसरा गोल्ड और तीसरा मेडल था। प्रांजलि ने फाइनल में 34 का स्कोर किया, जो यूक्रेन की हेलिना मोसिना से दो ज़्यादा था, जिन्होंने सिल्वर मेडल जीता। जिवोन जियोन ने 30 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता, जिन्होंने शूटआउट में भारत की अनुया प्रसाद को हराया, जो आखिर में चौथे स्थान पर रहीं।

प्रांजलि ने इससे पहले 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में अभिनव देशवाल के साथ गोल्ड जीता था, जिन्होंने पुरुषों के 25मी पिस्टल इवेंट में भी गोल्ड जीता था। प्रांजलि ने फाइनल की पहली सीरीज में अपने पहले पांच में से चार शॉट मारे और नौवीं सीरीज के आखिर तक बढ़त बनाए रखी, जहां वह मोसिना के साथ 30 शॉट पर बराबरी पर थीं।

दसवीं और आखिरी सीरीज में, प्रांजलि ने चार शॉट मारे जबकि मोसिना सिर्फ़ दो ही स्कोर कर पाईं, जिससे भारतीय शूटर को गोल्ड मेडल मिला।

इससे पहले क्वालिफिकेशन में, भारतीय शूटर ने टॉप दो जगह पक्की करते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, साथ ही प्रांजलि ने वर्ल्ड डेफ क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड और डेफलिपिक्स रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने 573-14ग शॉट मारे, जिससे उनका ही वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट गया जो पिछले साल हनोवर में वर्ल्ड डेफ शूटिग चैंपियनशिप में बनाया गया था।

एसडी प्रज्ज्वल ने आईटीएफ एम 15 भुवनेश्वर में एकल व युगल के खिताब जीते

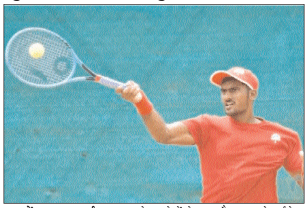

बेंगलुरु, वार्ता। भारत के एसडी प्रज्ज्वल देव ने आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर एम15 चैपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल और युगल वर्ग के खिताब जीते।

मैसूर के रहने वाले प्रज्ज्वल देव ने 16-23 नवम्बर तक भुवनेश्वर में हुए इस टूर्नामेंट के एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में सातवें सीडेड दिग्विजय प्रताप सिंह को एक कड़े मुकाबले में 7-6(4), 7-6(1) से हराया, दोनों सेट का फैसला कड़े टाईब्रेक से हुआ।

युगल वर्ग में, टॉप सीडेड प्रज्ज्वल देव और सि(ांत बंथिया की जोड़ी ने चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए माधविन कामथ और रोहन मेहरा की जोड़ी को 7-6(5), 6-2 से हराकर सीधे सेटों में जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ प्रज्ज्वल देव के सफल अभियान में दूसरा खिताब जुड़ गया।

जयपुर पोलो टीम ने जीता कश्मीर चैलेंज कप

जयपुर, वार्ता। कश्मीर चैलेंज कप रविवार को अपने असली अंजाम पर पहुंच गया, जब जयपुर पोलो टीम, जिसकी लीडरशिप जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह कर रहे थे, ने राजस्थान पोलो क्लब में हुए एक रोमांचक मैच में कनोटा पोलो को 9-5 से हरा दिया।

जयपुर के लिए, उनके कैप्टन,महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, और साउथ अफ्रीकी पोलो के स्टार लांस वॉटसन ने पूरे टूर्नामेंट में अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा, और एक के बाद एक चार और पांच गोल किए। टूर्नामेंट की शुरुआत में एक ही पूल में रहने के बाद दोनों टीमों के बीच यह तीसरी भिड़ंत थी, जिसमें सभी मैच जयपुर के पक्ष में गए। जयपुर ने जबरदस्त शुरुआत की, लांस वॉटसन ने शुरू में ही दो गोल (1:25 और 6:35) करके अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। दूसरी ओर, कनोटा पोलो शुरुआती पीरियड में गोल नहीं कर पाई। दूसरे चक्कर में, जयपुर ने अपनी रफ़्तार जारी रखी, जब लांस वॉटसन ने एक और गोल (3:35) करके स्कोर 3-0 कर दिया। जब कनोटा पोलो लय में नहीं लग रहा था, तो उन्होंने अशोक चांदना (4:00) और डिनो धनखड़ (6:40) के गोलों से जवाबी हमला किया, लेकिन जयपुर अभी भी गेम के आधे समय तक 3-2 से आगे था। तीसरे चक्कर में दोनों तरफ से तेजी से गोल हुए। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने दो गोल (1:20 और 5:40) किए, और लांस वॉटसन ने 4:10 पर एक और गोल किया। कनोटा ने हुर्र अली (5:46 और 6:35) के दो गोलों से वापसी की। चक्कर के आखिर में, स्कोर जयपुर 7-कनोटा 4 था। आखिरी चक्कर जयपुर का था क्योंकि उन्होंने कंट्रोल बनाए रखा, महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह जयपुर ने 0:54 पर फिर से गोल करके बढ़त को 8-4 कर दिया। हुर्र अली ने 1:40 पर कनोटा का आखिरी गोल किया, लेकिन लांस वॉटसन के आखिरी मिनट के गोल ने मैच को जयपुर के पक्ष में 9-5 से पक्का कर दिया। इस जीत के साथ, जयपुर ने इंडियन पोलो सीजन में अब तक अपनी ट्रॉफी की संख्या चार कर ली है, जबकि अभी आधे से ज्यादा सीजन बाकी है।

सैयद मोदी इंटरनेशनल में अपनी फॉर्म हासिल करने उतरेंगे प्रणय-श्रीकांत

● **इस टूर्नामेंट में प्रियांशु राजावत, उन्नति हुड्डा और त्रिशा जॉली भी खेलेंगे**

लखनऊ, वार्ता। भारत के एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुरू हो रहे सैयद मोदी इंटरनेशनल 2025 बैडमिटन टूर्नामेंट में घरेलू मैदान पर अपनी खोई हुई फॉर्म को फिर से प्राप्त करने उतरेंगे। कल से यहां शुरु होने वाला टूर्नामेंट बाबू बनारसी दास यूपी बैडमिटन अकादमी में खेला जाएगा। 25 से 30 नवम्बर चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, डेनमार्क, थाईलैंड, तुर्किए, इंडोनेशिया, सिगापुर, यूक्रेन, यूएई समेत 20 देशों के 250 खिलाड़ी चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं।

यह एक बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 प्रतियोगिता है। कॉमनवेल्थ गेम्स 1982 के चैंपियन सैयद मोदी के नाम पर इस टूर्नामेंट का नाम रखा गया है। एचएस प्रणय के लिए 2025 एक मुश्किल अभियान रहा है। वह इस साल अपने 15 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर मैचों में से किसी में भी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। इनमें से आठ में पहले राउंड में उन्हें हार का सामना करते हुए बाहर होना पड़ा।

इस टूर्नामेंट में प्रियांशु राजावत, उन्नति हुड्डा और गत विजेता त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद भी खेलेंगे। 2,40,000 अमे. रिकी डॉलर की ईनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल में 32-32 खिलाड़ियों, जोड़ियों का मुख्य ड्रॉ होगा।

एनसीसी कैडेट्स साइबर क्राइम से रहें सतर्क : एसपी देहात

सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले लगातार बन रहे हैं साइबर ठगों का निशाना : सुयाल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में विश्वविद्यालय में संचालित शिविर के सातवें दिन कैडेट्स को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, हरिद्वार श्री शेखर चंद्र सुयाल द्वारा साइबर क्राइम से सतर्क रहने की अपील की गई।

एसपी देहात शेखर चन्द्र सुचाल ने बताया कि वर्तमान समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसके साथ साइबर अपराध के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं विशेषकर छात्र वर्ग जो पढ़ाई, ऑनलाइन क्लासेस, सोशल मीडिया और गेमिंग प्लेटफॉर्म का अधिक उपयोग करता है, साइबर ठगों का आसान निशाना बन रहा है । इनके द्वारा सभी कैडेट्स और उनके अभिभावकों से अपील की गई कि अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखें जैसे बैंक खाता, आधार नंबर आदि किसी के साथ भी साझा न करें व अजनबी लिंक पर क्लिक न करें ख्र ई-मेल, मैसेज या सोशल मीडिया पर आए संदिग्ध लिंक

तुरंत डिलीट करे, सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहें और अपनी व्यक्तिगत तस्वीरें, लोकेशन और निजी जानकारी पब्लिक न करें । ऑनलाइन गेम्स और ऐप्स ख्र केवल भरोसेमंद और आधिकारिक ऐप्स का ही उपयोग करें, अनजान लिंक से ऐप डाउनलोड न करें और साइबर अपराध की आशंका होने पर तुरंत भारत सरकार द्वारा जारी टोलफ्री नंबर 1930 अथवाwww-cybercrime-gov-in पर शिकायत दर्ज करें या नजदीकी पुलिस थाने से संपर्क करें। पब्लिक वाई-फाई का सावधानी से उपयोग करें ख्र बैंकिंग या महत्वपूर्ण लॉगिन कार्य पब्लिक नेटवर्क पर न करें । आज कैम्प निरीक्षण हेतु आये रुड़की ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी ने बताया की लालच और डर दो ऐसी चीजे हैं जिनके बहकावे में आने से इंसान साइबर अपराध कर बैठता है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग का उद्देश्य है कि कैडेट्स सुरक्षित डिजिटल वातावरण में पढ़ाई और विकास कर सकें। इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल अमन कुमार सिंह, डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर (डॉ) गौतम वीर, कैंप एडजुटेंट कैप्टन सुशील कुमार आर्य, कैंप मीडिया प्रभारी सेकंड ऑफिसर कमल मिश्रा, कैंप मैसिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट (डॉ) अंजना गोसाई, युवा आपदा मित्र को-ऑर्डिनेटर ले0 रत्नेश कुमार, सेकंड ऑफिसर सुशील कुमार, सीटीओ वंदना चौहान, सीटीओ पंकज कुमार, सीटीओ प्रियंका प्रजापति, सूबेदार मेजर अमर सिंह, सूबेदार पंकज पाल, बीएचएम केशवानंद, हवलदार राजेन्द्र सिंह, हवलदार पूर्ण सिंह व 475 अन्य कैडेट्स, स्टाफ उपस्थिति रहे।

ऑपरेशन कालनेमि के तहत 20 ढोंगियों को किया गिरफ्तार

कलियर। ऑपरेशन कालनेमि के तहत कलियर दरगाह क्षेत्र से फकीर भेषधारी 20 ढोंगियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये सभी पश्चिम बंगाल, बिहार सहित अन्य राज्यों के रहने वाले हैं। ऑपरेशन कालनेमि में साधु-संतों के भेष में धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे ढोंगियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत कलियर में अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने कलियर से 20 ढोंगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्त में आए ढोंगियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है। एसओ रविंद्र कुमार ने बताया कि कलियर में सोमवार को पुलिस ने अभियान चलाकर कलियर दरगाह क्षेत्र से 20 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें मुशी सरफराज गुजरात, अमीर अहमद मुरादाबाद,मौ0 ईशा राजस्थान, नजीर अहमद बनारस,मोहन कुमार पश्चिम बिहार दिल्ली,समीम अंसारी गोविन्दपुरी दक्षिणी दिल्ली,जमील हरियाणा,मौ0अली देहरादून,सैय्यद इमराम मिया पिरान कलियर हैं।

प्रतिबंधित मांस व उपकरण सहित दो आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बिझौली से गोकशी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से प्रतिबंध मास व अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धारों में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि रविवार को मुखबीर द्वारा सूचना मिली थी कि ग्राम बिझौली में कुछ लोग गोकशी कर रहे हैं सूचना प्राप्त होने पर तुरंत उप निरीक्षक कमलकान्त रतूडी मय पुलिस बल को मौके पर भेजा गया दूर से देखने पर पाया कि कुछ व्यक्ति गोकशी कर रहे हैं। पुलिस की आहट सुनकर मौके से कुछ अभियुक्त फरार हुए निम्नलिखित दो अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया मौके से 140 किलो प्रतिबंधित मांस व अन्य गोकशी के उपकरण बरामद किये गये हैं जिस आधार पर थाना कोतवाली पर संबंधित धाराओं के तहत आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्त को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया गया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त 'इरफान पुत्र जिम्मू मौ0 शहजाद उर्फ कल्लू पुत्र तहसीन निवासी ग्राम बिझौल। पुलिस टीम' उप निरीक्षक कमलकान्त रतूडी कांस्टेबल पुनीत सेमवालकानि0 पप्पू कश्यप हे0गा0 राजेन्द्र शामिल रहे।

भाजपाइयों ने ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य का रुड़की जिले में प्रवास कार्यक्रम रहा। जिला पंचायत अतिथि गृह में कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष अनुज सैनी के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिविल लाइंस स्थित डाक बंगले में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य ने कहा कि 2027 में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में हैट्रिक बनने जा रही है और भारतीय जनता पार्टी की बहुमत से सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी समाज के लिए बहुत कुछ किया है। जबकि कांग्रेस 70 वर्षों तक राज करने के बाद भी ओबीसी समाज के लिए कुछ नहीं किया। इस अवसर

पर प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तराखंड राकेश गिरी ने कहा कि मोदी व धामी के नेतृत्व में हमारा उत्तराखंड प्रदेश दिन दुगनी रात चौगुनी, तरक्की कर रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड की तरक्की के लिए कई कानून लागू किए हैं। जो पूरे देश के लिए एक नजीर है। सभी कार्यकर्ता 2027 के लिए पूरे मनोयोग से अभी से जुट गए हैं।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनुज सैनी, जिला उपाध्यक्ष रोमा सैनी, जिला मंत्री सचिन कश्यप, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मांगेराम प्रजापति, मंडल अध्यक्ष बृजमोहन सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष आदित्य रोड, सोनू कश्यप, अंकित प्रजापति, विनीत प्रजापति आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर रील बनाकर तमंचे पर डिस्को करने वाले दो युवक पकड़े

शाह टाइम संवाददाता

मंगलौर। सोशल मीडिया पर रील बनाकर तमंचे पर डिस्को दो युवकों को भारी पड़ गया पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से 02 तमंचे मय जिन्दा कारतूस बरामद किए हैं।

ग्राम विझौली निवासी की शादी समारोह मे 02 युवको द्वारा तमंचे के साथ ठुमके लगाये जानी की वीडियो वायरल हो रही थी। सोशल मीडिया पर तमंचे पर डिस्को वाला वीडियो अपलोड होने पर एसएसपी हरिद्वार द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना या रिल बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वालों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई किए जाने के आदेश दिए गए । उक्त आदेश के अनुपालन में थाना स्तर पर टीम गठन की गई । इसी क्रम में 02 व्यक्तियों द्वारा शादी मे डीजे मे गाना बजाकर तमंचा लहराते हुऐ ठुमके लगाये जा रहे थे सोशल मीडिया पर तमंचा लहराकर वीडियो बनाकर प्रसारित की गई थी। उक्त क्रम में पुलिस टीम द्वारा दो आरोपियों को 315 बोर तमंचे के साथ पकडा गया। भविष्य में यदि किसी व्यक्ति के द्वारा इस प्रकार का कृत्य किया जाता है तो उसके विरुद्ध भी कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए आरोपियो के नाम विवेक कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम विझौली और सुमित कुमार पुत्र सुरेन्द्र कुमार निवासी मोहल्ला खालसा थाना मंगलौर बताया गया है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक वजिन्द्र सिह नेगी,उप निरीक्षक हेमदत्त भारद्वाज,हैड कांस्टेबल अशोक मलिक, विकास और अरविन्द शामिल रहे।

रात में अचानक मकान में आग लगने से दंपति व बच्चे आग में झुलसे

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बे के मोहल्ला नई मंडी बस अड्डा अमर जवान चौक के पास गली में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में सोमवार रात्रि तड़के लगभग 3:00 बजे मकान के कमरे में आग लग जाने से पति-पत्नी व तीन बच्चे आग में झुलस कर घायल हो गए। शोर मचाने पर मोहल्ले वासियों द्वारा आग पर पानी डालकर काबू पाया गया। आग में झुलस कर घायल हुए सभी की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

जानकारी के अनुसार कस्बे के मोहल्ला नई मंडी अमर जवान चौक के पास एक गली में 40 वर्षीय सागर सिंह अपनी पत्नी व तीन बच्चों के साथ रहता है ।सागर ठेली लगाकर सिंघाड़ा व फल बेचने का काम करता है। सागर के 16 वर्षीय भाई बंसी ने बताया कि रविवार रात्रि सभी परिजन प्रति दिन की तरह देर शाम खाना खाकर सो गए थे। वह स्वयं दूसरे कमरे में सो रहा था। सोमवार तड़के लगभग 3:00 बजे दूसरे कमरे में जहां उसका भाई 40 वर्षीय सागर उसकी 35 वर्षीय पत्नी शिवानी तथा 7 वर्षीय राधिका 5 वर्षीय कृष्णा तथा तीन वर्षीय सोनू सो रहे थे। उस कमरे में आग लग गई शौर सुनकर वह कमरे से बाहर निकला तथा कमरे में आग लगी देख उसने शोर मचा दिया। शोर सुनकर मोहल्ले वासी भी वहां आ गए। कमरे में रखे बिस्तरों व अन्य कपड़ों में आग लगने से घिरे सागर तथा बच्चों को बाहर निकाला गया तथा आग पर पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। आग से झुलसे घायल पति-पत्नी व बच्चों को कस्बे में स्थित डॉक्टर के यहां ले गए। डॉक्टर द्वारा जले हुए लोगों का इलाज की सुविधा न होने पर इलाज करने मे असमर्थता जताई। बाद में परिजन घायलो को देवबंद जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश डॉक्टर के यहां ले गए तथा इलाज हेतु भर्ती कराया गया। घायलों के परिजनों का कहना है कि सभी घायल खतरे से बाहर है। आग लगने से हजारों रुपए का नुकसान बताया गया है। परिजनों ने आग लगने का कारण भगवान कान्हा के सामने दीपक जला होना बताया गया। संभावना जताई गई की किसी तरह जलता हुआ दीपक नीचे कपड़ों में गिर गया तथा आग लग गई।

छात्र बने मंत्री, संसद में दिए सवालों के जवाब

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। दल्लावाला के रानी धर्म कुंवर राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा संसद कार्यक्रम के तहत युवा संसद सत्र 2025-26 का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को संसद की कार्रवाई की जानकारी देना रहा। संसद सत्र में प्रश्नकाल एवं शून्यकाल का आयोजन किया गया। प्रश्नकाल में महिला एवं बाल विकास मंत्री से महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित तीखे सवाल किए गए। प्रत्युत्तर में महिला एवं बाल विकासमंत्री ने बहुत ही सुंदर ढंग से सटीक आंकड़े पेश किए। सभा में निशा लोक सभा अध्यक्ष बनी, नीलम ने प्रधानमंत्री, राजन ने गृह मंत्री, साक्षी ने वित्त मंत्री, बुलबुल ने विदेश मंत्री, स्वाति ने शिक्षामंत्री, सिमरन स्वास्थ्य मंत्री बनीं। दिनेश ने युवा एवं खेल मंत्री, कविता ने कृषि मंत्री, साक्षी ने श्रम एवं रोजगार मंत्री, शीतल ने महिला एवं बाल विकास मंत्री, निशा ने ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज मंत्री, मनीषा ने विपक्षी सांसद की भूमिका अदा की।

लक्सर पुलिस ने दबोचा एक नशा तस्कर

112 नशीले कैप्सूल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है उसके पास से 112 नशीले कैप्सूल बरामद हुए हैं। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को सफल बनाने के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा 23 नवंबर 2025 को चेकिंग के दौरान एक मेडिकल संचालक जो की बाला वाली तिराहा लक्सर के पास वंशिका मेडिकल स्टोर के नाम से दुकान चलाता था को मेडिकल स्टोर के आड़ में युवाओं को नशो में जहर घोल रहा था को कैप्सूल बेचते हुए अवैध नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 112 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम अमित कुमार पुत्र संजय विश्वास निवासी वार्ड नंबर 11 केशव नगर शेखपुरी गोवर्धनपुर रोड लक्सर जिला हरिद्वार बताया। उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ

उप निरीक्षक लोकपाल परमार लक्सर पुलिस चौकी प्रभारी विपिन कुमार हेड कांस्टेबल रियाज अली कांस्टेबल किशोर नेगी शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

खेड़ी शिकोहपुर की सड़कों का हाल-बेहाल

गड्ढों व कीचड़ से आमजन परेशान

राव तौसीफ अली

बुग्गावाला। सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत गांव-गांव में स्वच्छता का गुणगान गाने और करोड़ों का बजट खर्च करने के दावों की पोल ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र के खेड़ी शिकोहपुर में खुलती नजर आ रही है। यहां के मुख्य रास्ते कीचड़ और गंदे पानी के दलदल में तब्दील हो चुके हैं। हालात इतने बदतर हैं कि ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी दुश्वार हो गया है। और गांव के मुख्य मार्गों से स्थानीय लोगों के साथ-साथ गांव में आने जाने वाले रिश्तेदारों को इस परेशानी

झेलनी पड़ रही हैं। क्योंकि आज के समय में ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र अपनी बदहाली के आंसू रो रहा हैं। विडंबना देखिए स्थानीय जनता को गहरे गड्ढे और कीचड़ से सनी सड़कों पर चलने के लिए विवश होना पड़ रहा है। ज्वालापुर विधानसभा बनने के बाद ग्रामीण जनता को लगा था कि क्षेत्र का चहुमुखी विकास हो पाएगा। लेकिन विधानसभा बनने के बाद से आजतक तक ग्रामीण क्षेत्र के लोग से सौतेले व्यवहार की मार झेलते आ रहा हैं। वर्तमान समय में लोकसभा सांसद, स्थानीय विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि होने के बावजूद भी ग्रामीणों को कीचड़ में चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जबकि ज्वालापुर से स्थानीय विधायक रवि बहादुर ग्रामीण लोगों काफी उम्मीदें थी। करीब 4 साल का समय बीतने के बाद भी सड़कों की दुर्दशा ओर अधिक दयनीय हो गई। विधायक रवि बहादुर भी जनता से किए गए वादों पर खरा नहीं उतर पाए हैं। जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में उनके खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा हैं। खेड़ी शिकोहपुर गांव के ग्रामीणों का कहना हैं कि इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत, प्रशासन और क्षेत्रीय विधायक से कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार अनसुना कर दिया गया। अब स्थिति यह हो गई है कि सड़कों में गहरे गड्ढे हो गए। जिसके कारण उनमें पानी भर गया है। पानी ओर कीचड़ की दुर्गंध और गंदगी के कारण आसपास के घरों में रहना असहनीय हो गया है। और चोटिल हो रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि विधायक रवि बहादुर गांव के साथ सौतेला व्यवहार करते हैं। जिसके कारण गांव में विकास कार्य ठप पड़ा हुआ हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी हैं कि विकास पुत्र का ब्रांड लगाकर घूमने वाले नेताओं को आगामी चुनाव में बहिष्कार का तोहफा दिया जाएगा।

खो-खो बालिका वर्ग में कौशिक पब्लिक स्कूल प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कस्बा स्थित एंबिशन पब्लिक स्कूल में चल रही दो दिवसीय इंटर-स्कूल स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का शनिवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 15 से अधिक विद्यालयों ने हिस्सा लिया। इसमें कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल, बैडमिंटन और शतरंज जैसी स्पर्धाएं बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में आयोजित कराई गई। एंबिशन पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया। शतरंज में मक्खन, दक्ष, आदि और लक्षिका ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बैडमिंटन में ओम, वंशज, अंशिका, कविता और दक्ष ने प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में यूके एकेडमी प्रथम, किसान इंटर कॉलेज द्वितीय और कौशिक पब्लिक स्कूल इमलीखेड़ा तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में किसान पब्लिक स्कूल प्रथम, रातिराम हाईस्कूल द्वितीय और एंबिशन पब्लिक स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। वॉलीबाल प्रतियोगिता में गुरु ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल प्रथम, भारतीय अकादमी द्वितीय और स्नो व्हाइट स्कूल तृतीय स्थान पर रहे। खो-खो (बालिका वर्ग) में कौशिक पब्लिक स्कूल ने प्रथम, रॉयल पब्लिक स्कूल ने द्वितीय एवं किसान मॉडर्न इंटर स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर एंबिशन पब्लिक स्कूल को चौंपियनशिप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

पुलिस ने मुख्य मार्गो से हटवाया अतिक्रमण

अतिक्रमण हटाने पर हंगामा, विधायक ने कोतवाली पहुंचकर की वार्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण के खिलाफ ग्रामीण एकत्र होकर कोतवाली में पहुंचे मामले में क्षेत्रीय विधायक भी कोतवाली आए और ग्रामीणों एवं पुलिस से वार्ता की। जिसके बाद पुलिस ने बाजार में घूमकर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की और भविष्य के चेतावनी दी।

बताया गया है कि बीते रोज मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टाण्डा भनेड़ा में एक शादी समारोह में शामिल होने सहारनपुर निवासी मोहल्ला मलकपुरा से होते हुए गुजर रहे थे। वही रोड पर अतिक्रमण के कारण उनकी गाड़ी निकलने की कुछ समस्या हो रही थी तभी उनकी किसी बात को लेकर मोहल्ला मलकपुरा निवासी एक युवक से कहा सुनी हो गई मामला इतना बढ़ा कि वहां के लोगों ने एकत्र होकर उनके साथ मारपीट कर डाली। मामले को लेकर सोमवार को कई गाँवो के ग्रामीण इक्कठा होकर कोतवाली मंगलौर पहुँचे। मंगलौर विधायक काजी निजामुद्दीन भी कोतवाली पहुँचे और मामले में दोबारा इस तरह की पुनवर्ति ना होने की बात कही। जिसके बाद पुलिस ने भारी पुलिस फोर्स के साथ चौकी से लेकर मलकपुरा, मेन बाजार में

गश्त कर सभी अतिक्रमण कारियो के विरुद्ध कार्रवाई की और भविष्य में कोई रास्तो पर अतिक्रमण ना करने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई भी अतिक्रमण किया गय तो किसी भी व्यक्ति को बख्शा नही जायगा और कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने टीम के साथ वाहनों पर लगवाए रिफ्लेक्टर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोहरे के चलते सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए यातायात प्रभारी शिक्षक टीम के साथ सड़कों पर उतरे और उन्होंने ट्रैक्टर तालियां में अन्य वाहनों में रिफ्लेक्टर लगवाएं ताकि ठंड में कोहरे में वाहनो मे लगे रिफ्लेक्टर के जरिए एक दूसरे को देख सके और हादसों से बचा जा सके।

जानकारी के अनुसार ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेंद्र नाथ ने बताया कि अब जादे शुरू हो गए हैं और कोहरे का पढ़ना भी शुरू हो गया है ऐसे में जरूरी है कि ट्रैक्टर ट्रॉली पर खासकर रिफ्लेक्टर जरूर लगाया जाए वरना कोहरे की वजह से सड़क हादसे बढ़ जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह आज अपनी पूरी टीम के साथ सड़कों पर उतरे और उन्होंन आने वाले वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए साथ ही बड़ी तादाद में ट्रैक्टर ट्राली और पर भी रिफ्लेक्टर लगाएताकि सड़क हादसों पर लगाम लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि अब लगातार अभियान

चलाया जाएगा जो भी वहां रिफ्लेक्टर रहित होंगे उन पर रिफ्लेक्टर लगाए जाएंगे रिफ्लेक्टर के जरिए रात में भी आसानी से वहां का पता चल जाता है इसलिए वह जरूरी है कि अगर रात में वाहन लेकर चले तो रिफ्लेक्टर होना बहुत जरूरी है।

सीजेआई की चुनौतियां

हिसार के गांव पेटवाड़ के रहने वाले जस्टिस सूर्यकांत के सोमवार को देश के 53वें चीफ जस्टिस आफ इंडिया (सीजेआई)के रूप में शपथ लेते ही उनके गांव में दिवाली मनाई गई। वह हरियाणा के ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जो सीजेआई बने हैं। सोमवार सुबह 10 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूने उन्हें शपथ दिलाई। उनकी शपथग्रहण को लेकर हिसार में वकीलों ने खुशी मनाई, हिसार में हवन कराया गया। वकीलों ने शपथग्रहण का लाइव टेलीकास्ट देखा। हिसार बार में इस दौरान ढोल बजाकर जश्न मनाया गया, जिसमें एडवोकेट्स के साथ हिसार की जिला एवं सेशन जज नताशा ने भी खुशी में डांस किया। बीआर गवई के सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें सीजेआई बनाया गया है, लेकिन उनके सामने चुनौतियां बहुत है। आजकल देश में न्याय के बीच में राजनीति के आने से न्याय प्रक्रिया में अवरोध पैदा हो रहे हैं। आशा है कि श्री सूर्यकांत इस राजनीति को कानून से हटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनके सामने देश के मुद्दों को हल करके न्याय दिलाना पहली प्राथमिकता होगी। क्योंकि इस समय सुप्रीम कोर्ट के एसआईआर और वोट चोरी के मामले प्रमुख रूप से चल रहे हैं। इसके अलावा और भी मुद्दे हैं, जिनका सरोकार सीधा जनता से है, उन पर भी उनकी पैनी निगाह होगी। सितंबर 2025 तक सुप्रीम कोर्ट में 88417 मामले लंबित हैं, जिनमें 69553 सिविल के हैं, जबकि 18864 आपराधिक मामले हैं। इन सबको निपटाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस सूर्यकांत का कार्यकाल आज 24 नवंबर 2025 से लेकर 9 फरवरी 2027 तक रहेगा। नवंबर महीने की शुरुआत में केंद्रीय कानून मंत्रालय में न्याय विभाग ने जस्टिस सूर्यकांत की नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की थी। इस समय भारत के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है न्याय में देरी और लंबित मामलों का बढ़ता अंबार। अन्य प्रमुख चुनौतियों में न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा करना, न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता और पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना और कार्यपालिका से स्वतंत्र होकर कार्य करते हुए न्यायिक अतिक्रमण से बचना शामिल हैं। न्यायालयों में बड़ी संख्या में लंबित मामले न्याय में देरी का कारण बन रहे हैं। कई मामलों को निपटाने में दशकों लग सकते हैं, जिससे लोगों में निराशा पैदा होती है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा करना एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब कार्यपालिका और विधायी निकायों से दबाव आता है। कुछ मामलों में अदालतें यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती हैं कि संसद उनके फैसलों को आसानी से न बदल सके, जैसा कि ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम के मामले में देखा गया है। न्यायिक नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और प्रतिनिधित्व का अभाव एक चुनौती है। न्यायाधीशों की संख्या में कमी और रिक्त पदों को भरना भी एक समस्या है। न्यायाधीशों और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए योग्य महिला उम्मीदवारों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व न होना भी एक मुद्दा है। बढ़ती संख्या में मामलों के बीच जटिल संवैधानिक मामलों जैसे एसआईआर, रोहिंग्या शरणार्थी का निपटारा करना। अदालती फैसलों की आलोचना को संभालना और यह सुनिश्चित करना कि यह न्यायपालिका पर हमले में न बदले।

निष्पक्षता पर पैदा हो सकता है शक

एक साल के लिए 1,000 डेटा एंट्री आपरेटर्स और 50 साफ्टवेयर डेवलपर्स को बाहर से रखने की बात दोनों सुझाव जोखिम भरे हैं, इससे चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होंगे, चुनाव आयोग इन दोनों मुद्दों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराए, ताकि आयोग की साख बनी रहे, नए रखे जाने वाले कर्मचारियों की काम करने की शर्तें पहले से मौजूद स्टाफ से कैसे अलग होंगी और क्या यह पूरा काम किसी राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है,,दूसरा मुद्दा प्राइवेट रेजिडेंशियल काम्प्लेक्स के अंदर पोलिंग बूथ बनाने का है, पोलिंग स्टेशन हमेशा सरकारी या अर्ध-सरकारी जगहों पर होने चाहिए, क्योंकि वे ज्यादा निष्पक्ष और नियंत्रण में होते हैं, प्राइवेट सोसाइटी में बूथ बनाने से लोगों के बीच असमानता, पहुंचने की दिक्कतें और निष्पक्षता पर शक पैदा हो सकता है। **-ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल**

अब नहीं आएगा कोई धर्मेंद्र

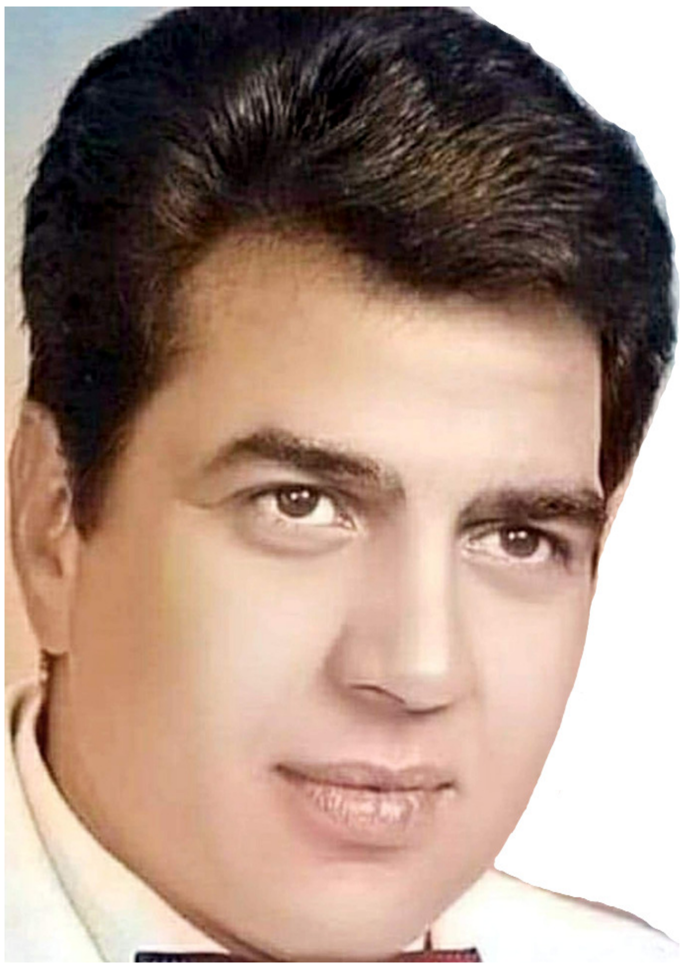

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र को फिल्म फूल और पत्थर से ही-मैन नाम मिला था। बॉलीवुड में धर्मेन्द्र को ही मैन कहा जाता है। धर्मेंद को ही-मैन नाम वर्ष 1966 में प्रदर्शित फिल्म फूल और पत्थर के जरिये मिला था। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने एक सीन किया जिसमें उन्होंने शर्ट उतारी। उनकी शर्टलेस तस्वीरों ने उन्हें काफी मशहूर बना दिया। इस फिल्म से उन्हें एक्शन हीरो के तौर पर पहचान मिली। उनकी मसक्युलर बॉडी ने उनकी ही-मैन की तस्वीर को गढ़ा। उनकी टोन्ड बॉडी, जबरदस्त आत्मविश्वास और गुस्से से भरे एक्शन सीन्स ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। फिल्म की इस जबरदस्त सफलता और उनकी दमदार, मर्दाना छवि के कारण ही इंडस्ट्री और मीडिया ने उन्हें ही-मैन ऑफ बॉलीवुड का नाम दिया।

ही-मैन केवल शारीरिक शक्ति के लिए नहीं, बल्कि जज्बे, बहादुरी और आंतरिक मजबूती को दर्शाता है। धर्मेंद्र ने न केवल अपनी शारीरिक ताकत से, बल्कि अपने किरदारों के माध्यम से भी इस उपाधि को सही साबित किया। जोखिम भरे स्टंट्स: धर्मेंद्र अपने स्टंट्स के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने खुद असली स्टंट्स करने का जोखिम उठाया, जैसे कि असली चीते के साथ भिड़ना, जिससे उनकी ही-मैन की छवि और मजबूत हुई।

धर्मेंद्र के जितने करीब उनके बच्चे रहे हैं, उतने ही करीब धर्मेंद्र भी अपने माता-पिता के थे। धर्मेन्द्र एक बार अपनी मां सतवंत कौर को याद करके भावुक हो गए थे। धर्मेन्द्र ने सोशल मीडिया पर एक बार अपनी मां से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा फैंस को सुनाया था। धर्मेन्द्र अक्सर सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी मां सतवंत कौर को लेकर बात की थी और बताया था कि उनकी मां उनके कपघ्ड़ चुरा लेती थीं- लेकिन, इसका इस्तेमाल वो नेक काम में करती थी। धर्मेंद्र ने एक बार सोशल मीडिया पर मां को लेकर बात करते हुए बताया था कि उनकी मां उनके कपड़े अपने गांव में जरूरतमंद लोगों को दे देती थी। धर्मेन्द्र से उनसे उनकी मां कहा करती थी कि तू इतने कपड़ों का क्या करेगा। धर्मेंद्र ने बताया था कि मैं सनी से पूछता था कि यें पैंट कहां है- सनी कहता था- बीजी ले गई- मैं जब पंजाब में कहीं जाता था तो वो वहां के लोग मुझे बोलते थे कि पाजी आपका कोट है। मेरी मां बहुत महान थी।

धर्मेंद्र ने अपने 60 साल से ज्यादा के करियर में, जबरदस्त एक्शन फिल्मों से लेकर दिल छू जाने वाले और रोमांटिक किरदारों से दर्शकों का दिल जीता है। कभी वो कॉमेडी हीरो बनकर आए तो कभी उन्होंने लोगों को रुला तक दिया। अभिनय ऐसा कि जिसने धर्मेंद्र को देखा वो खुद को उनका मुरीद होने से रोक ना सका। 8 दिसंबर, 1935 को जन्मे धरम सिंह देओल ने 1960 में फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की थी। उनके लुक्स, अपनी ऑनस्क्रीन अपीयरेंस और अपने स्वभाव से वह हमेशा देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक में मशहूर रहे। धर्मेंद्र की इमेज एक तरफ जहां रफ-टफ हीरो की रही, तो वहीं धरम पाजी का जलवा रोमांटिक हीरो के तौर पर भी अच्छा खास रहा।

1960 और 70 के दशक में धर्मेंद्र सुपरस्टार बने और मीना कुमारी, आशा पारेख और हेमा मालिनी समेत कई बड़ी अभिनेत्रियों के साथ उन्होंने रोमांस किया और रोमांटिक फिल्मों के जरिए वो दर्शकों के लिए रोमांस के बादशाह भी बने, तो वहीं बंदिनी, फूल और पत्थर और अनुपमा जैसी फिल्मों ने एक अभिनेता के रूप में एक नई पहचान दी। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने पर्दे पर अपनी भावनाओं को उकेरा और एक अलग छवि भी पर्दे पर बनाई। साल 1966 में आई फिल्म फूल और पत्थर में उनकी भूमिका ने उन्हें पहली बड़ी सफलता दिलाई और एक मजबूत और संवे. दनशील हीरो बना दिया, जिसे देखने के बाद लोग मान गए कि धर्मेंद्र हर किरदार के लिए परफेक्ट हैं। साल 1975 में धर्मेंद्र को एक ऐसा स्टारडम मिला जिसके लिए उन्होंने लंबे वक्त तक इंतजार किया। दरअसल इस साल वह फिल्म शोले में नजर आए। शोले के साथ धर्मेंद्र की विरासत नई ऊंचाइयों पर पहुंची, जहां वीरू का उनका किरदार बॉलीवुड की जुंबा पर आ गया और यहीं से धर्मेंद्र को एक नया मिल गया, वीरू। इसके बाद उन्होंने चुपके-चुपके, यादों की बारात, ड्रीम गर्ल और धरमवीर जैसी कई हिट फिल्मों के जरिए दर्शकों का दिल जीता और अपनी धाक बॉक्स ऑफिस पर जमाए रखी।

रोमांटिक हीरो के तौर पर काम करने के बाद उन्होंने 80 और 90 के दशक में, एक्शन और देशभक्ति फिल्मों की ओर रुख किया। धर्मेंद्र ने अपने बेटों सनी और बॉबी देओल को लॉन्च करने में मदद करते हुए अपनी उसी भूमिका को बरक. रार रखा। कभी वह फिल्मों में दादाजी बने तो कभी पिताजी बने। कुल मिलाकर ऐसा हीरो अब इस दुनिया में आना मुश्किल है।

कोलकाता में जीवन का हर रंग

1876 में बना कोल. काता का चिड़ियाघर 16 हेक्टेयर की भूमि में फैला है। यहां बनी झील साइबेरियन पक्षियों के लिए बेहत. रीन जगह है। कोल. काता की मेट्रो भारत की पहली भूमिगत रेल थी। हालांकि यह अब तक सिर्फ यह एकतरफा रूट पर चलती है। कोलकाता ट्रामवे भारत की एक अकेली ऐसी सेवा है जो सिर्फ कोलकाता में चलती है और एशिया की सबसे पुरानी विद्युत से चलने वाली ट्राम नेटवर्क है।

भारत के दूसरे महानगरों की तरह क्या आपने रात में जगमग कोलकाता को देखा है? अगर नहीं तो किसी भी सीजन में इस ऐतिहासिक शहर को देखने का कार्यक्रम जरूर बनाएं। यह दिल्ली से पहले इस देश की राजधानी रही है। पिछले दिनों विद्या बालन की फिल्म कहानी में दर्शकों ने कोलकाता शहर को देखा है। खासकर उस गीत आमी सोत्ती बोलती में, जिसे ऊषा उत्थुप ने स्वर दिया है। इस गीत में सम्पूर्ण कोलकाता की झांकी है। जिसमें कहा गया है कि यह शहर स्ट्रॉन्ग और पावरफुल है मगर फिर भी बेबस है। इस शहर की इससे बड़ी व्याख्या क्या हो सकती है कि यह चलता रहता है, मगर कहीं जाता नहीं। दरअसल कोलकाता अपने सीने में अंग्रेजों के जुल्म से लेकर बंगाल के विभाजन के दर्द को भी समेटे हुए है। इस शहर की सड़कों पर जीवन की खुशियों से लेकर दरिद्रता की उदासी भी दिखाई देती है। बावजूद इसके यह ऐसा शहर है जहां जीवन के हर रंग हैं।

हुगली नदी के किनारे बसा यह शहर सदियों से कवियों, लेखकों, फिल्म प्रोड्यसरों और नोबेल पुरस्कार विजेता का जनक माना जाता है। एक बार इस शहर को देखने के बाद यहां की खूबसूरत यादें भुलाएं नहीं भूलतीं। कोलकाता में संस्कृति के कई रूप देखने को मिलते हैं। यहां अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मेट्रो, सर्कुलर रेल और ग्राउंड रेल यानि हर तरह की परिवहन सुविधा है। सियालदह स्टेशन भारत का सबसे बड़ा रेल हब है। कोलकाता का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय को भी दर्शाता है। 1690 में कोलकाता में पहली बार ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी आई थी और उसने 1772 में कोलकाता को अपनी राजधानी बनाया। जॉब चारनॉक को कोलकाता का जनक कहा जाता है। 1857 में यहां पहला आधुनिक भारतीय विश्वविद्यालय बना। स्वतंत्र संग्राम के दौरान आजादी के लिए राष्ट्रीय आंदोलन की शुरुआत भी यहीं से की गई थी। कोलकाता में देखने के लिए बहुत कुछ है। यहां का विक्टोरिया मेमोरियल को दूसरा ताजमहल माना जाता है। इसे कोलकाता की शान कहा जाता है। ब्रिटिश शासक लार्ड कर्जन ने रानी विक्टोरिया को समर्पित करते हुए सफेद मकराना पत्थर से यह घर बनवाया था। आज यहां का बगीचा युवाओं के लिए बेहद लो. कप्रिय जगह है। शाम में हिंदी और बंगाली में होने वाले साउंड और लाइट शो भी देखने लायक हैं। इसके अंदर उस समय की खूबसूरत चीजें रखी गई हैं। विश्व का सबसे बड़ा बिड़ला इटालियन शैली की बेहतरीन कारीगरी है, जिसमें अनोखे जीवांश्म, मिस्र की ममी और बहुत सारी चीजें रखी गई हैं। हावड़ा ब्रिज, भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय नेशनल लाइब्रेरी, सांइस सिटी, ईडन गार्डन, रवींद्र सरोवर यह सब कोलकाता में देखे जा सकते हैं। 1876 में बना कोलकाता का चिड़ियाघर 16 हेक्टेयर की भूमि में फैला है। यहां बनी झील साइबेरियन पक्षियों के लिए बेहतरीन जगह है। कोलक. ाता की मेट्रो भारत की पहली भूमिगत रेल थी। हालांकि यह अब तक सिर्फ यह एकतरफा रूट पर चलती है। कोलकाता ट्रामवे भारत की एक अकेली ऐसी सेवा है जो सिर्फ कोलकाता में चलती है और एशिया की सबसे पुरानी विद्युत से चलने वाली ट्राम नेटवर्क है। इस शहर के रिक्शे भी अनोखे हैं। इन रिक्शों को इंसान खींचते हैं। हालांकि 2006 में ऐसे रिक्शों पर पांबदी लग गई थी। मगर रिक्शा यूनियन के 35 हजार सदस्य इसे आज भी चला रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि रिक्शों की दूरी कम कर दी गई है। कोलकाता में दशहरा उत्सव बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। खूबसूरत पंडाल और भव्य प्रतिमाएं दुर्गा पूजा को बेहद आकर्षक

बनाती हैं। यहां का कालीघाट मंदिर हिंदुओं का शक्ति-पीठ माना जाता है। किवदंती के अनुसार इस जगह पर देवी पार्वती की उंगली कट कर गिर गई थी और तबसे यह शक्तिपीठ बन गया। 1809 में इस जगह पुननिर्माण किया गया और अब यहां शक्ति की देवी की पूजा की जाती है। 1847 में हुगली नदी के किनारे बना दक्षिणेश्वर काली मंदिर और बेलूर मठ भी दर्शनीय है। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर और नैखोडा मस्जिद भी देखी जा सकती हैं। बिडला प्लेनेटेरियम के बगल में है संत पॉल कैथेड्रल चर्च, जो 1839 और 1847 के बीच बना था। इस गिरजाघर की खूबसूरती देखते बनती है। इसके अलावा सेंट जॉन चर्च, अरमे. नियम चर्च, ओल्डमिशन चर्च और ग्रीक औरथोडॉक्स चर्च भी देखने लायक हैं। अरमेनियम चर्च कोलकाता में ईसाइयों का सबसे पुराना गिरजाघर है। कोलकाता भारत के सभी बड़े शहरों से रेल और हवाई यातायात से जुड़ा है। इसलिए यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। किसी भी मौसम में कोलकाता घूमने जाया जा सकता है। रात हो या दिन यह शहर हर समय खूबसूरत लगता है।

पंचायत चुनाव की सरगर्मी के बीच एसआईआर

यशोदा श्रीवास्तव

यूपी में एस आई आर को लेकर उदासीन व लापरवाह विपक्ष के लिए पंचायत चुनाव की सरगर्मी राहत भरी है। चुनाव आयोग के गाइड लाइन के अनुसार राजनीतिक दलों को भी अपनी तरफ से बीएलओ 2 मनोनीत करने का अधिकार है। यूपी में ज्यादातर विपक्षी दल इसमें फिसड्डी दिख रहे हैं लेकिन पंचायत चुनाव में प्रधान पद के दावेदार एस आई आर को लेकर खूब सक्रीय हैं।वे एक तरह से विपक्षी दलों का काम आसान कर रहे हैं।

इसमें दो राय नहीं कि बिना किसी तैयारी के मात्र एक महीने में 25 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में एस आई आर कंप्लीट कर पाना बड़ी चुनौती है। इसमें विसंगतियों की जो भरमार है वह अलग। खेती किसानी और शादी विवाह के सीजन में सबकुछ भूलकर शहरी लोग हों या ग्रामीण किसान केवल अपना वोट बचाने के जतन में जुट गए हैं। चुनाव आयोग के इस अभियान में गांव के लोग जो अपेक्षाकृत जागरूक नहीं होते, एस आई आर का हिस्सा बन पाते हैं या नहीं, चुनाव आयोग का इससे कुछ लेना देना नहीं। चुनाव आयोग को यदि सचमुच इमानदारी से एस आई आर करानी होती तो वह समय, सीमा और लोगों की दिक्कतें जरूर ध्यान में रखता, लेकिन नहीं उसे तो एस आई आर की जैसे सनक सवार है। चुनाव आयोग के इस अभियान में बीएलओ से लेकर मतदाताओं को कितनी दिक्कतें हो रही है,यह बस्ती जिले के एक एसडीएम के झुंझलाहट से जाना जा सकता है जो बीएलओ की लापरवाही पर गुस्सा हो रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा एस आई आर की

तय समय सीमा चंद रोज ही बची है। इस बीच पूरे यूपी में 50 प्रतिशत भी फार्म 6 और 7 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। नोएडा जहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बिटिया डीएम है, वहां की स्थिति तो और खराब है। खराब प्रगति से नाराज ज्ञानेश कुमार की डीएम बिटिया ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम बीएलओ और अन्य संबंधित जनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया है। फार्म 7 जो वोट विच्छेदन का जरूरी फार्म है, अधिकांश बीएलओ इसे जानते तक नहीं और न उन्हें ऐसा कोई प्रशिक्षण ही दिया गया। फार्म 7 के माध्यम से आप यदि दो जगह से वोटर हैं तो इच्छित एक जगह से कटवा सकते हैं। हालत ऐसी हो गई कि हर व्यक्ति अपना वोट बचाने के लिए बीएलओ को ढूंढता फिर रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि बिना किसी प्रशिक्षण के बीएलओ नामित कर उसे एस आई आर फार्म थमा दिया गया। चुनाव आयोग इस अभियान की जितनी गंभीरता समझता है, बीएलओ उससे एक दम अनजान हैं। विपक्ष को इस अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है। ऐसे में वे लोग जिन्हें अपना वोट काटे जाने का डर है, खुद ही अपने वोट की रखवाली करें। सवाल उठता है कि एस आई आर अभियान में गैर भाजपा राजनीतिक दलों की उदासीनता क्यों है? फिलहाल यूपी के लिए इसका जवाब है मैं क्यों और मैं ही क्यों? गौरतलब है की सभी राजनीतिक दलों में विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव टिकट और प्रत्याशी दोनों उहापोह में रहते हैं।

गैर भाजपा दलों के पास आर एस एस, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य तमाम हिंदू संगठनों जैसा कोई संगठन नहीं है जो निस्वार्थ भाव से अपना काम कर सके। भाजपा समर्थक इन तमाम हिंदू संगठनों को न तो चुनाव की चिंता रहती है और न ही टिकट की सो उन्हें जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है,उसे वे पूरी इमानदारी और निष्ठा पूर्वक करते हैं। गैर भाजपा दल चाहे कांग्रेस हो सपा, बसपा या अन्य पार्टियां उनके पास कहां है ऐसा निष्ठावान व ईमानदार संगठन? इसके इतर सपा और कांग्रेस खाना पूर्ति में लगे हैं। गठबंधन की राजनीति इसमें सबसे बड़ी बाधा है। चुनाव के दरम्यान किस सीट पर गठबंधन का कौन उम्मीदवार टपक पड़ता है कोई ठिकाना नहीं। ऐसे में बड़ा पेंच हम क्यों और हम ही क्यों को लेकर ही फंसा हुआ है। गैर भाजपा राजनीतिक दलों के कई नेताओं से बात हुई तो यही मसला सामने आया। खासकर सपा और कांग्रेस खेमे से। यूपी में सपा और कांग्रेस अभी गठबंधन में हैं। विधानसभा चुनाव में भी यह रहेगा, इसकी संभावना ज्यादा है। जिन सीटों पर सपा के विधायक हैं वहां तो ठीक है। वे एस आई आर को लेकर सक्रीय हैं लेकिन जिन सीटों पर सपा नहीं है वहां हालत ठीक नहीं है। ऐसी सीटों पर न तो कांग्रेस सक्रीय हैं और न ही सपा। इसलिए कि मेहनत हम करें और टिकट फलां को मिल जाए! लोकसभा की कई सीटों पर सपा हारी है, वहां दूर दराज से उम्मीदवार थोप दिए गए थे, इस अभियान में वे लापता हैं। 2027 में विधानसभा चुनाव है। जिन तमाम सीटों पर सपा या कांग्रेस नहीं है, वहां का हाल बुरा है।

एस आई आर को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर खासा दबाव है। केंद्रीय कार्यालय से रोज कोई न कोई निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई कांग्रेस का पदाधिकारी जिला अध्यक्षों से जूम मीटिंग कर रहा है। लेकिन वे बेचारे करें क्या,उनका संगठन ही कमजोर है। सांगठनिक तौर पर यूपी में कांग्रेस की स्थिति यही है। अब जब चार दिसंबर यानी एस आई आर की समय सीमा खत्म होने को है तो नहीं लगता कि भाजपा को छोड़ कोई अन्य दल अपनी सक्रीयता साबित कर पाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नई दिल्ली। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते अफगानिस्तान के वाणिज्य व उद्योग मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी।

इजरायल ने हवाई हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह कमांडर को मार गिराया

यरूशलम। इजरायली सेना और लेबनानी समूह ने कहा कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में रविवार को हुए एक इजरायली हवाई हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह कमांडर हेथम अली अल-तब्ताबी की मौत हो गई। यह एक हाई-प्रोफाइल हत्या है जो एक साल पुराने युद्धविराम को और तनावपूर्ण बना रही है। हिजबुल्लाह ने अल-तब्ताबी की मौत की पुष्टि की है, जिसे उसने हारेत हरेक जिले पर 'विश्वासघाती इजरायली हमला' करार दिया है। उसने कहा कि वह 'लेबनान और उसके लोगों के लिए बलिदान' देते हुए शहीद हो गया।

एफबीआई चीफ काश पटेल ने गर्लफ्रेंड को कमांडो सुरक्षा दिलवाई

वाशिंगटन। अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी एफबीआई के भारतवंशी डायरेक्टर काश पटेल गर्लफ्रेंड को सरकारी सुरक्षा दिलवाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को स्वाट कमांडो (स्पेशल वेपन एंड टेक्टिस) सुरक्षा दी और सरकारी रिसोर्स का गलत इस्तेमाल किया। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने 12 प्राइवेट टूर के लिए सरकारी जेट का इस्तेमाल किया। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या वे टैक्सपेयर्स के पैसों से मिलने वाले रिसोर्स को निजी रिश्ते पर खर्च कर रहे हैं। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल के शपथ ग्रहण समारोह में एलेक्सिस विल्किंस। दोनों तीन साल से रिश्ते में हैं। विवाद की शुरुआत अटलांटा में नेशनल राइफल एसोसिएशन की सालाना समिट से मानी जा रही है।

परमाणु हथियारों की तस्करी कर रहे थे अब्दुल कादिर

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के अफसर का अहम खुलासा: मुशर्रफ को पता चला तो बोले: मार डालूंगा

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जेम्स लालर ने पाकिस्तानी साइंटिस्ट डा. अब्दुल कादिर खान के न्यूक्लियर स्मगलिंग नेटवर्क को लेकर कई खुलासे किए हैं।

लालर ने बताया कि शुरू में अमेरिका को लगा था कि कादिर खान सिर्फ पाकिस्तान के लिए परमाणु ब्लूप्रिंट बना रहा है, लेकिन बाद में पता चला कि वह लीबिया, ईरान जैसे कई देशों को परमाणु तकनीक और हथियार बनाने का सामान अवैध तरीके से बेच रहा था। लालर ने कहा कि हम बहुत देर से जागे। हमें अंदा. जा ही नहीं था कि वह इतना बड़ा तस्कर बन जाएगा। सरकार के मिलीभगत पर लालर ने कहा कि खान कुछ पाकिस्तानी जनरलों और नेताओं को रिश्वत देते थे।

■ सीआईए चीफ जार्ज टेनेट ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को तस्करी की जानकारी दी: लालर

लालर ने बताया कि सीआईए चीफ जार्ज टेनेट ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को तस्करी की जानकारी दी। मुशर्रफ ये बात सुनते ही गुस्सा हो गए और खान को गाली देते हुए जान से मार डालने की बात कही। सीआईए अधिकारी जेम्स लालर कादिर खान को 'मौत का सौदागर' बुलाते थे। कादिर खान को पाकिस्तान में न्यूक्लियर प्रोग्राम का जनक माना जाता है। वहीं, जेम्स लालर को कादिर खान के परमाणु तस्करी नेटवर्क को खत्म करने का श्रेय दिया जाता है। लालर ने बताया कि उन्होंने कादिर खान को 'मौत का सौदागर' नाम दिया था। कादिर खान का नेटवर्क इतना बड़ा था कि पूरी दुनिया में परमाणु बम बनाने की मशीनें, ब्लू-प्रिंट, सेंट्रीफ्यूज और यूरेनियम समृद्ध करने की तकनीक अवैध तरीके से सप्लाई कर रहा था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी जेम्स लालर ने बताया कि कादिर खान ने अकेले अपने दम पर दुनिया का सबसे खतरनाक परमाणु ब्लैक मार्केट चलाया। शुरू में सीआईए को लगा कि खान सिर्फ पाकिस्तान के लिए सामान चुरा रहा है, लेकिन 1990 के दशक में पता चला कि अब परमाणु हथियार बेच भी रहा है। जेम्स लालर की टीम को खान के नेटवर्क में घुसने का काम सौंपा गया। टीम ने स्विट्जरलैंड, जर्मनी, दुबई और मलेशिया में फर्जी कंपनियां बनाईं जो बाहर से बिल्कुल असली लगती थीं। ये कंपनियां परमाणु डिवाइस बेचने का काम करने लगी। खान के लोग इस कंपनी को असली समझकर आर्डर करने आने लगे। इस तरह सीआईए ने खान के पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया। लालर ने कहा कि अगर हमें तस्करों को हराना था, तो हमें खुद तस्कर बनना पड़ा। इन फर्जी कंपनियों से खराब वाले पार्ट्स भेजे जाते थे।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल नेवी ने ब्रिटिश तट के पास रूसी जहाजों को रोका

लंदन। रॉयल नेवी ने इंग्लिश चैनल से गुजरने के बाद एक रूसी जंगी जहाज और टैंकर का पीछा कर उनको रोका है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रीलय ने कहा कि पिछले दो सालों में ब्रिटेन के समुद्री सीमा के आस-पास रूसी नौ सेना सक्रियता 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। मंत्रालय के मुताबिक, पेट्रोल वेसल एमएमएस सेवर्न ने आरएफएन स्टोइकी कॉर्वेट और उसके साथ चल रहे एक टैंकर पर उस समय नजर रखी, जब वे डोवर स्ट्रेट से गुजरे और फिर इंग्लिश चैनल से पश्चिम की ओर जा रहे थे।

इराकी सुन्नी पार्टियों ने परिषद का गठन किया

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति और एकजुटता को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत 'राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद' के गठन की घोषणा की है। परिषद का उद्देश्य सरकार गठन, स्पीकर के चयन और सुन्नी सहयोगी दलों के अधिकारों की रक्षा करना और उनके रुख को एकजुट करना है। इसकी घोषणा सॉवरेनिटी (अल-सियादा) गठबंधन प्रमुख खामिस अल-खंजर की बुलाई गई बैठक के बाद की गई जिसने 11 नवम्बर के आम चुनाव में काफी सीटें हासिल की थीं।

रूस ने रातों रात 93 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूस के काला सागर और अजोव सागर सहित चार क्षेत्रों के पर आए यूक्रेन के 93 ड्रोनों को रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में मार गिराया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को अपने बयान में कहा कि बीती रात ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने 93 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग मानवरहित हवाई वाहनों को रोककर नष्ट कर दिया। बयान में बताया गया कि इनमें से 45 ड्रोन बेल्गोरोद क्षेत्र के ऊपर, नौ ड्रोन क्रास्नोदार क्षेत्र में और सात ड्रोन निज्नी नोवगोरोड क्षेत्र के ऊपर मार गिराए गए।

भारतीय रक्षा मंत्री ने सिंध को एक बार फिर ला दिया चर्चा में

राजनाथ के बयान से पाक में बढ़ी बेचैनी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर सिंध को चर्चा में ला दिया है। उन्होंने रविवार को दिल्ली में आयोजित हुए सिंधी सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंध इलाके को लेकर जो कहा उसकी गूंज फौरन ही पाकिस्तान में भी सुनाई दी। सिंह ने कहा सिंध, भारत का हिस्सा भले ही न हो लेकिन सभ्यतागत रूप से हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा।

जहां तक जमीन की बात है, बार्डर तो बदल सकते हैं, क्या पता फिर से सिंध, भारत में वापस आ जाए। सिंह के इसी बयान पर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान एक विस्तारवादी हिंदुत्व सोच को दिखाते हैं, जो स्थापित हकीकतों को चुनौते देते हैं और अंतर्राष्ट्रीय कानून, मान्यता प्राप्त सीमाओं और देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करते है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम राजनाथ सिंह और अन्य भारतीय नेताओं से अपील करते हैं कि वे ऐसे उकसाने वाले बयान न दें जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरे में डालते हैं। सिंह ने यह भी कहा कि विभाजन के बाद सिंधी समाज ने भारत में शून्य से शुरुआत की, लेकिन अपने परिश्रम और साहस से सफलता के नए आयाम स्थापित किए। आज भारत ही नहीं, दुनिया भर में सिंधी समुदाय समाज निर्माण के विभिन्न कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इतिहास गवाह है कि भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी इन्होंने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि जब अंग्रेजों का भारत पर कब्जा था तो सिंध का इलाका बॉम्बे प्रांत (महाराष्ट्र-गुजरात) का हिस्सा था। जब 1947 में स्वतंत्रता मिली तो सिंध पाकिस्तान को मिल गया और सिधियों का भारत में पलायन हुआ। पंजाबियों के साथ साथ लाखों सिंधी लोग भारत आ गए। भारत पहुंचकर वे मुंबई, पुणे, अजमेर, भोपाल, दिल्ली, अहमदाबाद जैसे शहरों में बस गए। पाकिस्तान से आए सिंधी लोग आज भी यह कहते हैं, 'हम तो सिंध छोड़ आए, पर सिंध हमारे भीतर अब भी बसता है। यह घटना ठीक वैसे ही हुई जब ईरान मे इस्लाम के बढ़ते नियंत्रण के कारण वहां के मूल निवासी पारसी, अपनी जमीन छोड़ कर महाराष्ट्र-गुजरात आ बसे थे। ऐसा नहीं है कि सिंध इलाके के लोगों ने कभी भी पाकिस्तान से अपनी आजादी का सपना नहीं देखा। पाकिस्तान से बंगलादेश के अलग होने, बलूचिस्तान के अपनी आजादी के ऐलान के शोर के बीच भले ही सिंध की बढ़ती राष्ट्रवादी आकांक्षाएं उतनी न सुनाई देती हों लेकिन दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में उनको अनसुना नहीं किया जा सकता। सिंध, जो सदियों से मानवीय सभ्यता और समृद्ध संस्कृति का केंद्र रहा है, आज एक अपने लिए एक मुल्क 'सिंध देश' की मांग के साथ एक नए मोड़ पर खड़ा है। सिंध का इतिहास ही इसकी पहचान का आधार है। यह वह भूमि है जहां भारतीय मानव सभ्यता ने सबसे पहले आंखें खोलीं। सभ्यता का जनक मोहनजोदड़ो शहर माना जाता है, जो सिंध के लरकाना जिले में स्थित है। यह तथ्य सिंध को एक अद्वितीय ऐतिहासिक महत्व प्रदान करता है। यहां के इतिहास की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी तब जुड़ती है जब यूनानी शासक सिकंदर ने यहां कब्जा किया, लेकिन उसका नियंत्रण ज्यादा नहीं चला और शीघ्र ही यह क्षेत्र बिहार के महान मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के नियंत्रण में आ गया।

कहा: सिंध, भारत का हिस्सा भले ही न हो, लेकिन सभ्यतागत रूप से हमेशा भारत का ही हिस्सा रहेगा

ऐसे बयान अंतर्राष्ट्रीय कानून मान्यता प्राप्त सीमाओं व देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं: पाक

भारत ने विकसित देशों को जलवायु फंडिंग बढ़ाने की याद दिलाई

बेलेम (ब्राजील)। भारत ने जलवायु फंडिग बढ़ाने की दिशा में अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि विकसित देशों से वित्तीय संसाधनों के बिना विकासशील देश राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान(एनडीसी) के कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य को पूरा नहीं कर सकते। उल्लेखनीय है कि एनडीसी पेरिस समझौते के तहत राष्ट्रीय जलवायु योजनाएं हैं, जो उत्सर्जन में कटौती करने और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने के लक्ष्य निर्धारित करती हैं। पेरिस समझौते के तहत सभी देश मिलकर उत्सर्जन कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए एक साथ काम करने पर सहमत हुए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने जलवायु फंडिंग पर अनुच्छेद 9-1 को आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि तीन दशक पहले रियो में किए गए वादों को अब पूरा किया जाना चाहिए। भारत ने न्यायोचित परिवर्तन तंत्र 'जस्ट ट्रांजिशन मैकेनिज्म' की स्थापना को कॉप-30 का महत्वपूर्ण परिणाम बताया।

पाकिस्तान आर्मी हेडक्वार्टर में आत्मघाती हमला, छह की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार सुबह फ्रंटियर कान्स्टेबुलरी (एफसी) मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में 6 लोग मारे गए, जिनमें 3 कमांडो और 3 हमलावर शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर खुद को चादर से ढककर पहुंचा था। उसने चौकी पर पहुंचते ही खुद को उड़ा लिया। इसमें 3 पुलिसकर्मी मारे गए।

पेशावर कैपिटल सिटी के पुलिस अधिकारी डा. मियां सईद ने बताया कि विस्फोट के बाद मौके का फायदा उठाकर 2 और हमलावर कांस्टेबुलरी हेडक्वार्टर के कैंपस में घुसने में कामयाब हो गए। दोनों राइफलों और हथगोले से लैस थे। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने हमलावरों से मुठभेड़ की और उन्हें मार गिराया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के समय परेड चल रही थी। सईद ने बताया कि समय पर हुई कार्रवाई से हमलाव. रों को बड़ी घटना करने से रोकने में मदद मिली। पाकिस्तान फौज ने आरोप लगाया है कि इस हमले के पीछे भारतीय प्राक्सी फितना-उल-खवारिज जिम्मेदार है। यह शब्द पाकिस्तान तालिबान टीटीपी के लड़ाकों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एफसी पाकिस्तान की एक सिविल मिलिट्री फोर्स है, जिसका मुख्यालय एक भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित है और सैन्य कैंटोनमेंट के करीब है। एक अधिकारी ने मीडिया से कहा कि सेना और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हालात को संभाल रहे हैं, क्योंकि हमें शक है कि हेडक्वार्टर के अंदर कुछ हमलावर हैं। हमले के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए, जिनमें दावा किया गया कि एफसी चौक मुख्य सदर में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। पाकिस्तान में हाल के महीनों में, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। सितंबर में भी खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में एफसी मुख्यालय पर हमले की कोशिश हुई थी, जिसमें छह सैनिक मारे गए थे और पांच हमलावरों की मौत हुई थी।

■ मृतकों में तीन कमांडो और तीन हमलावर भी शामिल हैं, हमले में कई लोग घायल भी हुए
■ रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के समय परेड चल रही थी

थाइलैंड में बारिश ने 300 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

बैंकाक। थाईलैंड में बारिश ने 300 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसके चलते दस राज्यों में भीषण बाढ़ आ गई है। मौसम विभाग और रायल इरिगेशन डिपार्टमेंट (आरआईडी) के मुताबिक तेज मानसून ट्रफ और लो-प्रेशर सिस्टम के कारण पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। कई जगहों पर 24 घंटे के भीतर 300 से 500 मिमी तक बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा नुकसान सोंगखला प्रांत के हाट याई शहर में हुआ। यहां 21 नवम्बर को 335 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे घरों, दुक. ानों और सड़कों में भारी नुकसान हुआ। कई स्थानों पर लोग घरों में फंसे हुए हैं और रेस्क्यू टीमें उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में जुटी हैं। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ते ही अतिरिक्त रेस्क्यू बल तैनात किए जाएंगे। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भी दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

■ 24 घंटे में 335 मिमी बारिश हुई

रूस ने पोक्रोव्सक के अधिकतर हिस्से पर किया कब्जा

मॉस्को। पोक्रोव्स्क के ज्यादातर हिस्सों पर रूसी सेना ने नियंत्रण कर लिया है और यूक्रेनी सैनिक वहां घिर गए हैं। यूक्रेनी सैनिकों को वहां भारी नुकसान हो रहा है। डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक (डीपीएस) प्रमुख डेनिस पुशिलिन ने यह जानकारी उपलब्ध कराई। पुशि. लिन ने रोसिया 24 ब्रॉडकास्टर को बताया कि पोक्रोव्स्क की तरफ दुश्मन को कुचलने की कोशिशें जारी हैं। दुश्मन घिरे हुए हैं और उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। डीपीएस प्रमुख ने कहा कि रूसी सेना पोक्रोव्स्क के साथ-साथ दिमित्रोव (मिरनो. हराद) इलाके को तेजी से आजाद कराने के लिए एक और दिशा से आगे बढ़ रही है।

कनाडा में भारतवंशियों को मिलेगी बड़ी राहत

अमेरिका की सख्ती का लाभ उठाने के लिए नागरिकता कानून बदलेगी कनाडा सरकार

ओटावा। कनाडा ने अपने नागरिकता कानून में बड़ा और बेहद अहम सुधार करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। सिटिजनशिप एक्ट में बदलाव करने वाला बिल सी-3 अब शाही स्वीकृति पा चुका है। यानी कानून बदलने की राह लगभग साफ हो गई है।

यह बदलाव खासकर उन भारतीय मूल के हजारों परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आने वाला है, जिनके बच्चे विदेश में जन्म लेने या गोद लिए जाने की वजह से नागरिकता से वंचित रह जाते थे। बिल सी-3 लागू होने के बाद, वे लोग भी कनाडाई नागरिकता पा सकेंगे, जो पहले पुराने कानूनों की वजह से बाहर रह गए थे, जबकि वे हकदार थे। किसी कनाडाई माता-पिता का बच्चा, जिसका जन्म या गोद लिए जाने की प्रक्रिया कनाडा के बाहर हुई है, अब नागरिकता पा सकेगा: यदि माता-पिता का कनाडा से ठोस संबंध साबित होता है। यह बदलाव सीधे उस पहली पीढ़ी की सीमा को राहत देता है, जिसे 2009 में लागू किया गया था। इस सीमा के कारण, यदि किसी कनाडाई माता-पिता का जन्म भी विदेश में हुआ था, तो उनके विदेश में जन्मे बच्चे को नागरिकता नहीं मिलती थी। यही नियम भारतीय मूल के कनाडाई परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ था। दिसम्बर 2023 में, ओंटारियो सुपीरियर कोर्ट ने इस नियम को असंवैधानिक बताया था और कहा था कि इससे बच्चों के अधिकार गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। सरकार ने कोर्ट के फैसले को चुनौती नहीं दी, बल्कि माना कि यह नियम आधुनिक परिवारों की वास्तविकताओं से मेल नहीं खाता। कनाडा की इमिग्रेशन मंत्री लेना मेतलेगे दियाब ने कहा कि यह बिल हमारे नागरिकता कानून में पुराने घावों को भरेगा। यह उन परिवारों के लिए न्याय लेकर आएगा जिनके बच्चों को पहले की गलतियों की वजह से नागरिकता नहीं मिल पाती थी। 'लॉस्ट कैनेडियन्स' के संस्थापक डॉन चैपमैन ने भी कहा कि सरकार ने आधु. निक, वैश्विक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह सुधार कर सही कदम उठाया है। यह बिल अब पूरी तरह से तैयार है, लेकिन इसे लागू करने की तारीख कनाडाई सरकार ऑर्डर इन काउंसिल के जरिए जल्द घोषित करेगी। तब तक पुराने नियम से प्रभावित लोगों के लिए अंतरिम व्यवस्था लागू रहेगी।

■ दिसम्बर 2023 में ओंटारियो सुपीरियर कोर्ट ने इस नियम को असंवैधानिक बताया था

इजरायल में 9 टॉप अफसर सेना से बर्खास्त

दो साल पहले हमास का हमला रोकने में नाकाम रहे थे, 1200 इजरायलियों की जान गई थी

तेल अवीव। इजरायल में 9 टॉप सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के चीफ आफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जामिर ने कहा कि ये अधिकारी हमास के हमले को रोकने में नाकाम रहे थे। 7 अक्टूबर 2023 को हुए इस हमले में 1200 से ज्यादा इजरायली लोगों की मौत हुई थी।

इजरायल में हमास हमले को लेकर हुई सुरक्षा चूक और उसकी निष्पक्ष जांच को लेकर रविवार को प्रदर्शन हुए। इसमें कम से कम 5 लाख लोग शामिल हुए। इसके बाद से सरकार पर इन अधिकारियों को बर्खास्त करने का दबाव बढ़ गया था। आईडीएफ चीफ जामिर ने रविवार को इन अफसरों को मीटिंग के लिए बुलाया और उनकी बर्खास्तगी का फैसला सुनाया। इस दौरान कई अफसरों को फटकार भी लगाई गई। जामिर ने कहा कि वे एक्सपर्ट की जांच रिपोर्ट के आधार पर कमांडरों के खिलाफ फैसले भी लेंगे। हालांकि बर्खास्त किए गए ज्यादातर अधिकारियों ने पहले ही सेना छोड़ दी है। जिन अधिकारियों को फटकार लगी है, वे अपनी मौजूदा पोस्ट पर अपना कार्यकाल पूरा होने तक काम करते रहेंगे। अपने फैसले के बाद आईडीएफ चीफ ने बयान जारी कर कहा: ऐसे फैसले लेना आसान नहीं है, क्योंकि ये उन लोगों को प्रभावित करते हैं जिन्हें मैं बहुत मानता हूं और जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी देश की सुरक्षा में लगा दी। उन्होंने आगे कहा कि मैं इनके साथ दशकों तक लड़ाइयां लड़ चुका हूं। इसके बावजूद मेरे सामने जिम्मेदारी तय करने का कर्तव्य है। ये फैसले हम खुद नहीं चुनते बल्कि बतौर कमांडर हमें उठानी पड़ती है। आईडीएफ चीफ ने आगे कहा कि अगर हम जिम्मेदारी तय नहीं करेंगे, तो सिस्टम पर लोगों का भरोसा कम होगा। यह भरोसा ही हमारी लड़ाई, हमारी जीत और देश की रक्षा की नींव है। जामिर ने यह भी कहा कि जिन अफसरों को बर्खास्त या फटकारा गया है, वे हमारे बेहतरीन कमांडरों में से हैं। इन सभी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा आईडीएफ और इजरायल के लिए दिया है।

■ बर्खास्त किए गए ज्यादातर अधिकारियों ने पहले ही सेना छोड़ दी है

चीन ने अरुणाचल में जन्मी महिला का पासपोर्ट इनवैलिड बताया

बीजिंग। ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय मूल की महिला पेम वांगजाम ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें घंटों तक रोके रखा और परेशान किया। प्रेमा ने कहा कि चीनी अधिकारियों ने उनका भारतीय पासपोर्ट मानने से इन्कार कर दिया, क्योंकि उसमें जन्मस्थान के तौर पर अरूणाचल प्रदेश लिखा हुआ था। वह 21 नवम्बर को लंदन से जापान जा रही थी।

शंघाई पुडोंग एयरपोर्ट पर उनका 3 घंटे का ट्रांजिट था। पेम ने आरोप लगाया कि इमिग्रेशन काउंटर पर अधिकारियों ने उनका पासपोर्ट 'इनवैलिड' बता दिया और कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है। उनसे 18 घंटे पूछताछ की गई और उनका मजाक उड़ाया गया। पेम ने पीएम मोदी और दूसरे सीनियर अधिकारियों को इससे जुड़ी शिकायती चिट्ठी लिखी है और इस बर्ताव को भारत की संप्रभुता और अरूणाचल प्रदेश के नागरिकों का अपमान बताया है। पेम ने आरोप लगाया कि उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया और लीगल वीजा होने के बावजूद उन्हें जापान जाने वाली अगली फ्लाइट में चढ़ने नहीं दिया गया। पेम ने यह भी आरोप लगाया कि वहां मौजूद कई इमिग्रेशन अधिकारी और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के कर्मचारी उनके साथ मजाक करते रहे, हंसते रहे और उससे चीनी पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने का तंज कसा।

■ चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने कहा: ये राज्य चीन का हिस्सा महिला ने पीएम मोदी को शिकायती चिट्ठी लिखी

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108